

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 70 । पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 06 नवम्बर 2026(शुक्रवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

जंतर-मंतर छात्र हिंसा जांच में शिकायतों का टोटा

सुप्रीम कोर्ट बोला- अब तक नहीं मिले पर्याप्त सबूत; पीड़ितों की सामग्री से होगी जांच

सुप्रीम कोर्ट ने पीड़ितों के वीडियो, हलफनामे और याचिकाएं जांच में शामिल करने के दिए निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान हिंसा और पुलिस की कथित ज्यादती की जांच कर रही सुप्रीम कोर्ट की उच्चस्तरीय समिति अब तक किसी ठोस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी है। समिति को शिकायतें बेहद कम मिली हैं। शिकायत दर्ज कराने के लिए ऑनलाइन पोर्टल, ईमेल और डाक सहित कई माध्यम उपलब्ध कराने के बावजूद अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली। इस पर गुरुवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पर्याप्त सामग्री के अभाव में फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचना संभव नहीं है। पूर्व न्यायाधीश जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय उच्चस्तरीय जांच समिति (एचपीआईसी) ने अदालत को बताया कि 29 अक्टूबर की बैठक में केवल एक शिकायतकर्ता हलफनामे के साथ उपस्थित हुआ था। समिति ने 149 अखबारों में सार्वजनिक नोटिस प्रकाशित कर शिकायतें आमंत्रित की थीं। इसके बावजूद ऑनलाइन पोर्टल पर बहुत कम शिकायतें आईं, जबकि ईमेल, डाक और कार्यालय में सीधे कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई। सुनवाई के दौरान



याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर और गोपाल शंकरनारायणन ने मांग की कि सुप्रीम कोर्ट में पहले से दाखिल पीड़ितों के वीडियो, याचिकाएं और हलफनामे जांच समिति को उपलब्ध कराने की अनुमति दी जाए, ताकि प्रत्येक पीड़ित को अलग-अलग उपस्थित होने की जरूरत न पड़े। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि जनहित याचिकाओं में पीड़ितों की संख्या को लेकर किए गए दावे वास्तविक संख्या से अलग हो सकते हैं। वृंदा ग्रोवर ने आरोप लगाया कि हिंसा के मामलों में अब तक एक भी प्राथमिकी दर्ज



नहीं की गई है। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन चलाने की अनुमति किसने दी थी। उनके अनुसार, केंद्र सरकार ने समिति की रिपोर्ट में इस संबंध में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने याचिकाकर्ताओं से पीड़ितों को समिति के सामने अपनी शिकायतें रखने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा। अदालत ने निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता अपने पास मौजूद सभी संबंधित वीडियो, याचिकाएं और हलफनामे समिति को सौंपें। समिति इन दस्तावेजों पर विचार करेगी और संबंधित पक्षों से जवाब लेकर समय-समय पर अंतरिम रिपोर्ट पेश करेगी। वहीं, जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने स्पष्ट किया कि जांच समिति का गठन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई में बाधा नहीं है। यदि किसी पुलिसकर्मी की ओर से गलत कार्रवाई किए जाने के तथ्य सामने आते हैं, तो संबंधित अधिकारी उसके खिलाफ कार्रवाई कर सकते हैं। गौरतलब है कि 20 जुलाई को छात्रों ने संसद की ओर मार्च किया था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हुई थी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े थे। आंदोलन की प्रमुख मांग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा थी। इसके बाद 18 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस की कथित ज्यादती और पुलिसकर्मियों पर हमले के आरोपों की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति गठित की थी। समिति के सदस्य मेघालय के सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक एल.आर. बिश्नोई ने बाद में इस्तीफा दे दिया था, जिसे गुरुवार को अदालत ने स्वीकार कर लिया।

बन्नी नस्ल की भैंस 'मिसरी' ने बनाया नया रिकॉर्ड, 15.11 लाख रुपए में हुई बिक्री; 'लाडली' का रिकॉर्ड टूटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कच्छ (गुजरात)। गुजरात के कच्छ जिले में आयोजित होडका पशु मेले में बन्नी नस्ल की छह वर्षीय भैंस 'मिसरी' ने बिक्री का नया रिकॉर्ड बना दिया। यह भैंस 15 लाख 11 हजार रुपए में बिकी। इसके साथ ही जून 2025 में 14.10 लाख रुपए में बिकी बन्नी नस्ल की भैंस 'लाडली' का रिकॉर्ड टूट गया। अहमदाबाद जिले के पशुपालक लालभाई देसाई ने सबसे ऊंची बोली लगाकर मिसरी को खरीदा। गुजरात पर्यटन और बन्नी पशु उच्छेरक मालधारी संगठन की ओर से 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को होडका गांव में पशु मेले का आयोजन किया गया था। मेले में भुज तहसील के लुना नाना गांव के पशुपालक धुला जत की भैंस मिसरी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। नीलामी के दौरान इसकी कीमत लगातार बढ़ती गई और आखिरकार 15.11 लाख रुपए पर पहुंच गई। दसक्राई तहसील के कुजाड गांव निवासी लालभाई देसाई ने इसे अपने नाम किया। मिसरी की खासियत इसकी दूध उत्पादन क्षमता है। यह रोजाना करीब 20 लीटर दूध देने में सक्षम है। इसके दूध में वसा की मात्रा भी अच्छी बताई जाती है। बन्नी नस्ल की भैंसें अपनी अधिक दूध उत्पादन क्षमता के साथ कठिन जलवायु में रहने की क्षमता के लिए पहचानी जाती हैं। कच्छ के गर्म और शुष्क वातावरण में भी ये आसानी से अनुकूलित हो जाती हैं। यही कारण है कि देशभर के पशुपालकों के बीच इनकी अच्छी मांग रहती है। इससे पहले जून 2025 में कच्छ के सानध्रो गांव में बन्नी नस्ल की 'लाडली' भैंस 14.10 लाख रुपए में बिकी थी। लाडली रोजाना 27 लीटर दूध देती थी और उस समय इसे इस नस्ल की सबसे महंगी भैंस माना गया था। अब मिसरी की रिकॉर्ड कीमत ने नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। होडका पशु मेला बन्नी नस्ल के पशुओं की खरीद-बिक्री के लिए देशभर में पहचान रखता है। यहां पशुओं की नस्ल, दूध देने की क्षमता और विशेषताओं के आधार पर बोली लगाई जाती है। यह मेला कच्छ की पारंपरिक पशुपालन संस्कृति और मालधारी समुदाय की समृद्ध विरासत को भी प्रदर्शित करता है।



राजस्थान को नहीं मिले 4 अनुभवी आईएएस अधिकारी, केंद्र सरकार ने वापसी की मांग दूसरी बार ठुकराई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान सरकार को केंद्र सरकार से बड़ा प्रशासनिक झटका लगा है। केंद्र ने लंबे समय से दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर तैनात राजस्थान कैडर के 4 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को वापस राज्य भेजने की मांग ठुकरा दी है। राज्य सरकार के कार्मिक विभाग ने इस संबंध में इस साल दो बार केंद्र को पत्र लिखा था, लेकिन दोनों बार अनुरोध स्वीकार नहीं किया गया। राज्य सरकार का तर्क था कि राजस्थान में सुशासन और प्रशासनिक कार्यों को गति देने के लिए अनुभवी अधिकारियों की जरूरत है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार दिसंबर में अपने कार्यकाल के 3 साल पूरे करने जा रही है। सरकार चाहती है कि बजट घोषणाओं और विकास कार्यों को तय समय पर पूरा किया जाए। ऐसे में वरिष्ठ अधिकारियों का अनुभव उपयोगी साबित हो सकता है। वापसी के लिए जिन अधिकारियों के नाम सामने आए हैं, उनमें राजीव सिंह ठाकुर, रजत कुमार मिश्र, रोली सिंह और नरेशपाल गंगवार शामिल हैं। राजीव सिंह ठाकुर राजस्थान

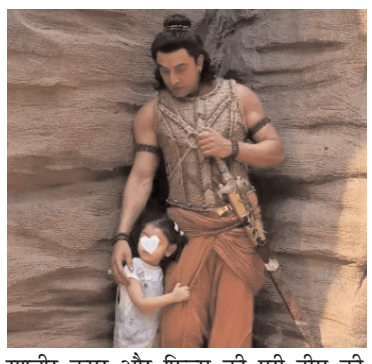


'रामायण पार्ट-1' की रिलीज के बीच आलिया ने साझा की रणबीर की अनदेखी तस्वीरें, बेटी राहा के साथ दिखा खास अंदाज

आलिया बोलीं- रणबीर ने इस फिल्म को अपना सब कुछ दिया, फिर भी बेटी के लिए प्यार में नहीं आई कमी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म 'रामायण पार्ट-1' की रिलीज के बीच अभिनेत्री आलिया भट्ट ने फिल्म के सेट की कुछ अनदेखी तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं। इन झलकियों में रणबीर कपूर फिल्म में भगवान राम के किरदार की शूटिंग के दौरान अपनी बेटी राहा के साथ समय बिताते नजर आ रहे हैं। एक्शन दृश्यों की व्यस्त शूटिंग के बीच पिता के रूप में उनकी जिम्मेदारी की झलक भी देखने को मिली है। आलिया भट्ट ने सामाजिक माध्यम इंस्टाग्राम पर तस्वीरें और वीडियो साझा करते हुए अपने पति



रणबीर कपूर और फिल्म की पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने लिखा कि रणबीर ने इस फिल्म को अपना सब कुछ दे दिया, लेकिन इसके बावजूद बेटी राहा के लिए उनके प्यार और समय में कोई कमी नहीं आई। आलिया की इस पोस्ट के सामने आने के बाद फिल्म के पर्दे के पीछे के खास पलों की चर्चा शुरू हो गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 'रामायण' भारतीय सिनेमा की सबसे महंगी परियोजनाओं में शामिल है। इसके दोनों भागों का कुल बजट करीब 4,000 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, रवि दुबे लक्ष्मण और यश रावण की भूमिका में नजर आ रहे हैं। कहानी में एक ओर अयोध्या के राजकुमार राम हैं, जिनके लिए मर्यादा सर्वोपरि है, तो दूसरी ओर लंका का राजा रावण है, जिसके पास ज्ञान और शक्ति होने के साथ अहंकार भी है। दोनों के बीच संघर्ष की इस गाथा को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत किया गया है।

पिता धर्मेंद्र के फार्महाउस पहुंचे सनी देओल, खेतों में खड़े होकर हुए भावुक; लिखा- मिसिंग यू पापा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल अपने बेटे करण देओल के साथ दिवंगत पिता धर्मेंद्र के महाराष्ट्र के लोनावला स्थित फार्महाउस पहुंचे। मुंबई की भागदौड़ से दूर पहाड़ियों के बीच बने इस फार्महाउस में पहुंचकर सनी अपने पिता की यादों में भावुक नजर आए। उन्होंने इस दौरे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसके साथ लिखा- 'मिसिंग यू पापा'। वीडियो में सनी देओल अपने बेटे करण के साथ खेतों में खड़े दिखाई दे रहे हैं। वहां स्थानीय मजदूर धान की सफाई और कटाई से जुड़े काम में जुटे हुए हैं। इसी दौरान सनी अपने बेटे को खेत दिखाते हुए कहते हैं, 'ये मेरे पापा का खेत है, तुम्हारे लिए वे बड़े पापा थे।' इस पर करण सिर हिलाकर सहमति जताते नजर आते हैं। सनी ने वीडियो के पृष्ठभूमि में अपनी फिल्म 'अपने' का शीर्षक गीत लगाया है। इसके साथ उन्होंने लाल दिल का चिह्न लगाकर पिता के प्रति अपना भाव व्यक्त किया।



दिल्ली के चांदनी चौक में तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत ढही, 2 की मौत, 4 घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के चांदनी चौक इलाके में गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के पास गली सत्तारा में तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत अचानक ढह गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हुए हैं। दिल्ली दमकल सेवा के अनुसार, मलबे में करीब 15 लोगों के दबे होने की आशंका है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 9:50 बजे हुआ। सूचना मिलते ही दमकल की छह गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), दिल्ली पुलिस और नगर निगम (एमसीडी) की टीमें भी मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। बचाव दल मलबे को सावधानीपूर्वक हटाकर लोगों की तलाश कर रहे हैं। हादसे के बाद एमसीडी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए भवन विभाग के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है।



योगी सरकार का दिवाली तोहफा: 14.50 लाख कर्मचारियों को मिलेगा 30 दिन का बोनस, अधिकतम 6,908 रुपए खाते में आएंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने दिवाली के अवसर पर सरकारी कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पात्र कर्मचारियों को 30 दिन का बोनस देने का आदेश जारी कर दिया है। राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद वित्त विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने गुरुवार शाम सात बजे इस संबंध में आदेश जारी किया। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के करीब 14.50 लाख कर्मचारियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। आदेश के अनुसार पात्र कर्मचारियों को अधिकतम 6,908 रुपए बोनस दिया जाएगा। बोनस की गणना के लिए अधिकतम मासिक वेतन 7,000 रुपए निर्धारित किया गया है। हालांकि, कर्मचारियों को मिलने वाली कुल राशि का 75 प्रतिशत



हिस्सा उनके भविष्य निधि (पीएफ) खाते में जमा किया जाएगा, जबकि शेष 25 प्रतिशत रकम नकद दी जाएगी। सरकार के आदेश के मुताबिक 47,600 से 1,51,100 रुपए तक के वेतनमान वाले लेवल-8 तक के कर्मचारी बोनस के दायरे में आएंगे। पुराने वेतनमान के तहत 4,800 रुपए ग्रेड पे तक के अराजपत्रित कर्मचारी भी इसके पात्र होंगे। सरकार ने दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को भी बोनस का लाभ देने का निर्णय लिया है। इसके लिए कर्मचारी का लगातार तीन वर्ष तक कार्यरत रहना जरूरी होगा। साथ ही छह दिन के कार्य सप्ताह में प्रत्येक वर्ष कम से कम 240 दिन और पांच दिन के कार्य सप्ताह में 206 दिन काम करना अनिवार्य होगा। पात्र दैनिक वेतनभोगियों को अधिकतम 1,184 रुपए बोनस मिलेगा। जिन कर्मचारियों का पीएफ खाता नहीं है, उनके बोनस की 75 प्रतिशत राशि राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) या सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) में जमा कराई जाएगी। वहीं, 31 मार्च 2026 के बाद सेवानिवृत्त हो चुके या 30 अप्रैल 2027 तक सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को बोनस की पूरी रकम नकद दी जाएगी। सरकार के इस फैसले से लाखों कर्मचारियों को त्योहार के दौरान आर्थिक राहत मिलने के साथ अतिरिक्त खर्चों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

अंबाला में अमित शाह ने किया 600 करोड़ के शहीद स्मारक का लोकार्पण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाला। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अंबाला में 600 करोड़ रुपए की लागत से बने 1857 की क्रांति के शहीद स्मारक का लोकार्पण किया। इसके बाद गांधी मैदान में आयोजित रैली को संबोधित किया। अपने भाषण में शाह का मुख्य फोकस हरियाणा की विकास योजनाओं और राज्य सरकार की उपलब्धियों पर रहा। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की तारीफ करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार अपने सभी वादे पूरे कर रही है। उन्होंने कई बार 'मेरा हरियाणा' कहकर प्रदेश के प्रति अपनी भावनाएं भी जाहिर कीं। अमित शाह ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 24 फसलों की खरीद करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। उन्होंने देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन, एलिवेटेड रेलवे ट्रैक और पढ़ी-लिखी पंचायतों का भी जिक्र किया। शाह ने कहा कि महिलाओं को पंचायतों में 50 प्रतिशत आरक्षण देने की पहल भी हरियाणा में हुई। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर और वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कार्यकाल में हुए बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में प्रदेश में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य हुए हैं। शाह ने शहीद स्मारक के निर्माण में योगदान के लिए मंत्री अनिल विज की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि इस स्मारक के लिए किए गए प्रयासों को लोग लंबे समय तक याद रखेंगे। वहीं, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में अमित शाह को लौहपुरुष बताया।



धनतेरस से पहले शेयर बाजार में ऐतिहासिक उछाल, सेंसेक्स 2009 अंक चढ़ा...!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। धनतेरस से एक दिन पहले गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 2009 अंक यानी 2.60 प्रतिशत उछलकर 79,310 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में 576 अंकों यानी 2.40 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई और यह 24,537 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार में आई इस तेजी से निवेशकों की संपत्ति में 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक का इजाफा हुआ। निफ्टी ने 4 सितंबर के बाद पहली बार 24 हजार का स्तर पार किया। वहीं, सेंसेक्स के लिए यह इस साल की दूसरी सबसे बड़ी एकदिवसीय बढ़त रही। इससे पहले 8 अप्रैल को सेंसेक्स में 2,946 अंकों का उछाल आया था। करीब सात महीने बाद बाजार में इतनी बड़ी तेजी देखने को मिली है। बाजार में इस तेजी के पीछे अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू कंपनियों के मजबूत तिमाही नतीजों को प्रमुख वजह माना जा रहा है। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव के नतीजों के बाद राजनीतिक समीकरणों में बदलाव और ईरान के साथ जारी युद्ध थमने की संभावनाओं से वैश्विक बाजारों का माहौल सुधरा है। युद्ध खत्म होने की उम्मीद से निवेशकों में भरोसा बढ़ा है। इससे पहले अमेरिकी शेयर बाजार में भी नतीजों के बाद अच्छी तेजी दर्ज की गई। दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने भारतीय बाजार को सहारा दिया। ब्रेंट क्रूड घटकर करीब 94 डॉलर और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 87 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।



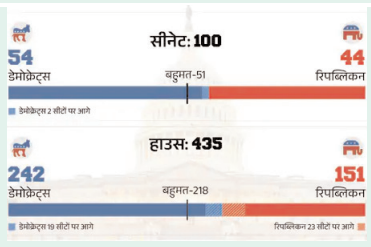
ट्रंप की चुनावी हार के बाद बढ़ी मुश्किलें, महाभियोग की मांग के बीच डेमोक्रेट्स खोलेंगे परिवार के कारोबार और संपत्ति की जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वॉशिंगटन। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा झटका लगने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी ने प्रतिनिधि सभा और सीनेट में बहुमत हासिल कर लिया है। इसके बाद ट्रंप प्रशासन की नीतियों, परिवार के कारोबारी सौदों और कथित अनियमितताओं की जांच तेज करने की तैयारी है। डेमोक्रेटिक सांसदों की ओर से महाभियोग की संभावना पर भी चर्चा हो रही है, हालांकि फिलहाल इसे लेकर कोई अंतिम प्रक्रिया शुरू होने की पुष्टि नहीं है। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, डेमोक्रेट्स का आरोप है कि ट्रंप ने राष्ट्रपति पद का इस्तेमाल अपने करीबियों को लाभ पहुंचाने और परिवार की संपत्ति बढ़ाने के लिए किया। सांसद इन आरोपों की जांच के जरिए यह पता लगाना चाहते हैं कि राष्ट्रपति पद पर रहते हुए ट्रंप और उनके परिवार की कारोबारी गतिविधियों में किस तरह का विस्तार हुआ।

रॉबर्ट गार्सिया ने तय किए जांच के पांच प्रमुख मुद्दे

डेमोक्रेटिक सांसद रॉबर्ट गार्सिया ने ट्रंप



प्रशासन की जांच के लिए पांच प्राथमिकताएं तय की हैं। इनमें ट्रंप परिवार के कारोबारी सौदे, जेफ्री एपस्टीन मामले की जांच में प्रशासन की भूमिका, आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी (आईसीई) की छापेमारी और कार्रवाई, स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग की गतिविधियां तथा कंपनियों से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामले शामिल हैं। गार्सिया का विशेष ध्यान ट्रंप के बेटों और उनके दामाद जेरेड कुशनर के कारोबारी लेन-देन पर भी रहेगा।

कांग्रेस के दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स का दबदबा

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों पर चुनाव हुए। नतीजों की जारी गिनती में डेमोक्रेट्स ने बहुमत हासिल कर लिया है। सीनेट की 100 सीटों में से 35 पर चुनाव हुए, जिनमें डेमोक्रेटिक पक्ष को 54 और रिपब्लिकन पक्ष को 44 सीटों का समर्थन प्राप्त हुआ है। सीनेट के आंकड़े डेमोक्रेट्स के साथ मतदान करने वाले निर्दलीय सदस्यों को भी शामिल करते हैं।

गवर्नर चुनाव में भी डेमोक्रेट्स आगे

36 राज्यों में गवर्नर पद के लिए हुए चुनावों में अब तक 34 राज्यों के परिणाम सामने आए हैं। इनमें डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों ने 22 और रिपब्लिकन उम्मीदवारों ने 12 सीटें जीती हैं। दो राज्यों में मतगणना जारी है।

क्या तीसरी बार महाभियोग का सामना करेंगे ट्रंप?

डेमोक्रेटिक नेतृत्व ने ट्रंप के खिलाफ महाभियोग की संभावना को पूरी तरह खारिज नहीं किया है। हालांकि, तत्काल महाभियोग प्रक्रिया शुरू करने के बजाय फिलहाल जांच और जवाबदेही पर जोर दिया जा रहा है। यदि जांच में गंभीर अनियमितताएं सामने आती हैं, तो महाभियोग की मांग जोर पकड़ सकती है। इसके बावजूद ट्रंप को पद से हटाने के लिए प्रतिनिधि सभा में महाभियोग प्रस्ताव पारित होने के साथ सीनेट में दोषसिद्धि के लिए दो-तिहाई समर्थन आवश्यक होगा।

मर्सिडीज हादसे में नाबालिग के जज पिता को अग्रिम जमानत, पीड़ित परिवार ने फैसले पर जताई निराशा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने मर्सिडीज-बेंज सड़क हादसे के मामले में नाबालिग आरोपी के पिता और न्यायिक अधिकारी को अग्रिम जमानत दे दी है। गुरुवार को अदालत ने पीड़ित परिवार की ओर से दायर याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि आरोपी के जांच में सहयोग नहीं करने के पर्याप्त सबूत नहीं मिले हैं। जज पिता जांच में सहयोग कर चुके हैं और उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ करने की आवश्यकता नहीं है। अदालत के फैसले पर पीड़ित परिवार ने निराशा जताई है। मृतक की बेटी भद्रकीर्ति ने एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा कि यह फैसला उनके सीने में चाकू घोंपने जैसा है। परिवार को उम्मीद थी कि उन्हें न्याय मिलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हादसा 25 अक्टूबर की देर रात कोच्चि के चेरानल्लूर इलाके में हुआ था। आरोप है कि न्यायिक अधिकारी के नाबालिग बेटे ने तेज रफ्तार मर्सिडीज कार से स्कूटी सवार 55 वर्षीय जयबालकृष्णन को पीछे से टक्कर मार दी थी। हादसे में उनकी मौत हो गई थी। जिस कार से दुर्घटना हुई, वह नाबालिग के पिता के नाम पर पंजीकृत थी। इसी आधार पर पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम की धारा 199ए के तहत जज के खिलाफ भी मामला दर्ज किया था।

अंबाजी में फिर शुरू हुईं प्रतिबंधित और जोखिम भरी राइड्स, हादसा हुआ तो जिम्मेदार कौन?



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। प्रसिद्ध तीर्थस्थल अंबाजी में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कुछ दिन पहले स्थानीय लोगों और दर्शनार्थियों की शिकायतों के बाद प्रशासन ने जिन चगडोल (बड़े झूलों) और जोखिम भरी मनोरंजन राइड्स को बंद कराया था, वे अब एक बार फिर संचालित होने लगी हैं। अचानक दोबारा शुरू हुए इन झूलों को लेकर क्षेत्र में नाराजगी बढ़ रही है। लोगों का सवाल है कि जब इन राइड्स को सुरक्षा संबंधी शिकायतों के बाद बंद कराया गया था, तो अब इन्हें दोबारा चलाने की अनुमति किस आधार पर दी गई? क्या प्रशासन ने आवश्यक जांच के बाद मंजूरी दी है या फिर नियमों की अनदेखी की जा रही है? स्थानीय लोगों के अनुसार, किसी भी मेले या मनोरंजन राइड्स के संचालन से पहले आवश्यक सरकारी अनुमतियां और सुरक्षा प्रमाणपत्र होना जरूरी है। इनमें अग्निशमन सुरक्षा की अनापत्ति, राइड्स की संरचनात्मक मजबूती का प्रमाणपत्र, तकनीकी फिटनेस जांच, यात्रियों का बीमा और सक्षम प्रशासनिक अधिकारी की अनुमति प्रमुख हैं। ऐसे में अंबाजी में दोबारा शुरू हुई राइड्स के पास सभी आवश्यक दस्तावेज मौजूद हैं या नहीं, यह स्पष्ट होना चाहिए। लोगों ने सवाल उठाया है कि यदि किसी राइड में तकनीकी खराबी आती है या कोई दुर्घटना होती है तो आपातकालीन बचाव और अग्निशमन की क्या व्यवस्था है? हजारों श्रद्धालु अपने परिवार और बच्चों के साथ अंबाजी पहुंचते हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है।

लाखों की लागत से बना सड़क एक महीने में ही उखड़ा, डभोई में निर्माण की गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। वडोदरा जिले के डभोई तालुका में विकास कार्यों की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। फरतीकुई से पूड़ा जाने वाले नवनिर्मित मुख्य मार्ग की हालत निर्माण के कुछ ही दिनों बाद खराब होने लगी है। लाखों रुपये की लागत से तैयार किए गए इस सड़क से डामर की परत उखड़ गई है और जगह-जगह गिट्टी तथा कंकड़ बाहर निकल आए हैं। सड़क की बदहाल स्थिति को देखकर स्थानीय ग्रामीणों और वाहन चालकों में भारी नाराजगी है। लोगों का आरोप है कि सरकारी धन खर्च होने के बावजूद उन्हें मजबूत और टिकाऊ सड़क की सुविधा नहीं मिल पाई। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण के दौरान मार्ग एवं मकान विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर काम की गुणवत्ता की जांच करने में गंभीर लापरवाही बरती। ग्रामीणों के अनुसार, अधिकारियों की निगरानी के अभाव में ठेकेदार ने मनमाने तरीके से निर्माण कार्य कराया। सड़क निर्माण में निर्धारित मानकों की अनदेखी करते हुए घटिया सामग्री और कम गुणवत्ता वाले डामर का इस्तेमाल किए जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। सड़क से डामर उखड़ने के बाद बड़ी मात्रा में गिट्टी और कंकड़ बाहर फैल गए हैं।



डभोई-बोडेली हाईवे को फोरलेन बनाने की प्रक्रिया तेज, सीमलिया गांव की 16 हेक्टेयर से अधिक जमीन होगी अधिग्रहित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। वडोदरा जिले के डभोई और आसपास के क्षेत्रों के लाखों लोगों के लिए राहत भरी खबर है। डभोई-बोडेली राज्य राजमार्ग-11 को आधुनिक चार मार्गीय सड़क में विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना अब आगे बढ़ने लगी है। इसके लिए राज्य सरकार ने भूमि अधिग्रहण की आधिकारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसी क्रम में डभोई तालुका के सीमलिया गांव की 16 हेक्टेयर से अधिक जमीन अधिग्रहित करने के लिए राजस्व विभाग की ओर से अधिसूचना जारी की गई है। इस कदम से लंबे समय से प्रस्तावित फोरलेन परियोजना के धरातल पर उतरने की उम्मीद बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, डभोई-बोडेली मार्ग पर लगातार बढ़ते यातायात के कारण आए दिन जाम और दुर्घटनाओं की समस्या सामने आती रही है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए सरकार ने राज्य राजमार्ग के किलोमीटर 29.80 से 45.00 तक के हिस्से को चार मार्गीय बनाने की योजना तैयार की है। परियोजना के लिए सीमलिया गांव की सीमा में कुल 16 हेक्टेयर और 75 वर्ग मीटर जमीन अधिग्रहित की जाएगी। राज्य के राजस्व विभाग की ओर से अधिसूचना जारी होने के बाद भूमि अधिग्रहण से जुड़ी प्रशासनिक प्रक्रिया आगे बढ़ने का रास्ता साफ हुआ है। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम-2013 के तहत की जाएगी। हालांकि, परियोजना में अनावश्यक देरी रोकने के लिए गुजरात संशोधन अधिनियम-2016 के विशेष प्रावधानों का उपयोग किया गया है। इसके तहत अधिग्रहित की जाने वाली जमीन को अधिनियम के अध्याय-2 और 3 की कुछ व्यवस्थाओं से छूट दी गई है। इनमें सामाजिक प्रभाव आकलन और खाद्य सुरक्षा से संबंधित प्रावधान शामिल हैं। सरकार ने सार्वजनिक हित और बुनियादी ढांचे के विकास को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था लागू की है।



धर्म की पवित्रता पर गंभीर प्रहार या आस्था के खिलाफ साजिश?

सागरचंद्र सागर विवाद ने मसौर से पालिताणा तक मचाया भूचाल!

वायरल चैट्स, अनैतिक संबंधों के गंभीर आरोपों और करोड़ों के दान के हिसाब-किताब पर उठते सवालों के बीच जैन समाज में उबलता आक्रोश; निष्पक्ष फॉरेंसिक जांच और कड़ी कार्रवाई की उग्र मांग

वित्तीय गड़बड़ियों और पाखंड के आरोपों के बीच उठी निष्पक्ष जांच और पारदर्शी ऑडिट की उग्र मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद/मसूर। भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और सदाचार के पावन सिद्धांतों पर टिकी जैन धर्म की परंपराओं के सामने आज एक ऐसा गंभीर और संवेदनशील विवाद खड़ा हो गया है, जिसने देश भर के जैन समाज को झकझोर कर रख दिया है। साधु जीवन की गरिमा और पवित्रता को कटघरे में खड़ा करने वाली इन घटनाओं के सामने आने के बाद मसौर से लेकर पालिताणा तक के तीर्थ क्षेत्रों और जैन वर्तुलों में भारी आक्रोश और चिंता का माहौल छा गया है। चर्चा के केंद्र में रहे 'सागरचंद्र सागर' पर लगे अनैतिकता और आर्थिक गड़बड़ियों के गंभीर आरोपों ने धर्म की आड़ में चल रहे पाखंड पर कड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल सामग्री और साधु जीवन की मर्यादा के तार-तार

इस पूरे विवाद की शुरुआत सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई कथित व्हाट्सएप चैट्स, कॉल रिकॉर्डिंग्स और तस्वीरों से हुई है। इस वायरल सामग्री ने साधु जीवन की उच्च मर्यादाओं पर बड़े प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। आरोपत इतने गंभीर स्तर के हैं कि कुछ महिलाओं और साध्वियों के साथ कथित अनैतिक संबंधों की चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं। सवाल यह उठता है कि यदि ये तमाम आरोप बेबुनियाद हैं और केवल बदनाम करने का षड्यंत्र हैं, तो संबंधित पक्ष की ओर से तुरंत खुली और संतोषजनक सफाई क्यों नहीं दी जा रही? और यदि इस मामले में सच्चाई है, तो कानूनी जांच के दायरे से क्यों भागा जा रहा है? धर्म के पवित्र वेश की आड़ में किसी को भी कानून और नैतिकता से ऊपर विशेष छूट नहीं मिल सकती।

फॉरेंसिक जांच और सत्य को सामने लाने की अनिवार्यता

किसी भी व्यक्ति की प्रतिष्ठा और लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए न्यायिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना बेहद जरूरी है। सोशल मीडिया पर वायरल हुई चैट्स और ऑडियो रिकॉर्डिंग असली हैं या फर्जी? उनमें कोई तकनीकी छेड़छाड़ की गई है या नहीं? इन सभी बातों का दूध का दूध और पानी का पानी करने के लिए त्वरित और गहन फॉरेंसिक जांच होना अनिवार्य है। यह प्रकरण केवल कुछ तस्वीरों तक सीमित नहीं है, बल्कि जैन समाज की सदियों पुरानी पवित्र परंपरा और करोड़ों अनुयायियों की आस्था की शुद्धता से जुड़ा एक गंभीर विषय है।

करोड़ों का दान, ट्रस्टियों की भूमिका और पारदर्शी ऑडिट का बड़ा सवाल

जैन तीर्थ क्षेत्रों, जिनालयों और धार्मिक संस्थाओं में श्रद्धालुओं द्वारा श्रद्धा भाव से दिया जाने वाला दान जीवदया, शिक्षा, धर्म सेवा और मानव कल्याण के लिए होता है। परंतु इस विवाद के साथ ही संस्थाओं के ट्रस्टियों, पदाधिकारियों और मीडिया कोऑर्डिनेटर अभय चोपड़ा जैसे सहयोगियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में आ गई है। दान की रकम का कोई व्यक्तिगत दुरुपयोग हुआ है या नहीं, आर्थिक लेन-देन में कोई अनियमितता है या नहीं और ट्रस्टों के हिसाब-किताब पारदर्शी हैं या नहीं–इसकी गहराई से जांच के लिए स्वतंत्र ऑडिट अथॉरिटी या कैग द्वारा जांच की जानी समय की मांग है।

प्रवचनों का बहिष्कार और जैन समाज का सुलगता असंतोष

मध्य प्रदेश के मसौर क्षेत्र में सागरचंद्र सागर के प्रवचन जारी होने की खबरों के बीच जैन धर्मप्रेमियों में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। जैन समाज के जागरूक वर्गों द्वारा ऐसे प्रवचनों और कार्यक्रमों का खुलकर बहिष्कार करने की अपील की जा रही है। प्रवचनों में उपस्थिति में भारी कमी आने की खबरें इस बात का प्रमाण हैं कि समाज का स्पष्ट रुख है कि जब तक इन गंभीर आरोपों से पर्दा नहीं उठता और संतोषजनक स्पष्टता नहीं आती, तब तक धार्मिक मंचों के दुरुपयोग को किसी भी कीमत पर रोका जाना चाहिए।



जैन समाज की स्पष्ट और कड़ी मांगें:

1. सागरचंद्र सागर के खिलाफ लगे तमाम गड़बड़ियों के आरोपों की समयबद्ध और निष्पक्ष न्यायिक जांच की जाए।

2. वायरल हुई चैट्स, तस्वीरों और कॉल रिकॉर्डिंग्स की विशेषज्ञों द्वारा फॉरेंसिक जांच कराकर सच्चाई को सार्वजनिक किया जाए।

3. इस पूरे प्रकरण से जुड़ी संबंधित महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और गोपनीयता का पूर्ण संरक्षण हो।

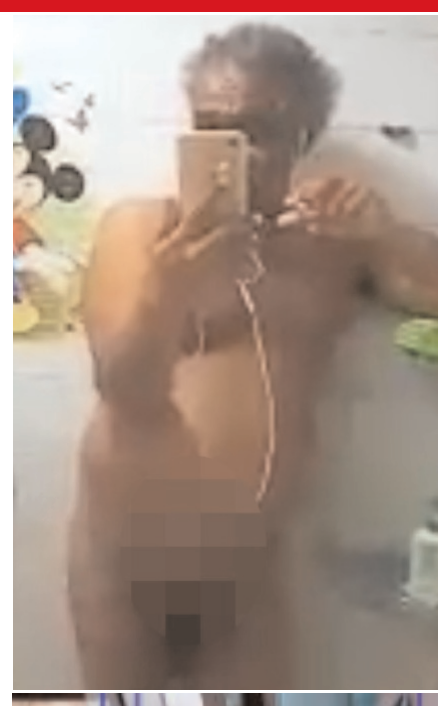
4. धार्मिक संस्थाओं के करोड़ों के दान और वित्तीय लेन-देन का स्वतंत्र और पारदर्शी ऑडिट हो।

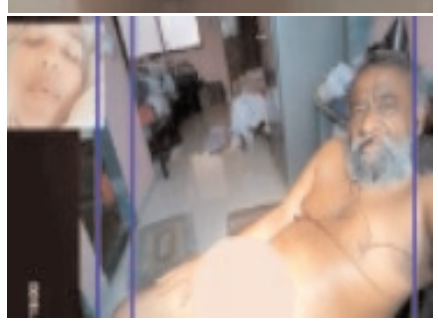
5. ट्रस्टियों, संचालकों एवं अभय चोपड़ा सहित सभी पदाधिकारियों की भूमिका की सघन जांच हो।

6. यदि जांच में किसी भी प्रकार का अपराध या अनियमितता साबित होती है, तो धार्मिक पद या वेश को नजरअंदाज किए बिना कानून के मुताबिक सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

महानगर मेट्रो न्यूज़ की सिंहगर्जना जैसा सीधा सवाल:

भगवान महावीर के शासन में पवित्रता बनाए रखने की प्राथमिक जिम्मेदारी केवल साधुओं की ही नहीं, बल्कि ट्रस्टियों, संचालकों और पूरे जैन समाज की है। यदि आरोप झूठे हैं तो उन्हें मजबूत सबूतों के साथ जनसमक्ष साबित किया जाना चाहिए, और यदि गड़बड़ी या अपराध साबित होता है तो किसी भी धार्मिक आवरण या वेश के तहत आरोपी को बचाया नहीं जा सकता। सत्य और न्याय ही अब अंतिम मार्ग है – ऐसे में जैन समाज, संबंधित ट्रस्टों और जिम्मेदार संस्थाओं को इस विवाद के काले बादलों को हटाकर सच कब बाहर लाना होगा?





खेड़ा के महेमदाबाद में शराब के साथ भाजपा से निलंबित पूर्व पार्षद दर्शन उर्फ फिफा पटेल गिरफ्तार, चार आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महेमदाबाद। गुजरात में शराबबंदी के बावजूद अवैध शराब का कारोबार लगातार सामने आ रहा है। अब खेड़ा जिले के महेमदाबाद में पुलिस ने विदेशी शराब की खेप के साथ भाजपा से निलंबित पूर्व पार्षद दर्शन उर्फ फिफा पटेल सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि मुंबई से विशेष बैग में भरकर लाई गई विदेशी शराब की खेप महेमदाबाद में पहुंचाई जानी थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शराब की आपूर्ति करने वाले व्यक्ति और उसे लेने पहुंचे पूर्व पार्षद समेत चार आरोपियों को पकड़ लिया। इस कार्रवाई के बाद स्थानीय राजनीतिक हलकों में भी हलचल मच गई है। जानकारी के अनुसार, महेमदाबाद क्षेत्र में विदेशी शराब की बड़ी खेप



पहुंचने की सूचना पुलिस को मिली थी। इसके आधार पर पुलिस ने निगरानी शुरू की। जांच में सामने आया कि मुंबई से एक व्यक्ति विशेष बैग में विदेशी शराब भरकर उसकी आपूर्ति करने के लिए महेमदाबाद पहुंचा था। शराब की खेप लेने के लिए भाजपा के पूर्व पार्षद दर्शन उर्फ फिफा पटेल अपने अन्य साथियों के साथ वहां मौजूद थे। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल छापेमारी की और मुंबई से शराब लेकर पहुंचे व्यक्ति के साथ पूर्व पार्षद सहित चार आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से विदेशी शराब की बोतलों से भरे बैग, मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल किए गए वाहन सहित लाखों रुपये का सामान जब्त किया है। मामला सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में भी हलचल मच गई। बताया गया है कि घटना की गंभीरता को देखते हुए संबंधित राजनीतिक दल ने पूर्व पार्षद दर्शन उर्फ फिफा पटेल को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित कर दिया है। खेड़ा पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ निषेध कानून के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

वडोदरा के वाड़ी पुलिस थाने में दो किन्नर गुटों के बीच खूनी संघर्ष, चाकू से हमले में तीन घायल; युवती ने पीया फिनाइल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। शहर के वाड़ी पुलिस थाने के परिसर में ही किन्नर समुदाय के दो गुटों के बीच क्षेत्र और वर्चस्व को लेकर विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि झोया खान के गिरोह के छह लोगों ने दूसरे गुट पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में तीन किन्नर घायल हो गए। वहीं, लगातार मिल रही धमकियों और कथित प्रताड़ना से परेशान एक युवती ने पुलिस थाने के अंदर ही फिनाइल पी लिया। घटना के बाद सभी घायलों को उपचार के लिए वडोदरा के सयाजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, किन्नर समुदाय के दो गुटों के बीच क्षेत्र और वर्चस्व को लेकर विवाद चल रहा था। इसी मामले में कुछ किन्नर शिकायत करने या अपनी बात रखने के लिए वाड़ी पुलिस थाने पहुंचे थे।

इसी दौरान झोया खान के गिरोह के करीब छह लोग वहां पहुंच गए और दूसरे गुट के साथ विवाद करने लगे। आरोप है कि देखते ही देखते विवाद हिंसक हो गया और आरोपियों ने चाकू से हमला शुरू कर दिया। इस हमले में शिवानी कुंवर, अवनी कुंवर और अमीषा कुंवर नाम के तीन किन्नर घायल हो गए। पुलिस थाने के परिसर में हुई इस घटना से वहां अफरा-तफरी मच गई। घटना के दौरान मामला उस समय और गंभीर हो गया, जब लगातार मिल रही धमकियों और कथित प्रताड़ना से परेशान एक युवती ने पुलिस थाने के अंदर ही फिनाइल पी लिया। इसके बाद पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया और तत्काल सहायता की व्यवस्था की गई।

घायल तीनों किन्नरों और फिनाइल पीने वाली युवती को तुरंत वडोदरा के सयाजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस थाने के परिसर में हुई इस घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वाड़ी पुलिस ने मामले में झोया खान और उसके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस पूरे घटनाक्रम और हमले में शामिल लोगों की भूमिका की पड़ताल कर रही है।

120 करोड़ की जमीन हड़पने का गंभीर आरोप, रश्मि बिल्डर पर धोखाधड़ी के आरोपों से रियल एस्टेट क्षेत्र में हलचल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के रियल एस्टेट क्षेत्र में करीब 120 करोड़ रुपये की बेशकीमती जमीन को कथित रूप से हड़पने और करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस मामले में रश्मि बिल्डर के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि विवादित जमीन का मामला सुलझाने और उस पर आकर्षक रियल एस्टेट योजना विकसित करने का भरोसा देकर जमीन मालिकों और संबंधित पक्षों को विश्वास में लिया गया। इसके बाद विवाद सुलझाने और दस्तावेजी प्रक्रिया के नाम पर जमीन के स्वामित्व और अधिकारों को अपने पक्ष में कराने का कथित खेल किया गया। शिकायतकर्ता के आरोपों के अनुसार, संबंधित जमीन को लेकर शुरुआत से ही कानूनी और तकनीकी विवाद चल रहे थे। इसी स्थिति का फायदा उठाकर रश्मि बिल्डर की ओर से जमीन मालिकों या संबंधित पक्षकारों से संपर्क किया गया। उन्हें भरोसा दिलाया गया कि जमीन विवादित जरूर है, लेकिन कानूनी प्रक्रिया और परियोजना विकास से जुड़े नेटवर्क के माध्यम से विवाद को सुलझाकर वहां एक बड़ी रियल एस्टेट योजना विकसित की जा सकती है। आरोप है कि विवाद सुलझाने का भरोसा देकर जमीन पर आकर्षक परियोजना तैयार करने की योजना प्रस्तुत की गई। इससे संबंधित पक्षकारों का विश्वास हासिल किया गया और इसके बाद जमीन से जुड़े दस्तावेजों तथा कानूनी प्रक्रियाओं के नाम पर लेन-देन शुरू हुआ। शिकायतकर्ता की ओर से लगाए गए आरोपों के मुताबिक, परियोजना और योजना के नाम पर संबंधित पक्षकारों से विभिन्न दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाए गए। आरोप है कि इन दस्तावेजों के माध्यम से जमीन के स्वामित्व और कानूनी अधिकारों को अपने पक्ष में हस्तांतरित कराने की कोशिश की गई। आरोप यह भी है कि जब जमीन से जुड़ा मूल विवाद सुलझ गया या स्थिति सामान्य हुई, तब वास्तविक अधिकार रखने वाले पक्षकारों को किनारे कर करीब 120 करोड़ रुपये मूल्य की पूरी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया गया।

टंकारा के नए सजनपर में किसानों की अनूठी मिसाल, करोड़ों की जमीन दान कर बनाया रास्ता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मोरबी। गुजरात के मोरबी जिले के टंकारा तहसील स्थित नए सजनपर गांव के किसानों और ग्रामीणों ने आपसी एकता और सहयोग की अनूठी मिसाल पेश की है। गांव के विकास के लिए करीब 15 किसान परिवारों ने अपनी करोड़ों रुपये की कीमती जमीन स्वेच्छा से दान कर दी। ग्रामीणों ने सरकारी सहायता या अनुदान का इंतजार किए बिना स्वयं करीब 30 लाख रुपये जुटाकर गांव के 1.5 किलोमीटर लंबे रास्ते को 10 फीट से बढ़ाकर 35 फीट चौड़ा बना दिया। इतना ही नहीं, गांव के युवाओं ने भी 10 लाख रुपये का सहयोग जुटाकर आधुनिक सुविधाओं से युक्त 'खोडियार पार्क' तैयार किया है। जानकारी के अनुसार, नए सजनपर गांव में करीब 1.5 किलोमीटर लंबा कच्चा रास्ता पहले केवल 10 फीट चौड़ा था। इसकी वजह से ग्रामीणों और किसानों को आवागमन में काफी परेशानी होती थी। इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए आसपास के करीब 15 किसान परिवार आगे आए। इन परिवारों ने अपनी निजी जमीन में से 10 से 15 फीट तक की जमीन गांव के विकास के लिए स्वेच्छा से दे दी। जमीन उपलब्ध होने के बाद ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से करीब 30 लाख रुपये की राशि एकत्र की। इस रकम से रास्ते पर मेटल बिछाकर उसे 10 फीट से बढ़ाकर 35 फीट चौड़ा बनाया गया। ग्रामीणों के इस प्रयास से गांव में आवागमन की सुविधा बेहतर हुई है। गांव के विकास में युवाओं ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। युवाओं ने आपसी सहयोग से करीब 10 लाख रुपये एकत्र किए और लगभग 6,500 वर्गफीट क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं से युक्त खोडियार पार्क विकसित किया। पार्क में छोटे बच्चों के लिए झूले और फिसलपट्टी लगाई गई हैं। वहीं, ग्रामीणों और बुजुर्गों के बैठने के लिए संगमरमर के आरामदायक बेंच बनाए गए हैं। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पार्क में करीब 35 हरे-भरे पेड़ भी लगाए गए हैं।

एक्टिवा से खुलेआम बिक रही अंग्रेजी शराब, दांता में अवैध बिक्री का वीडियो वायरल

दिवाली के बाजार में शराब तस्करी का आरोप, सफेद और नीली एक्टिवा बनीं कथित तौर पर चलता-फिरता शराब ठिकाना; पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दांता। गुजरात में शराबबंदी के बावजूद दांता कस्बे में खुलेआम अंग्रेजी शराब की बिक्री होने का मामला सामने आया है। एक्टिवा से बीयर की बोतल देते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इलाके में चर्चा तेज हो गई है। वायरल वीडियो में सार्वजनिक स्थान पर बेखौफ तरीके से बीयर बेचने का दृश्य दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। इस घटना ने शराबबंदी कानून के पालन और स्थानीय पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि दांता में यह गतिविधि कोई नई नहीं है। होटल आवकार के पीछे, बगीचा क्षेत्र और देना बैंक के सामने सहित अलग-अलग स्थानों पर जगह बदलकर पिछले कई वर्षों से अंग्रेजी शराब की बिक्री की जा रही है। लोगों का कहना है कि पहले भी इस तरह के वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आ चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आई। दिवाली के त्योहार के चलते इन दिनों बाजार में हजारों लोगों की आवाजाही बनी हुई है। खरीदारी के लिए महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग बड़ी संख्या में बाजार पहुंच रहे हैं। ऐसे में सार्वजनिक बाजार के आसपास कथित तौर पर खुलेआम शराब की बिक्री होने से लोगों में नाराजगी है। व्यापारियों ने भी इस स्थिति पर रोष जताया है। उनका कहना है कि शराब पीकर बाजार में आने वाले कुछ लोग दुकानदारों और आम नागरिकों को परेशान करते हैं। गाली-गलौज, विवाद और दबंगई की घटनाओं से बाजार का माहौल प्रभावित हो रहा है। व्यापारियों का आरोप है कि ऐसी परिस्थितियों में स्थानीय पुलिस की नियमित मौजूदगी भी दिखाई



नहीं देती। लोगों ने सवाल उठाया है कि जब शराब बिक्री से जुड़ा वीडियो सार्वजनिक रूप से सामने आ रहा है, तो अब तक इसकी जांच और कार्रवाई क्यों नहीं हुई? स्थानीय नागरिकों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और कथित अवैध शराब बिक्री के पीछे सक्रिय लोगों की पहचान करने की मांग की है। साथ ही उच्च पुलिस अधिकारियों से वायरल वीडियो की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने तथा दांता बाजार को अवैध शराब बिक्री से मुक्त कराने की अपील की है।

खैरागढ़ में निःशुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित, 60 मरीजों ने कराया पंजीयन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खैरागढ़। कैंसर की समय रहते पहचान और मरीजों को बेहतर चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सिविल अस्पताल खैरागढ़ में निःशुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित किया गया। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार शुक्ला के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग खैरागढ़-छुईखदान-गंडई और रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में कुल 60 मरीजों ने पंजीयन कराया।



शिविर में बड़ी संख्या में ऐसे मरीज पहुंचे, जो पहले से कैंसर का उपचार करवा रहे हैं। इसके अलावा कुछ मरीजों में स्तन में गांठ, मुंह के कैंसर से संबंधित समस्याएं और अन्य संभावित लक्षण सामने आए। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने इन मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। कैंसर से पीड़ित मरीजों को उपचार के दौरान होने वाले दर्द और अन्य शारीरिक परेशानियों के बेहतर प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दी गई। शिविर में पेन एवं पैलिएटिव मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. बबलेश माहावर तथा एमडीएस डॉ. नवीन जैन ने अपनी सेवाएं दीं। चिकित्सकों ने मरीजों को आगे की आवश्यक जांच, उपचार की प्रक्रिया, दर्द नियंत्रण और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार शुक्ला, सिविल सर्जन डॉ. आशीष शर्मा, जिला नोडल अधिकारी एनपी-एनसीडी डॉ. पंकज वैष्णव, बीएमओ खैरागढ़ डॉ. विवेक बिसेन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सोनल ध्रुव, आरएमएनसीएचए आरती चतुर्बीदानी, जिला लेखा प्रबंधक नवीन चौहान और जिला डाटा प्रबंधक खिलेश साहू सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

अहमदाबाद में सीएनजी 100 रुपए के पार, 14 दिन में दूसरी बार बढ़े दाम; चालकों को महंगाई का झटका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। दिवाली से पहले ही अहमदाबाद के वाहन चालकों को महंगाई का बड़ा झटका लगा है। अडाणी ने सीएनजी की कीमतों में 14 दिनों के भीतर दूसरी बार बढ़ोतरी कर दी है। इस बार प्रति किलो 2.30 रुपए की वृद्धि की गई है। इसके बाद सीएनजी का नया भाव 100.77 रुपए प्रति किलो पहुंच गया है। लगातार बढ़ती कीमतों से निजी वाहन चालकों के साथ-साथ टैक्सी और ऑटो रिक्शा से सफर करने वाले यात्रियों की जेब पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ना तय है। इससे पहले 23 अक्टूबर 2026 को कंपनी ने सीएनजी के दाम में एकमुश्त 4 रुपए से अधिक की बढ़ोतरी की थी, जिसके बाद कीमत 98.47 रुपए प्रति किलो हो गई थी। अब दोबारा 2.30 रुपए की वृद्धि से सीएनजी 100 रुपए के पार पहुंच गई है। गौरतलब है कि इससे पहले 1 अगस्त को भी सीएनजी के दाम में 4 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी की गई थी। इसके बाद अक्टूबर में फिर कीमतें बढ़ाई गईं और अब नवंबर में एक बार फिर दाम बढ़ा दिए गए हैं।



अहमदाबाद नगर निगम का बड़ा झटका

शहर में पार्किंग शुल्क में भारी बढ़ोतरी का प्रस्ताव मंजूर; दोपहिया के 20 और चारपहिया के 40 रुपए प्रति घंटा देने होंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में वाहन चालकों और आम नागरिकों की जेब पर अब अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने वाला है। अहमदाबाद नगर निगम की नगर नियोजन समिति ने शहर की सभी निगम संचालित पार्किंग सुविधाओं में पार्किंग शुल्क बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। समिति से स्वीकृति मिलने के बाद अब यह प्रस्ताव अंतिम मंजूरी के लिए स्थायी समिति के समक्ष रखा जाएगा। स्थायी समिति की मंजूरी मिलते ही शहर में संशोधित पार्किंग दरें लागू कर दी जाएंगी। नगर निगम के नए प्रस्ताव के अनुसार, वाहनों की संख्या और यातायात की भीड़ के आधार पर शहर को दो अलग-अलग क्षेत्रों में बांटकर पार्किंग शुल्क निर्धारित किया गया है। अधिक भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अब वाहन खड़ा करना पहले के मुकाबले महंगा होगा। इन क्षेत्रों में दोपहिया वाहन के लिए प्रति घंटे 20 रुपए और चारपहिया वाहन के लिए प्रति घंटे 40 रुपए पार्किंग शुल्क निर्धारित किया गया है। वहीं, कम भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में दोपहिया वाहन चालकों को प्रति घंटे 10 रुपए और चारपहिया वाहन चालकों को प्रति घंटे 20 रुपए चुकाने होंगे। इस तरह शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में वाहनों की आवाजाही और भीड़ के अनुसार पार्किंग शुल्क वसूलने की व्यवस्था की जाएगी। शहर में यातायात की समस्या कम करने के उद्देश्य से बनाई गई बहुमंजिला पार्किंग सुविधाओं के शुल्क में भी बदलाव का प्रस्ताव रखा गया है। नए प्रस्ताव के अनुसार, बहुमंजिला पार्किंग में दोपहिया वाहनों के लिए प्रति घंटे 10 रुपए और चारपहिया वाहनों के लिए प्रति घंटे 20 रुपए शुल्क देना होगा। वर्तमान में शहर की अधिकांश नगर निगम पार्किंग सुविधाओं में दोपहिया वाहनों के लिए 5 रुपए और चारपहिया वाहनों के लिए 15 रुपए प्रति घंटे का शुल्क लिया जाता है। नए प्रस्ताव के लागू होने के बाद पार्किंग शुल्क में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। नगर नियोजन समिति के इस फैसले से अहमदाबाद के वाहन चालकों पर सीधा आर्थिक बोझ बढ़ने की संभावना है। पहले से ही पेट्रोल-डीजल की कीमतों और महंगाई से परेशान नागरिकों को अब अपने वाहनों को सुरक्षित स्थान पर खड़ा करने के लिए भी अधिक पैसे खर्च करने होंगे। नगर निगम इस फैसले को यातायात प्रबंधन और निगम की आय बढ़ाने के कदम के रूप में देख रहा है। हालांकि, पार्किंग शुल्क में प्रस्तावित बढ़ोतरी को लेकर शहरवासियों में नाराजगी और असंतोष देखने को मिल रहा है। फिलहाल प्रस्ताव को स्थायी समिति की अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है, जिसके बाद ही नई दरें लागू होंगी।



अहमदाबाद के कालूपुर में यात्रियों को ऑटो रिक्शा में बैठाकर लूटने वाले शातिर गिरोह का पर्दाफाश, पुलिस ने आरोपियों को दबोचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के व्यस्त कालूपुर इलाके में रेलवे स्टेशन और बस अड्डे से आने-जाने वाले यात्रियों को निशाना बनाकर लूटपाट करने वाले शातिर गिरोह का अहमदाबाद पुलिस ने पर्दाफाश किया है। कालूपुर पुलिस ने सूचना और तकनीकी निगरानी के आधार पर कार्रवाई करते हुए गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई ऑटो रिक्शा सहित लूट का सामान भी बरामद किया है। जानकारी के अनुसार, गिरोह के सदस्य देर रात या सुबह के समय दूसरे शहरों से आने वाले यात्रियों को अपनी ऑटो रिक्शा में सवारी के रूप में बैठाते थे। रिक्शा में पहले से ही गिरोह के अन्य सदस्य यात्री बनकर बैठे रहते थे। जैसे ही कोई अनजान यात्री रिक्शा में बैठता, आरोपी रास्ते में उसे बातचीत में



उलझाकर या डराने-धमकाने के बाद उसके पास मौजूद नकदी, मोबाइल फोन, सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती सामान जबरन छीन लेते थे। इसके बाद यात्रियों को किसी सुनसान जगह पर उतारकर आरोपी मौके से फरार हो जाते थे। एक यात्री ने कालूपुर पुलिस थाना क्षेत्र में इस तरह की लूट की घटना को लेकर आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलते ही पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके साथ ही मानवीय सूचना तंत्र की मदद से आरोपियों की पहचान की गई और जल्द ही गिरोह के सदस्यों को पकड़ लिया गया। पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके पास से लूट में गया सामान और वारदात में इस्तेमाल की गई ऑटो रिक्शा जब्त कर ली है। प्रारंभिक पूछताछ में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि गिरोह ने इससे पहले भी इस तरह की अन्य वारदातों को अंजाम दिया है या नहीं। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है। अहमदाबाद शहर पुलिस की त्वरित कार्रवाई से देर रात यात्रा करने वाले यात्रियों ने राहत की सांस ली है। वहीं पुलिस ने दूसरे शहरों से आने वाले यात्रियों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान या संदिग्ध ऑटो रिक्शा में बैठने से पहले सावधानी बरतें और यात्रा के लिए अधिकृत वाहनों का ही इस्तेमाल करें।

भूदरपुरा में गरीबों के आशियाने उजाड़ने के बाद जागा नगर निगम

हाईकोर्ट के स्थगन आदेश की अनदेखी कर कार्रवाई करने के आरोप; अब सात दिन पहले नोटिस देने का फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के भूदरपुरा इलाके में 9 अक्टूबर को की गई तोड़फोड़ की कार्रवाई को लेकर अब नगर निगम के खिलाफ लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। आरोप है कि अहमदाबाद नगर निगम के अधिकारियों ने गरीब और असहाय परिवारों के घरों को तोड़ते समय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी की। सबसे गंभीर आरोप यह है कि स्थानीय लोगों के पास गुजरात हाईकोर्ट का स्थगन आदेश होने के बावजूद निगम के अधिकारियों ने बुलडोजर चलाकर उनके आशियाने उजाड़ दिए। स्थानीय लोगों के आरोपों के मुताबिक, नगर निगम की ओर से शाम के समय अचानक नोटिस जारी किया गया और अगले ही दिन सुबह बुलडोजर तथा जेसीबी मशीनों के साथ तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू कर दी गई। प्रभावित परिवारों को अपना सामान सुरक्षित निकालने तक का पर्याप्त समय नहीं दिया गया। सुबह-सुबह हुई इस कार्रवाई में गरीब परिवारों के मकान और वर्षों की मेहनत से जुटाई गई संपत्ति मलबे में तब्दील हो गई। दीपावली का त्योहार नजदीक होने के बावजूद कई परिवारों के बच्चे और बुजुर्ग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गए। भूदरपुरा में हुई कार्रवाई को लेकर विवाद बढ़ने के बाद नगर निगम की ओर से अब नई व्यवस्था की घोषणा की गई है। इसके तहत भविष्य में किसी भी तोड़फोड़ की कार्रवाई से पहले सात दिन का अग्रिम नोटिस देने और कार्रवाई के बाद 48 घंटे के भीतर मलबा हटाने की बात कही गई है। हालांकि, इस फैसले को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि जब गरीब परिवारों के घर तोड़े जा रहे थे, तब इन नियमों का पालन क्यों नहीं किया गया? प्रभावित लोगों का कहना है कि मकान तोड़ने के बाद नियमों में बदलाव करने का क्या औचित्य है। सवाल यह भी उठाया जा रहा है कि जिन परिवारों के आशियाने पहले ही उजाड़ दिए गए हैं, उन्हें इस नई व्यवस्था से क्या राहत मिलेगी? इस पूरे मामले में नगर निगम की कार्रवाई और अधिकारियों की जवाबदेही को लेकर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। मांग की जा रही है कि हाईकोर्ट के स्थगन आदेश की कथित अनदेखी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही जिन गरीब परिवारों के मकान तोड़े गए हैं, उन्हें तत्काल वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराया जाए और दीपावली से पहले उनका पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए।

उत्तराखंड में दर्दनाक हादसा

उत्तरकाशी में कार नदी में गिरी, गुजरात के चार श्रद्धालुओं की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। चारधाम यात्रा पर गए गुजरात के श्रद्धालुओं की कार अनियंत्रित होकर गहरी नदी में जा गिरी। इस दर्दनाक हादसे में गुजरात के चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि अन्य यात्री घायल हो गए। घटना की खबर मिलते ही गुजरात में मृतकों के परिवारों और परिचितों के बीच शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, कार में करीब सात यात्री सवार थे। वे उत्तरकाशी क्षेत्र में गंगनानी से डबरानी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर चालक अचानक वाहन से नियंत्रण खो बैठा। इसके बाद कार अनियंत्रित होकर सीधे गहरी नदी में जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) तथा राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीमें मौके पर पहुंचीं। बचाव दल ने नदी में गिरी कार से यात्रियों को बाहर निकालने के लिए अभियान चलाया। इस दौरान चार श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि हुई, जबकि घायल यात्रियों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। प्रशासन की ओर से मृतकों के नाम और गुजरात में उनके मूल निवास स्थान से जुड़ी आधिकारिक जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही उनके परिजनों से संपर्क करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। चारधाम यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं के साथ हुए इस हादसे से गुजरात में शोक का माहौल है।

चाकू की नोक पर लूट का खेल

अहमदाबाद में चाकू दिखाकर यात्रियों को लूटने वाली 'छुट्टा हाथ' गैंग के 3 बदमाश गिरफ्तार, व्यापारी से लूटे थे 50 हजार रुपए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में ऑटो रिक्शा में यात्रियों को बैठाकर चाकू की नोक पर लूटपाट करने वाली 'छुट्टा हाथ' गैंग के तीन सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने करीब चार महीने पहले रामोल के राजेंद्र पार्क चौराहे से एक कबाड़ व्यापारी को रिक्शा में बैठाकर चाकू दिखाया और 50 हजार रुपए लूट लिए थे। पुलिस ने सीटीएम चौराहे से वटवा के चारमालिया क्षेत्र के तीन आरोपियों को दबोचकर उनके कब्जे से नकदी और वारदात में इस्तेमाल सीएनजी रिक्शा सहित कुल 1.19 लाख रुपए का माल बरामद किया है। मामले में सूरत के दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस के अनुसार, बापूनगर के सुंदरमनगर निवासी कबाड़ व्यापारी 3 जुलाई 2026 की सुबह करीब सवा छह बजे वडोदरा जाने के लिए राजेंद्र पार्क चौराहे पर रिक्शा का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान एक सीएनजी रिक्शा वहां पहुंची। चालक ने 15 रुपए किराया तय कर व्यापारी को पीछे बैठा लिया। कुछ दूर आगे स्वास्तिक इलेक्ट्रॉनिक्स के पास एक अन्य व्यक्ति को भी रिक्शा में बैठा लिया



गया। इसके बाद चालक और अन्य बदमाशों ने व्यापारी से नकदी मांगी। विरोध करने पर दो आरोपियों ने उनके हाथ पकड़ लिए, जबकि तीसरे ने चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। बदमाशों ने व्यापारी की जेब से व्यापार के लिए रखे 50 हजार रुपए लूट लिए और उन्हें हरभोलेनाथ सोसायटी के पास उतारकर फरार हो गए। डर और बाहरगांव जाने की जल्दबाजी के कारण व्यापारी ने तत्काल पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई थी। करीब चार महीने बाद पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने सूरत के डिंडोली में रहने वाले दो अन्य साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी चार महीने बाद एक और शिकार की तलाश में निकले थे, तभी पकड़ में आ गए। फरार दोनों आरोपियों की तलाश जारी है।

मणिनगर में 1.10 करोड़ रुपए में दुकान बेचकर बिल्डर भाइयों ने की धोखाधड़ी, करोड़ों का कर्ज छिपाकर लगाया चूना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के मणिनगर इलाके से रियल एस्टेट कारोबार में धोखाधड़ी का एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां चर्चित 'तक्षशिला क्रेस्ट' व्यावसायिक परियोजना में दुकान बेचने के नाम पर बिल्डर भाइयों पर 1.10 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है। आरोप है कि दुकान पर पहले से ही करोड़ों रुपए के परियोजना ऋण का बोझ था, लेकिन बिल्डरों ने यह महत्वपूर्ण जानकारी खरीदार से छिपा ली। पूरी रकम लेने के बाद दुकान की विधिवत बिक्री का दस्तावेज भी पंजीकृत करवा दिया गया। बाद में वित्तीय कंपनी ने दुकान को सील कर दिया, जिसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। इस संबंध में मणिनगर पुलिस थाने में दोनों बिल्डर भाइयों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, मणिनगर इलाके में कमलेश गोंडलिया और राजेश गोंडलिया नामक बिल्डर भाइयों ने 'तक्षशिला क्रेस्ट' नाम से एक व्यावसायिक परियोजना विकसित की थी। इसी परियोजना में स्थित एक दुकान खरीदने के लिए रिकीश मिस्त्री ने बिल्डरों के साथ सौदा तय किया था। आरोप है कि खरीदार ने बिल्डरों की सभी शर्तों के अनुसार दुकान की पूरी कीमत 1.10 करोड़ रुपए समय पर चुका दी थी। रकम का पूरा भुगतान होने के बाद दुकान की विधिवत बिक्री का पंजीकृत दस्तावेज भी तैयार करवाया गया। खरीदार को लगा कि उसने अपनी मेहनत की कमाई से कानूनी रूप से संपत्ति खरीद ली है, लेकिन बाद में उसके सामने धोखाधड़ी का खुलासा हुआ। सौदा पूरा होने और दुकान का कब्जा मिलने के कुछ समय बाद आदित्य बिड़ला कैपिटल फाइनेंस कंपनी के अधिकारी मौके पर पहुंचे और संबंधित दुकान को आधिकारिक रूप से सील कर दिया। अचानक हुई इस कार्रवाई से खरीदार को बड़ा झटका लगा। इसके बाद पता चला कि पूरी तक्षशिला क्रेस्ट परियोजना पर करोड़ों रुपए का ऋण लिया गया था और संबंधित दुकान भी उसी परियोजना ऋण के तहत वित्तीय संस्था के पास गिरवी रखी गई थी।

गांधीनगर से मिले इनपुट पर नवसारी में बड़ी कार्रवाई

पुलिस ने नकली चाबियां, अलग-अलग नंबर प्लेटें और एक टेंपो जब्त किया; अन्य वारदातों में संलिप्तता की जांच जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नवसारी। गुजरात में अवैध शराब और जुए के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस महानिदेशक जी.एस. मलिक के सख्त निर्देशों के बाद स्टेट मॉनिटरिंग सेल (एसएमसी) की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने नवसारी जिले के बिलिमोरा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत गणदेवी तहसील के भाठला गांव में एक खेत पर छापा मारकर विदेशी शराब और बीयर का बड़ा जखीरा बरामद किया। पुलिस ने शराब सहित वाहनों, नकदी और अन्य सामान को मिलाकर कुल 35 लाख 12 हजार 725 रुपये का मुद्देमाल जब्त किया है। जानकारी के अनुसार, स्टेट मॉनिटरिंग सेल के पुलिस उपनिरीक्षक एस.वी. गलचर और उनकी टीम को सूचना मिली थी कि गणदेवी तहसील के भाठला गांव के हवाड़ा फलिया में जयमीन उर्फ जयु अरविंदभाई पटेल के कब्जे वाले खेत में विदेशी शराब का बड़ा भंडार रखा गया है। यहां से अवैध रूप से शराब की बिक्री और आपूर्ति की जा रही है। सूचना मिलते ही एसएमसी की टीम ने बिना देरी किए संबंधित खेत पर छापा मारा। तलाशी के दौरान पुलिस को भारतीय निर्मित विदेशी शराब और बीयर की बड़ी खेप मिली। पुलिस ने मौके से शराब और बीयर की कुल 74 पेटियां जब्त कीं।

अहमदाबाद में मकान तोड़ने के लिए नई नीति लागू, अब रात में नहीं होगा डिमोलिशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में पुराने और जर्जर मकानों को तोड़ने की प्रक्रिया अब आसान नहीं होगी। अहमदाबाद महानगरपालिका ने 50 से 60 साल पुराने मकानों और अन्य जर्जर निर्माणों को गिराने के लिए 'अहमदाबाद सतत विध्वंस नीति-2026' तैयार की है। इसके तहत अब किसी भी निर्माण को तोड़ने से सात दिन पहले महानगरपालिका को तस्वीरों और आवश्यक विवरणों के साथ सूचना देना अनिवार्य होगा। साथ ही तोड़फोड़ का काम केवल दिन के समय ही किया जा सकेगा और मलबे का निपटान 48 घंटे के भीतर करना होगा। शहर में पुराने निर्माणों को गिराने के दौरान धूल, वायु प्रदूषण, यातायात जाम और सड़क पर मलबा फैलने जैसी समस्याएं सामने आती रही हैं। अब नई नीति के जरिए इन समस्याओं पर नियंत्रण लगाने और डिमोलिशन की प्रक्रिया को सुरक्षित बनाने का प्रयास किया गया है। महानगरपालिका की नगर नियोजन समिति के अध्यक्ष भाग्येश पटेल के अनुसार, निर्माण क्षेत्रफल और ऊंचाई के आधार पर इमारतों को पांच श्रेणियों में बांटा गया है। इसी वर्गीकरण के अनुसार नियम लागू होंगे। नीति के तहत मकान मालिकों, विकासकर्ताओं और ठेकेदारों को तोड़फोड़ शुरू करने से सात दिन पहले निर्माण की तस्वीरें, क्षेत्रफल, उपयोग सहित जरूरी जानकारियां देनी होंगी। निर्माण स्थल पर धूल रोकने के लिए अवरोधक, सुरक्षा पर्दे और पानी का छिड़काव करना अनिवार्य होगा। साथ ही आसपास की सड़कों की सफाई भी सुनिश्चित करनी होगी। कटाई, घिसाई और ड्रिलिंग के दौरान धूल नियंत्रण प्रणाली का इस्तेमाल करना पड़ेगा। डिमोलिशन के दौरान पानी, बिजली और गैस के कनेक्शन से जुड़ी आवश्यक सावधानियां बरतनी होंगी। मलबे को ढककर रखना और 48 घंटे के भीतर अधिकृत प्रसंस्करण केंद्र तक पहुंचाना होगा। इसके लिए अभिलेख भी रखना अनिवार्य होगा। ऊंची इमारतों को गिराने के दौरान संरचनात्मक अभियंता की मौजूदगी जरूरी रहेगी। श्रमिकों की सुरक्षा के लिए हेलमेट, सुरक्षा जूते, सुरक्षा जाल और बैरिकेडिंग की व्यवस्था करनी होगी। चेतावनी बोर्ड लगाना भी अनिवार्य होगा।



मोटेरा पुलिस स्टेशन का भव्य उद्घाटन, गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने किया लोकार्पण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से उत्तर और पश्चिम अहमदाबाद के तेजी से विकसित हो रहे मोटेरा क्षेत्र में नवनिर्मित मोटेरा पुलिस स्टेशन का भव्य उद्घाटन किया गया। गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने गरिमामय समारोह में पुलिस स्टेशन का लोकार्पण किया। अहमदाबाद की लगातार बढ़ती आबादी और नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के महत्वपूर्ण स्थलों को ध्यान में रखते हुए इस आधुनिक पुलिस स्टेशन का निर्माण किया गया है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री एवं क्षेत्र की सांसद दर्शना बेन जरदोश, राज्य मंत्री, गांधीनगर दक्षिण के विधायक अल्पेश ठाकोर, साबरमती के विधायक हर्षद पटेल, नरोडा की विधायक डॉ. पायल कुकड़ानी सहित



स्थानीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। गुजरात के पुलिस महानिदेशक जी.एस. मलिक और अहमदाबाद शहर के पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी भी लोकार्पण समारोह में शामिल हुए। नवनिर्मित मोटेरा पुलिस स्टेशन में आधुनिक तकनीक, कंप्यूटर आधारित व्यवस्था, हवालात, नागरिकों के लिए सुविधाजनक प्रतीक्षालय और महिला सहायता केंद्र सहित कई सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम के आसपास के क्षेत्र के साथ-साथ मोटेरा और साबरमती के नागरिकों को भी इस पुलिस स्टेशन से सीधा लाभ मिलेगा। गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि अहमदाबाद के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता है। मोटेरा पुलिस स्टेशन के शुरू होने से क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ेगी, अपराधों पर नियंत्रण लगाने में मदद मिलेगी और आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस नागरिकों तक तेजी से पहुंच सकेगी। अहमदाबाद शहर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और नागरिकों को त्वरित पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ढाई साल से बंद पड़ी सचल जल परीक्षण प्रयोगशालाएं, ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की जांच व्यवस्था प्रभावित



महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड/सिरोही। प्रदेश के गांवों और ढाणियों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई सचल जल परीक्षण प्रयोगशालाओं के पहिए पिछले करीब ढाई साल से थमे हुए हैं। चार संभागों के 20 जिलों में संचालित इस व्यवस्था के तहत मोबाइल प्रयोगशालाएं गांवों और ढाणियों तक पहुंचकर पेयजल स्रोतों के पानी की मौके पर ही जांच करती थीं। करीब सात साल तक इस व्यवस्था ने ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की गुणवत्ता की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन दोबारा निविदा प्रक्रिया नहीं होने के कारण यह सुविधा बंद हो गई। इसका असर पेयजल जांच व्यवस्था पर पड़ रहा है। साथ ही, इस योजना से जुड़े करीब 200 संविदाकर्मी भी बेरोजगार हो गए हैं। पहले सचल प्रयोगशालाओं के माध्यम से गांवों में हैंडपंप, ट्यूबवेल, पानी की टंकियों और अन्य जलस्रोतों के पानी का जीवाणु एवं रासायनिक परीक्षण मौके पर ही किया जाता था। जांच के बाद रिपोर्ट तत्काल जलदाय विभाग के मुख्यालय भेजी जाती थी। यदि किसी जलस्रोत के पानी में अशुद्धियां पाई जाती थीं तो विभाग बिना देरी आवश्यक उपचारात्मक कदम उठा सकता था। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में दूषित पेयजल की पहचान और समस्या के समाधान में समय की बचत होती थी। वर्तमान में गांवों में पेयजल स्रोतों से पानी के नमूने एकत्र करने की जिम्मेदारी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की एएनएम के पास है। वे हैंडपंप, ट्यूबवेल, पानी की टंकियों सहित अन्य स्रोतों से नमूने लेकर जिला स्तरीय प्रयोगशालाओं में जांच के लिए भेजती हैं। इस प्रक्रिया में नमूनों को प्रयोगशाला तक पहुंचाने और जांच रिपोर्ट मिलने में समय लगता है। ऐसे में दूषित पानी की पहचान और उसके बाद कार्रवाई में देरी होने की आशंका बनी रहती है। यह सुविधा जोधपुर, उदयपुर, अजमेर और कोटा संभाग के जिलों में संचालित थी। जोधपुर संभाग में जालोर, बाड़मेर, जैसलमेर, सिरोही, पाली और जोधपुर; उदयपुर संभाग में उदयपुर, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और राजसमंद; अजमेर संभाग में अजमेर, भीलवाड़ा, टोंक और नागौर तथा कोटा संभाग में कोटा, बारां, झालावाड़ और बूंदी जिले शामिल थे। जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, सिरोही के अधीक्षण अभियंता भोमाराम के अनुसार, सचल जल परीक्षण प्रयोगशालाओं की सुविधा करीब ढाई साल से बंद है। इसे दोबारा शुरू करने के संबंध में अभी तक कोई दिशा-निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं। फिलहाल एएनएम गांवों से पानी के नमूने लेकर जिला स्तरीय प्रयोगशालाओं में जांच के लिए भेज रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की गुणवत्ता की समय पर निगरानी सुनिश्चित करने के लिए सचल प्रयोगशालाओं की सुविधा दोबारा शुरू करने की जरूरत महसूस की जा रही है।

दीपावली से पहले सोने-चांदी के भाव में उछाल, 2 दिन में सोना 5,800 और चांदी 9,500 रुपए महंगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। दीपावली से पहले सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर तेजी का दौर शुरू हो गया है। जयपुर सर्राफा बाजार में महज 2 दिनों में सोने की कीमत 5,800 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ गई है। वहीं, चांदी भी प्रति किलो 9,500 रुपए महंगी हो गई है। अक्टूबर में बड़ी गिरावट के बाद अब कीमती धातुओं के भाव में तेजी लौटने से सर्राफा बाजार में हलचल बढ़ गई है। जयपुर सर्राफा बाजार के ताजा भाव के अनुसार, 24 कैरेट मानक सोने की कीमत 1 लाख 47 हजार 800 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गई है। वहीं, 22 कैरेट जेवराती सोना 1 लाख 36 हजार रुपए, 18 कैरेट सोना 1 लाख 15 हजार 300 रुपए और 14 कैरेट सोना 91 हजार 700 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। चांदी का भाव भी बढ़कर 1 लाख 93 हजार 500 रुपए प्रति किलो हो गया है। जयपुर के आभूषण व्यापारी राकेश खंडेलवाल के अनुसार, पिछले दिनों डॉलर में मजबूती और वैश्विक तनाव के कारण सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट आई थी। लेकिन अब डॉलर कमजोर होने से दोनों कीमती धातुओं को सहारा मिला है और इनके भाव में तेजी लौटने लगी है। इससे पहले अक्टूबर में सोने की कीमत 10,700 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमत 44 हजार रुपए प्रति किलो तक गिर गई थी। लगातार गिरावट के बाद अब दीपावली से पहले कीमतों में आए उछाल ने ग्राहकों के बजट पर असर डालना शुरू कर दिया है। दीपावली और धनतेरस पर सोने-चांदी की खरीदारी बढ़ने के बीच व्यापारियों का मानना है कि आने वाले दिनों में भाव में और तेजी आ सकती है। हालांकि, कीमतों का अगला रुख अंतरराष्ट्रीय बाजार, डॉलर की चाल और वैश्विक परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।



जयपुर में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने निकाली पदयात्रा, बोले- जयपुर का बेटा हूं, नाराज फूफा नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को जयपुर में पदयात्रा निकाली। पदयात्रा से पहले रामलीला मैदान में सभा आयोजित की गई, जिसमें रेल मंत्री के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सहित पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जयपुर से अपने पारिवारिक रिश्ते का जिक्र करते हुए कहा, 'जयपुर से मेरा रिश्ता है। मैं यहां का बेटा हूं। कभी लोग मुझे दामाद तो कभी फूफा बना देते हैं, लेकिन मैं नाराज फूफा नहीं हूं।' उल्लेखनीय है कि अश्विनी वैष्णव का जयपुर में ससुराल है। वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का नाम लिए बिना निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जोधपुर की सभा के बाद ये लोग तिलमिला गए हैं, लेकिन अभी तो और तिलमिलाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैंने कहा था कि एक-एक सवाल का जवाब मिलेगा और पूरी ताकत से मिलेगा। सभा के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सहित कई नेता पदयात्रा के लिए रवाना हुए। पदयात्रा की शुरुआत न्यू गेट से की गई, जिसमें नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हाथों में भाजपा के झंडे ले रखे थे। यह पदयात्रा त्रिपोलिया गेट तक निकाली जाएगी।'मोदी कहीं नहीं जाएगा' के लगाए नारे;पदयात्रा के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'मोदी कहीं नहीं जाएगा' और 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' के नारे लगाए। कार्यकर्ताओं के हाथों में 'जनादेश का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान' लिखे पोस्टर भी दिखाई दिए। पदयात्रा के जरिए भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अभियान के समर्थन में अपनी बात रखी।



जयपुर में एक लाख 11 हजार रुपए किलो की मिठाई की मांग, 24 कैरेट सोने के वर्क और चांदी की भस्म से तैयार हो रहीं प्रीमियम मिठाइयां

जयपुर में 1.11 लाख रुपए किलो तक पहुंची खास मिठाइयों की कीमत, सोने-चांदी के वर्क और मेवों से तैयार मिठाइयों की देशभर में मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। दीपावली के त्योहार पर इस बार बाजार में महंगी और खास मिठाइयों की मांग बढ़ रही है। पारंपरिक मिठाइयों से हटकर लोग सोने और चांदी के वर्क से सजी प्रीमियम मिठाइयां उपहार के रूप में पसंद कर रहे हैं। जयपुर में 24 कैरेट सोने के वर्क से तैयार 'स्वर्ण प्रसादम' मिठाई की कीमत एक लाख 11 हजार रुपए प्रति किलो है। इसका एक पीस करीब 3500 रुपए का है। वहीं, चांदी की भस्म से तैयार मिठाई की कीमत 75 हजार रुपए प्रति किलो है और इसका एक पीस 1550 रुपए तक में मिल रहा है। सूखे मेवों से तैयार इन प्रीमियम मिठाइयों की पैकिंग भी खास अंदाज में की जा रही है। इन्हें आभूषणों के डिब्बों जैसी आकर्षक पैकिंग में दिया जाता है। इन मिठाइयों की मांग केवल जयपुर तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के अलग-अलग शहरों से भी ऑर्डर मिल रहे हैं। दुकान संचालकों के अनुसार, देशभर से ग्राहक इन खास मिठाइयों के लिए संपर्क कर रहे हैं। इनके अलावा काजू तरबूज, काजू आम, बादाम टोकरी और अलग-अलग स्वाद वाली काजू कतली की भी अच्छी मांग है। स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता और पारंपरिक मिठाइयों के विकल्प तलाशने के कारण ग्राहक इन प्रीमियम मिठाइयों को दीपावली पर उपहार के रूप में अधिक पसंद कर रहे हैं। मंदिर से आता है सोने का वर्क, चिलगोजा और केसर से बनती है 'स्वर्ण प्रसादम' वैशाली नगर स्थित त्योहार स्वीट्स में 'स्वर्ण प्रसादम' नाम से विशेष मिठाई तैयार की गई है। इसमें महंगे सूखे मेवों के साथ खाने योग्य सोने का इस्तेमाल किया जाता है। मिठाई के ऊपर 24 कैरेट सोने का वर्क लगाया जाता है। इसके लिए घी वालों का रास्ता स्थित जैन मंदिर से सोने का वर्क मंगवाया जाता है। इस मिठाई में चिलगोजा और प्रीमियम केसर भी मिलाया जाता है। चिलगोजा की कीमत करीब 25 हजार रुपए प्रति किलो बताई गई है। दुकान संचालक के अनुसार, यह मिठाई केवल ऑर्डर मिलने पर तैयार की जाती है। इसके ऑर्डर पूरे साल मिलते हैं और जयपुर के बाहर भी इसकी मांग बनी हुई है।



रत्नों से प्रेरित 'नवरत्न' मिठाई, कीमत 3333 रुपए प्रति किलो

त्योहार स्वीट्स की ओर से काजू कतली को नए अंदाज में पेश करते हुए नौ टुकड़ों वाला 'त्योहार नवरत्न' तैयार किया गया है। इसका आधार काजू कतली है, जबकि प्रत्येक टुकड़े को अलग रंग और स्वाद दिया गया है। इसमें नीलम को केसर के स्वाद और पीले रंग में, गोमेद को भूरे रंग में क्रैनबेरी के साथ और पन्ना को पिस्ते के स्वाद में तैयार किया गया है। इसी तरह मूंगा में स्ट्रॉबेरी, माणिक में गुलाब की पंखुड़ियों, नीले नीलम में ब्लूबेरी और लहसुनिया में कॉफी का स्वाद दिया गया है। हीरे को चांदी के वर्क से सजाया गया है, जबकि मोती को सादी काजू कतली के रूप में तैयार किया गया है। इस विशेष मिठाई की कीमत 3333 रुपए प्रति किलो रखी गई है। सिक्के जैसी 'अशर्फी' मिठाई, एक टुकड़े की कीमत 1111 रुपए बादाम से तैयार 'अशर्फी' मिठाई को शुभ अवसर पर दिए जाने वाले सोने के सिक्के की तरह बनाया गया है। इसका आकार गोल सोने के सिक्के जैसा है और ऊपर खाने योग्य सोने का वर्क लगाया जाता है। एक टुकड़े का वजन करीब नौ ग्राम है, जिसकी कीमत 1111 रुपए रखी गई है। वहीं, नौ टुकड़ों के डिब्बे की कीमत 9999 रुपए है। इसे दीपावली के अवसर पर बाजार में उतारा गया है। दुकान संचालक के अनुसार, इसकी उपयोग अवधि 15 से 20 दिन है। आकर्षक रूप और खास पैकिंग के कारण इसे महंगे उपहार के रूप में पसंद किया जा रहा है।



8 नवंबर को मनाई जाएगी दीपावली, गोवर्धन पूजा की तारीख पर अलग-अलग मत

दीपावली का पांच दिवसीय त्योहार 6 नवंबर को धनतेरस के साथ शुरू होगा। 7 नवंबर को रूप चौदस और 8 नवंबर को मां लक्ष्मी तथा भगवान गणेश की पूजा-अर्चना के साथ दीपावली मनाई जाएगी। इस बार गोवर्धन पूजा की तारीख को लेकर ज्योतिषाचार्यों के अलग-अलग मत सामने आ रहे हैं। सम्राट पंचांग के अनुसार, दीपावली के एक दिन बाद यानी 10 नवंबर को गोवर्धन पूजा की जाएगी।

बड़ौत के माउंट लिट्रा ज़ी स्कूल में दीपावली पर लगा हस्तनिर्मित वस्तुओं का स्टॉल, विद्यार्थियों ने की खरीदारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बड़ौत। माउंट लिट्रा ज़ी स्कूल में दीपावली के अवसर पर हस्तनिर्मित वस्तुओं का विशेष स्टॉल लगाया गया। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को महिला सशक्तिकरण, स्वदेशी उत्पादों, हस्तकला और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। स्टॉल पर विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ खरीदारी की और महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को प्रोत्साहित किया। ईएसआरओ (एनवायरनमेंट सोशल रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन), बड़ौत के तत्वावधान में नीलकंठ एरोमेटिक गैर-सरकारी संगठन की ओर से स्कूल परिसर में यह स्टॉल लगाया गया। इसमें महिलाओं द्वारा तैयार की गई सुगंधित मोमबत्तियां और विभिन्न प्रकार की सजावटी वस्तुएं प्रदर्शित की गईं। संगठन से जुड़ी महिलाओं ने विद्यार्थियों को अपने उत्पादों की विशेषताओं और उन्हें तैयार करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों ने भी रुचि दिखाते हुए विभिन्न वस्तुओं की खरीदारी की। इससे महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने के प्रयासों को प्रोत्साहन मिला। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उनके हुनर को पहचान दिलाना था। इसके साथ ही विद्यार्थियों को स्वदेशी उत्पादों के उपयोग, पारंपरिक हस्तकला और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना भी आयोजन का प्रमुख उद्देश्य रहा। नीलकंठ एरोमेटिक की ओर से सुषमा रानी, वर्षा, अश्वनी कुमार और बिमलेश ने आयोजन में सहयोग किया। स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बिजेंद्र कुमार जैन, निदेशक हंस कुमार जैन तथा समिति के सदस्य अंकुर जैन, अनुज जैन और हिमांशु जैन ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन महिलाओं को अपनी प्रतिभा और कौशल प्रदर्शित करने के साथ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, सहयोग और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी विकसित होती है। विद्यालय के प्रधानाचार्य अनुराग शर्मा ने कहा कि दीपावली केवल अपने घरों को रोशन करने का पर्व नहीं है, बल्कि दूसरों के जीवन में भी खुशियों का उजाला फैलाने का अवसर है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाली संस्थाओं और महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।



माउंट आबू में विद्यार्थियों ने किया वन भ्रमण, वन्यजीव संरक्षण की दी जानकारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को गुरुवार को वन विभाग की ओर से आयोजित बाल वन्यजीव जागरूकता शिविर के तहत वन भ्रमण कराया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को वन क्षेत्रों, वन्यजीवों और उनके संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। शिविर का उद्देश्य नई पीढ़ी को वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरण के प्रति जागरूक करना था। उप वन संरक्षक वन्यजीव, आबूपर्वत अनिल कुमार गुप्ता के निर्देश पर आयोजित इस शिविर में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। वन भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को जंगल के प्राकृतिक वातावरण, वन संपदा और वन्यजीवों के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। अधिकारियों ने कहा कि वन और वन्यजीवों का संरक्षण पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान रवि कुमार ने वन्यजीव सुरक्षा पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की। फिल्म के माध्यम से विद्यार्थियों को भालू जैसे वन्यजीवों का सामना होने पर सुरक्षित रहने, सावधानी बरतने और ऐसी परिस्थितियों में जरूरी सुरक्षा उपाय अपनाने की जानकारी दी गई। शिविर में विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सहायक वन संरक्षक वन्यजीव जोगेंद्र सिंह, क्षेत्रीय वन अधिकारी श्रवण राम बिश्नोई सहित वनपाल, वनरक्षक और वन विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे। वन अधिकारियों ने विद्यार्थियों से वनों और वन्यजीवों के संरक्षण में अपनी जिम्मेदारी निभाने तथा पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बच्चों में प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना जरूरी है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभा सकें।



बाजारों और संवेदनशील इलाकों में रहेगी विशेष निगरानी

पटाखों से लेकर यातायात और घर-दुकानों की सुरक्षा को लेकर जारी की एडवाइजरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। दीपावली के त्योहार पर जिले में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। बाजारों, प्रमुख चौराहों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी। पुलिस अधीक्षक डॉ. अजेय सिंह राठौड़ ने आमजन से दीपावली का त्योहार आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की है। साथ ही पटाखे चलाने, यातायात नियमों का पालन करने और घर-दुकानों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरतने का आग्रह किया है। एसपी ने कहा कि दीपावली खुशियों और आपसी भाईचारे का त्योहार है। जिले में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए पुलिस की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। बाजारों और संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जाएगी, ताकि आमजन सुरक्षित वातावरण में त्योहार मना सकें। जिला पुलिस ने पटाखे चलाते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। अभिभावकों से कहा गया है कि बच्चों को अकेले आतिशबाजी न करने दें और किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचें। वहीं, वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने और तेज गति से वाहन चलाने या सड़क पर स्टंट करने से बचने की हिदायत दी गई है। बाजारों में वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करने की अपील की गई है। पुलिस ने घरों और दुकानों की सुरक्षा को लेकर भी सतर्क रहने की सलाह दी है। बाहर जाते समय दरवाजे और खिड़कियां अच्छी तरह बंद रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने को कहा गया है। जिला पुलिस ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सभी की सतर्कता और सहभागिता से दीपावली का त्योहार शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से मनाया जा सकता है।



90-ए के बाद मनमर्जी से नहीं बदल सकेगा जमीन का उपयोग, नए प्रयोजन के लिए भू-उपयोग परिवर्तन और शुल्क जमा कराना अनिवार्य



महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। कृषि भूमि का गैर-कृषि उपयोग के लिए रूपांतरण यानी 90-ए कराने के बाद अब जमीन का उपयोग मनमर्जी से नहीं बदला जा सकेगा। नगरीय विकास विभाग ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि जमीन का जिस प्रयोजन के लिए रूपांतरण कराया गया है, पट्टा भी उसी उपयोग के लिए जारी किया जाएगा। यदि आवेदक बाद में जमीन का उपयोग किसी दूसरे काम के लिए करना चाहता है तो उसे पहले 90-ए के मूल आदेश के अनुसार पट्टा लेना होगा। इसके बाद नियमानुसार भू-उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी कर निर्धारित शुल्क और प्रीमियम जमा कराना होगा। दरअसल, कई मामलों में कृषि भूमि का रूपांतरण आवासीय उपयोग के लिए कराया जाता था, लेकिन बाद में उसी जमीन के लिए व्यावसायिक उपयोग का पट्टा मांगा जा रहा था। इसके लिए नए सिरे से भू-उपयोग परिवर्तन कराने और निर्धारित शुल्क जमा करने के बजाय पुराने 90-ए आदेश में ही संशोधन कर दूसरे उपयोग का पट्टा जारी कर दिया जाता था। इससे नए प्रयोजन के लिए देय शुल्क और प्रीमियम सरकार को नहीं मिल पा रहा था। जयपुर विकास प्राधिकरण में नगर नियोजन विभाग के एक पुराने पत्र का हवाला देकर 90-ए के आदेश में संशोधन कर दूसरे उपयोग के लिए पट्टे जारी किए जा रहे थे। जबकि नियमों में पुराने आदेश में इस तरह संशोधन करने का कोई प्रावधान नहीं है। अब नगरीय विकास विभाग ने आदेश जारी कर ऐसी व्यवस्था पर रोक लगा दी है। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि आवेदक 90-ए आदेश में स्वीकृत उपयोग के बजाय मास्टर प्लान, जोनल प्लान या विकास नियंत्रण नियमों के अनुसार किसी अन्य प्रयोजन के लिए पट्टा या लीज डीड चाहता है, तो भी पहले मूल भू-रूपांतरण आदेश में स्वीकृत उपयोग के अनुसार ही पट्टा जारी होगा। इसके बाद दूसरे प्रयोजन के लिए नियमानुसार भू-उपयोग परिवर्तन कराना अनिवार्य होगा। पट्टा या लीज डीड में दर्ज उपयोग से अलग किसी अन्य काम के लिए जमीन का इस्तेमाल करने पर भी यही प्रक्रिया लागू रहेगी। विभाग ने यह भी व्यवस्था स्पष्ट की है कि यदि आवेदक 90-ए का आदेश जारी होने के बाद पट्टा या लीज डीड नहीं लेना चाहता तो वह आदेश निरस्त कराने के लिए आवेदन कर सकता है। ऐसी स्थिति में संबंधित कृषि भूमि के राजस्व रिकॉर्ड में मूल खातेदार का नाम ही दर्ज किया जाएगा। हालांकि, इस प्रक्रिया में पहले जमा कराया गया भूमि रूपांतरण शुल्क और प्रीमियम वापस नहीं किया जाएगा।

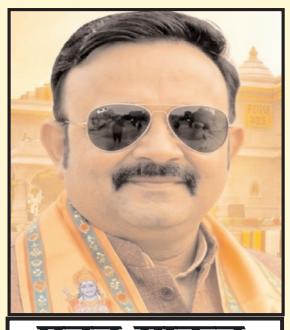
बाढ़ में नशामुक्ति जागरूकता रैली निकाली, स्कूली बच्चों और अभिभावकों ने दिया नशे से दूर रहने का संदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बाढ़। गुरुवार को मद्यनिषेध विभाग के नेतृत्व में नशामुक्ति जागरूकता रैली निकाली गई। इसमें माउंट लिट्रा जी स्कूल के छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली अनुमंडल कार्यालय परिसर से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए अनुग्रह नारायण सिंह कॉलेज के मैदान पहुंची। रैली के दौरान बच्चों और अभिभावकों ने लोगों को नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने का संदेश दिया। इस दौरान लोगों से शराब और अन्य नशीले पदार्थों से दूरी बनाए रखने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की गई। कार्यक्रम में मद्यनिषेध विभाग की अधीक्षक विभा कुमारी ने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना है। नशे की लत का असर केवल व्यक्ति की सेहत पर ही नहीं, बल्कि उसके परिवार और पूरे समाज पर भी पड़ता है। उन्होंने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से नशामुक्ति का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। बच्चों और अभिभावकों की सहभागिता से इस अभियान को और प्रभावी बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में विभाग के निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद सहित अन्य अधिकारी, माउंट लिट्रा जी स्कूल के प्रधानाचार्य, सहायक शिक्षक और अभिभावक मौजूद रहे।



किसानों की दरियादिली और एकता का अद्भुत कमाल: टंकारा के नवा सजनपार में किसानों ने करोड़ों की ज़मीन दान करके 10 फ़ीट के गाड़ी के रास्ते को 35 फ़ीट चौड़ी सड़क में बदल दिया!



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

सरकारी मदद का इंतज़ार किए बिना, गांव वालों ने खुद ही लाखों रुपये खर्च किए। 30 लाख की लागत से सड़क और युवाओं ने पैसे जुटाकर मॉडर्न 'खोडियार पार्क' बनाया; 45 साल पुरानी धुन-कीर्तन की परंपरा ने एकता की ताकत साबित की। जब गुजरात की धरती पर स्वार्थ और भौतिकवाद का राज हो, तो मोरबी ज़िले के टंकारा तालुका के 'नवा सजनपार' गांव ने पूरे राज्य के लिए प्रेरणा की ऐसी मिसाल दी है, जिसे जानकर हर गुजराती का दिल गर्व से भर जाएगा। आजकल जहां एक फ़ीट ज़मीन के लिए खून के रिश्ते भी दांव पर लगे हैं, वहीं नवा सजनपार गांव के अन्नदाता किसानों ने अपनी मर्ज़ी से और मुस्कुराते हुए चेहरे के साथ देश और दुनिया के विकास के लिए अपनी करोड़ों रुपये की कीमती ज़मीन दान कर दी है। सरकारी मदद या कागज़ पर ग्रांट का इंतज़ार किए बिना, गांववालों ने अपनी एकता के दम पर गांव का नक्शा बदल दिया है। करोड़ों रुपये की कीमती ज़मीन और 30 लाख की लागत से शानदार सड़क का दान। घटना के बारे में विस्तार से बात करें तो, नवा साजनपार गांव का 1.5 किलोमीटर लंबा कार्ट रोड पहले सिर्फ़ 10 फ़ीट पतला था, जिससे आना-जाना बहुत मुश्किल था। इस समस्या का पक्का हल निकालने के लिए, गांव के आस-पास के करीब 15 दिलदार और दूर की सोचने वाले किसान परिवार आगे आए और खुशी-खुशी अपनी करोड़ों रुपये की कीमती ज़मीन, जिसकी कीमत 10 से 15 फ़ीट थी, गांव के विकास के लिए दे दी। ज़मीन साफ़ होने के बाद, गांव के जागरूक नागरिकों और गांववालों ने अचानक हाथ मिलाया और बिना किसी सरकारी मदद के, उन्होंने खुद ही करीब 30 लाख रुपये का फंड इकट्ठा किया। इस पैसे से, उन्होंने 10 फ़ीट से 35 फ़ीट तक मेटल बिछाकर सड़क को और चौड़ा और एक मॉडर्न और चौड़ी सड़क बना दी है। किसानों और गांववालों की इस अनोखी दरियादिली ने साबित कर दिया है कि जब इरादा अच्छा हो, तो लोग अपनी किस्मत खुद बदल सकते हैं। युवाओं ने खर्च किए 10 लाख, गांव में बना शानदार 'खोडियार पार्क' सिर्फ़ सड़क ही नहीं, गांव के जोशीले युवाओं ने यह भी बड़ा संकल्प लिया कि गांव की नई पीढ़ी अपनी जड़ों और वतन से मज़बूती से जुड़ी रहे। युवाओं ने आपसी सहयोग से 10 लाख रुपये का फंड इकट्ठा करके करीब 6500 स्क्वायर फीट के बड़े एरिया में लेटेस्ट सुविधाओं से लैस 'खोडियार पार्क' तैयार किया है। इस खूबसूरत गार्डन में छोटे बच्चों के लिए मॉडर्न झूले और झूले हैं, गांववालों और बड़ों के बैठने के लिए आरामदायक मार्बल बेंच हैं, और पर्यावरण की रक्षा के लिए करीब 35 हरे-भरे पेड़ लगाए गए हैं। गांव के इलाके में ऐसी सुविधाएं बनाना सच में एक बड़ा कदम है। इतना बड़ा सामाजिक और स्ट्रक्चरल विकास कैसे मुमकिन हुआ? इसका जवाब गांव की सांस्कृतिक परंपरा में है। गांव के ज़्यादातर परिवार रोज़ी-रोटी के लिए शहरों में चले गए हैं, फिर भी पिछले 45 सालों से, हर रविवार को मंदिर में होने वाली धुन-कीर्तन की पवित्र परंपरा ने सभी गांववालों को ज़िंदगी भर एक साथ रखा है। इसी रूहानी जुड़ाव का नतीजा है कि आज इतना बड़ा विकास हुआ है। इस नए गार्डन और सड़क के उद्घाटन के मौके पर, पूरे गांव के लिए एक बड़ी सभा और ग्रुप में खाना रखा गया, जिसमें सबने मिलकर यह त्योहार मनाया। महानगर मेट्रो नवा साजनपार के इन किसानों, युवाओं और गांववालों की एकता और दरियादिली को सलाम करता है!

चैटजीपीटी में हथियारों और सुरक्षा प्रणालियों की जानकारी पर सख्ती, हिंसक बातचीत करने वालों की चैट होगी बंद

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते इस्तेमाल के बीच ओपनएआई ने चैटजीपीटी की सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने का फैसला किया है। कंपनी ने शुक्रवार को घोषणा की कि किशोरों को हथियारों और सुरक्षा प्रणालियों से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी देने पर कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। यह नियम उन सवालों पर भी लागू होगा, जो सामान्य दिखाई देते हैं या जिनमें हिंसक इरादे स्पष्ट नहीं होते। कंपनी का उद्देश्य एआई के दुरुपयोग को रोकना और हिंसक गतिविधियों की आशंका को कम करना है। ओपनएआई के नए सुरक्षा नियम सभी उपयोगकर्ताओं पर लागू होंगे। यदि कोई व्यक्ति बातचीत के दौरान लगातार हिंसा, हमला करने या किसी को नुकसान पहुंचाने से जुड़ी बातें करता है, तो चैटजीपीटी संबंधित बातचीत को अपने आप बंद कर देगा।

बार-बार गलती पर खाता होगा निलंबित

कंपनी के अनुसार, यदि कोई उपयोगकर्ता बार-बार हिंसक गतिविधियों से जुड़ी प्रतिबंधित बातचीत करता है, तो उसका खाता अस्थायी रूप से निलंबित किया जा सकता है। नए नियमों के तहत हथियारों और सुरक्षा प्रणालियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारियों तक पहुंच सीमित की जाएगी। इस कदम को एआई तकनीक के सुरक्षित इस्तेमाल और संभावित हिंसक घटनाओं को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

आज का राशिफल

(शुक्रवार) 06 नवम्बर 2026

मेष — रुके हुए कार्यों में गति आएगी। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, लेकिन पैसों के मामले में अनावश्यक खर्चों से बचें।

वृषभ — जल्दबाजी में बड़े फैसले न लें, धैर्य से काम लें। पुराने निवेशों की समीक्षा का समय है। शाम तक परिस्थितियां आपके अनुकूल होंगी।

मिथुन — करियर और व्यवसाय में नए अवसर प्राप्त होंगे। विदेश या पुराने संपर्कों से धन लाभ के योग बन रहे हैं। मानसिक भ्रम से बचें।

कर्क — पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। कार्यक्षेत्र में मेहनत रंग लाएगी। सेहत का विशेष ध्यान रखें और भावुक होकर आर्थिक फैसले लेने से बचें।

सिंह — दिन की शुरुआत थोड़ी धीमी रह सकती है, इसलिए वाणी पर संयम रखें। दोपहर के बाद धन लाभ और करियर में पद-प्रतिष्ठा बढ़ने के योग हैं।

कन्या — परिश्रम अधिक रहेगा, लेकिन नतीजे संतोषजनक मिलेंगे। बिजनेस में नए पार्टनर पर तुरंत भरोसा न करें, बजट के हिसाब से काम करें।

तुला — मान-सम्मान और आय में वृद्धि के अच्छे योग हैं। कार्यस्थल पर कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है। वित्तीय फैसलों में थोड़ी सावधानी बरतें।

वृश्चिक — आर्थिक लाभ और व्यापार विस्तार के संकेत हैं। दोपहर से पहले जरूरी सरकारी या व्यावसायिक काम निपटाना फायदेमंद रहेगा।

धनु — प्रबंधन से जुड़े कार्यों में सफलता मिलेगी। वरिष्ठों और सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। व्यक्तिगत खर्चों पर थोड़ा नियंत्रण रखें।

मकर — कामकाज का दबाव बना रह सकता है। संपत्ति से जुड़े मामलों और कागजी कार्रवाई में थोड़ी तेजी आएगी। जल्दबाजी में सौदे न करें।

कुंभ — पुरानी समस्याओं का समाधान मिलेगा और सेहत में सुधार होगा। दोपहर बाद धार्मिक या सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

मीन — शुरुआत में सुस्ती या थकान महसूस हो सकती है। दोपहर के बाद बिजनेस और नौकरी में स्थितियां आपके पक्ष में रुख करेंगी।

गूगल में एआई के लिए बदली जा रही नौकरियों की रणनीति, पांच देशों में स्वैच्छिक नौकरी छोड़ने की योजना का विस्तार



वैश्विक तकनीकी उद्योग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते प्रभाव के बीच दुनिया की बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों की कार्यशैली और रोजगार रणनीति में तेजी से बदलाव आ रहा है। गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट का हालिया कदम इस बदलाव का बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। कंपनी ने कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, जापान और स्विट्जरलैंड में अपने कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक नौकरी छोड़ने की योजना का विस्तार किया है। इस पहल के जरिए कंपनी अपने कार्यबल के आकार और खर्चों को कम करने के साथ भविष्य की महत्वपूर्ण तकनीक एआई में निवेश बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इस घटनाक्रम ने पूरी दुनिया के तकनीकी उद्योग में रोजगार के भविष्य को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

पांच देशों में कर्मचारियों को स्वैच्छिक निकास का विकल्प

अल्फाबेट की इस योजना के तहत कर्मचारियों को अपनी इच्छा से नौकरी छोड़ने के बदले विशेष वित्तीय पैकेज और अन्य प्रोत्साहन दिए जाते हैं। इसे स्वैच्छिक निकास कार्यक्रम कहा जाता है। इसका उद्देश्य बिना बड़े पैमाने पर अनिवार्य छंटनी किए कंपनी के कार्यबल को नए कारोबारी लक्ष्यों के अनुरूप ढालना है। कंपनी की रणनीति में पारंपरिक विभागों के खर्चों को नियंत्रित करना और उपलब्ध संसाधनों को भविष्य की तकनीकों की ओर मोड़ना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एआई अनुसंधान, विशाल कंप्यूटिंग ढांचे, जनरेटिव एआई मॉडल और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों पर दुनिया की बड़ी कंपनियां लगातार निवेश बढ़ा रही हैं। ऐसे में कर्मचारियों की संख्या और विभागीय संरचना में बदलाव को तकनीकी प्रतिस्पर्धा से जोड़कर देखा जा रहा है।

क्या एआई इंसानी नौकरियों के लिए खतरा बन रहा है?

इस घटनाक्रम के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या आने वाले वर्षों में एआई इंसानों की नौकरियों की जगह ले लेगा? इसका जवाब इतना सरल नहीं है। एआई जहां कई पारंपरिक कामों को स्वचालित कर रहा है, वहीं दूसरी ओर नई तकनीकों के विकास और संचालन के लिए नए प्रकार के रोजगार भी पैदा कर रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार, डेटा प्रबंधन, सामान्य तकनीकी सहायता, नियमित प्रोग्रामिंग, दस्तावेज तैयार करने और दोहराए जाने वाले डिजिटल कार्यों में एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। इससे उन पदों की भूमिका बदल सकती है, जहां लंबे समय से एक जैसे काम किए जा रहे हैं। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि तकनीकी क्षेत्र में इंसानों की जरूरत समाप्त हो जाएगी। बल्कि काम करने का तरीका, जिम्मेदारियां और आवश्यक योग्यताएं बदलेंगी।

तकनीकी क्षेत्र में नए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे

एआई के विस्तार के साथ रोजगार के नए क्षेत्र भी तेजी से उभर रहे हैं। एआई इंजीनियरिंग, डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क, क्लाउड कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। इसके अलावा एआई मॉडल का प्रशिक्षण, उनकी गुणवत्ता की जांच, डेटा सुरक्षा और तकनीकी निगरानी जैसे कामों के लिए भी प्रशिक्षित लोगों की आवश्यकता होगी।

इसका मतलब है कि आने वाले समय में केवल सामान्य कोडिंग जानना पर्याप्त नहीं होगा। कर्मचारियों को यह समझना होगा कि एआई उपकरणों का उपयोग करके अपने काम को अधिक प्रभावी और तेज कैसे बनाया जा सकता है। जो कर्मचारी नई तकनीक के साथ अपनी योग्यता विकसित करेंगे, उनके लिए रोजगार के नए अवसर खुल सकते हैं।

युवाओं के सामने नई चुनौती, अब बदलनी होगी पढ़ाई और प्रशिक्षण की दिशा

गूगल जैसी बड़ी कंपनी की रोजगार रणनीति में बदलाव दुनिया भर के युवाओं के लिए भी एक महत्वपूर्ण संकेत है। अब केवल डिग्री या पारंपरिक तकनीकी शिक्षा के आधार पर नौकरी पाना पहले जितना आसान नहीं रह सकता। कंपनियां ऐसे कर्मचारियों को प्राथमिकता दे सकती हैं, जिन्हें तकनीकी ज्ञान के साथ एआई का व्यावहारिक इस्तेमाल भी आता हो।

भारत जैसे देश के लिए यह बदलाव विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यहां लाखों युवा सूचना प्रौद्योगिकी और सॉफ्टवेयर क्षेत्र में रोजगार की तैयारी कर रहे हैं। आने वाले समय में शैक्षणिक संस्थानों, प्रशिक्षण केंद्रों और तकनीकी कंपनियों को अपने पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में एआई से जुड़ी क्षमताओं को अधिक महत्व देना होगा।

सोशल मीडिया कंपनियों की कानूनी सुरक्षा खत्म करने की तैयारी, फेसबुक-इंस्टाग्राम से लेकर यूट्यूब और एक्स तक पर बढ़ सकती है जिम्मेदारी

केंद्र सरकार फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और एक्स जैसे बड़े सोशल मीडिया मंचों को मिलने वाली कानूनी सुरक्षा खत्म करने पर विचार कर रही है। इस संबंध में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने आईटी नियमों में बदलाव को लेकर चर्चा शुरू की है। प्रस्ताव लागू होने पर सोशल मीडिया कंपनियों को उपयोगकर्ताओं की पोस्ट, वीडियो और टिप्पणियों के लिए भी कानूनी रूप से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के तहत इन कंपनियों को 'सेफ हार्बर' यानी कानूनी संरक्षण प्राप्त है। इसके चलते उपयोगकर्ताओं की ओर से साझा की गई सामग्री के लिए प्लेटफॉर्म को सीधे जिम्मेदार नहीं माना जाता। सरकार अब इस सुरक्षा को सोशल मीडिया कंपनियों से हटाकर इंटरनेट, दूरसंचार और संदेश सेवाओं तक सीमित करने पर विचार कर रही है। सरकार से जुड़े एक वर्ग का मानना है कि सोशल मीडिया कंपनियां अब केवल सूचना पहुंचाने का माध्यम नहीं रह गई हैं। उनके एल्गोरिदम तय करते हैं कि कौन-सी पोस्ट कितने लोगों तक पहुंचेगी और किस सामग्री को प्राथमिकता मिलेगी। इसके अलावा कंपनियां अपने सामुदायिक दिशा-निर्देशों के आधार पर सामग्री हटाती या सीमित करती हैं, जो कई बार भारतीय कानूनों से अलग हो सकते हैं। प्रस्तावित बदलाव से सोशल मीडिया कंपनियों की जवाबदेही बढ़ सकती है। हालांकि, इस संबंध में अंतिम निर्णय होना बाकी है।

20 साल... ये सिर्फ एक संख्या नहीं है सर जी!



ये 20 साल - मेहनत, संघर्ष, ईमानदारी
और विश्वास की एक ज़िंदा कहानी है।
पत्रकारिता में कलम सिर्फ चलती नहीं,
कलम बोलती है... कलम लड़ती है...
कलम समाज को जगाती है!
स्टार रिपोर्टर मैगजीन के संपादक
और आइजा सुप्रीमो को बधाई एवं शुभकामनाएं।
कभी किसी गरीब की आवाज़ बनी,
कभी किसी की तकलीफ को मंच दिया,
कभी किसी अनदेखी सच्चाई को उजाले में लाया,
तो कभी किसी हुनर को पहचान दिलाई!
स्टार मैगज़ीन के इन 20 वर्षों में -
हजारों खबरें इतिहास बनीं,
सैकड़ों चेहरों को पहचान मिली,
और अनगिनत आवाज़ों को एक नई उड़ान मिली!
क्योंकि अच्छी पत्रकारिता की पहचान
खबरों की गिनती से नहीं होती,
समाज में बनाए गए विश्वास से होती है!
और स्टार मैगज़ीन ने ये विश्वास 20 सालों तक
पूरी ईमानदारी से कमाया है!
मेरी दिल से शुभकामना है -
आपकी कलम हमेशा सच्चाई की
स्याही से लिखती रहे,
आपकी आवाज़ हर दबे हुए इंसान तक पहुँचती रहे,
और ये सितारा आने वाले समय में
और भी ऊँचा चमकता रहे!
दो दशक की कलम, हजारों कहानियाँ,
अनगिनत अनुभव और विश्वास की अनमोल पहचान!
स्टार मैगज़ीन की पूरी टीम को
इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर
दिल की गहराइयों से बहुत-बहुत बधाई!
आपका नाम चमकता रहे,
आपकी कलम चलती रहे,
और पत्रकारिता का ये सितारा
हमेशा आसमान में सबसे ऊँचा रहे।

धनतेरस का महत्व

धन के साथ स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि की आराधना का पावन पर्व

भारतीय संस्कृति में प्रत्येक त्योहार का अपना विशेष महत्व और विशिष्ट जीवन-दर्शन होता है। ऐसा ही एक पवित्र त्योहार है धनतेरस। दीपावली के पांच दिवसीय पर्व का शुभारंभ करने वाला यह उत्सव श्रद्धा, समृद्धि और शुभता का प्रतीक माना जाता है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धनतेरस मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान इसी दिन भगवान धन्वंतरि अमृत कलश के साथ प्रकट हुए थे। भगवान धन्वंतरि को स्वास्थ्य और आयुर्वेद का देवता माना जाता है। इसलिए यह दिन धन के साथ-साथ निरोगी जीवन की कामना करने का भी पावन अवसर है। धनतेरस के दिन लोग माता लक्ष्मी और भगवान धन्वंतरि की पूजा-अर्चना करते हैं। सोना-चांदी, बर्तन और अन्य शुभ वस्तुएं खरीदने की परंपरा है। बाजारों में खरीदारी का उत्साह, घरों में साफ-सफाई, रंगोली और दीपों की रोशनी त्योहार की खुशियों को दोगुना कर देती है। इस दिन यमदीपदान करने की भी धार्मिक परंपरा है। आधुनिक समय में धनतेरस को अक्सर खरीदारी और भौतिक समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन इस पर्व का वास्तविक अर्थ इससे कहीं अधिक व्यापक है। संपत्ति केवल रुपये या सोने-चांदी तक सीमित नहीं होती। माता-पिता का आशीर्वाद, परिवार का प्रेम, रिश्तों में विश्वास, बच्चों के संस्कार और शरीर का स्वस्थ रहना भी जीवन की अमूल्य संपत्ति है। धनतेरस हमें यह भी सिखाता है कि अपनी खुशियों में जरूरतमंद लोगों को भी शामिल करना चाहिए। किसी भूखे को भोजन कराना, किसी गरीब परिवार के घर में खुशियां लाना और दूसरों के जीवन में आशा का प्रकाश फैलाना भी सच्ची समृद्धि है।

वास्तव में, धनतेरस केवल धन की पूजा का दिन नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य, संतोष, मानवता और सद्विचारों को जीवन में अपनाने का अवसर है। धन के साथ संस्कार और वैभव के साथ विनम्रता हो, तभी जीवन सही मायनों में समृद्ध बनता है। इस पावन अवसर पर भगवान धन्वंतरि और माता लक्ष्मी से प्रार्थना करें कि प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि का आगमन हो तथा हर घर में खुशियों का दीपक सदैव प्रज्वलित रहे।



लेखक : रूपेश सोलंकी,
भचाऊ, कच्छ

साल्हेवारा के बाद अब गंडई में सोनोग्राफी सेंटर सील, अवैध संचालन की शिकायत पर प्रशासन की कार्रवाई

गंडई/खैरागढ़। जिले में अवैध रूप से संचालित सोनोग्राफी सेंटरों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। साल्हेवारा के बाद अब गंडई में भी एक सोनोग्राफी सेंटर को सीलबंद कर दिया गया है। नगर पंचायत गंडई के सामने संचालित ए ग्रुप ऑफ बालाजी डायग्नोस्टिक सेंटर पर यह कार्रवाई अवैध रूप से सोनोग्राफी संचालन की शिकायत मिलने के बाद की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सेंटर के संचालन को लेकर शिकायत मिलने पर कलेक्टर एवं पीसीपीएनडीटी के समुचित प्राधिकारी के निर्देश पर उच्चस्तरीय जांच समिति गठित की गई थी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में समिति ने मामले की जांच कर अपनी रिपोर्ट जिला सलाहकार समिति के समक्ष प्रस्तुत की। जांच रिपोर्ट और जिला सलाहकार समिति के निर्णय के आधार पर सेंटर को सीलबंद करने का आदेश जारी किया गया। आदेश के पालन में 4 नवंबर 2026 को गठित प्रशासनिक एवं स्वास्थ्य विभाग की





संयुक्त टीम ने डायग्नोस्टिक सेंटर को सीलबंद करने की कार्रवाई की। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर पूजा पिंचा, जिला नोडल अधिकारी पीसीपीएनडीटी डॉ. मनजीत बघेल, डॉ. पंकज वैष्णव, डॉ. बोधन सिंह परते और डॉ. विवेक बिसेन सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि आमजन के स्वास्थ्य हितों और पीसीपीएनडीटी अधिनियम के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए जिले में निगरानी और कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। विभाग के अनुसार, नियमों के विपरीत संचालित पाए जाने वाले स्वास्थ्य संस्थानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साल्हेवारा के बाद गंडई में हुई इस कार्रवाई को जिले में सोनोग्राफी सेंटरों की जांच और अवैध संचालन पर नियंत्रण की दिशा में प्रशासन का महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सरकारी कर्मचारियों पर परिजनों के नाम से बीमा एजेंसी चलाने का आरोप

पत्नी, भाई और अन्य रिश्तेदारों के नाम पर एजेंसी संचालन कर स्वयं काम करने की शिकायत; ग्राहकों के हितों और बेरोजगार बीमा अभिकर्ताओं के रोजगार पर पड़ रहे असर का मुद्दा उठाया

राजनांदगांव। जिले में कुछ शासकीय कर्मचारियों द्वारा सेवा नियमों के विपरीत अपने परिजनों के नाम पर बीमा एजेंसियों का संचालन किए जाने के आरोप सामने आए हैं। इस मामले को लेकर पत्रकारों के अंतरराष्ट्रीय संगठन आईरा इंटरनेशनल के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने आरोप लगाया है कि कुछ सरकारी कर्मचारी अपनी पत्नी, भाई अथवा अन्य परिजनों के नाम पर बीमा एजेंसी लेकर उसका संचालन स्वयं कर रहे हैं, जबकि शासकीय सेवा में रहते हुए निजी व्यवसाय का संचालन सेवा आचरण नियमों के विरुद्ध हो सकता है। आईरा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने ज्ञापन में कहा कि यदि एजेंसी किसी परिजन के नाम पर पंजीकृत है, लेकिन उसका वास्तविक संचालन सरकारी कर्मचारी कर रहा है तो इसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए। संगठन ने इसे कथित बेनामी संचालन का मामला बताते हुए संबंधित एजेंसियों की वास्तविक गतिविधियों और उनके लाइसेंसधारकों की भूमिका स्पष्ट करने की मांग की है।

ग्राहकों के हितों पर भी जताई चिंता...

संगठन ने बीमा ग्राहकों के हितों को लेकर भी चिंता जताई है। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि कोई व्यक्ति कागजों में बीमा अभिकर्ता नहीं है, लेकिन वास्तव में पॉलिसी बेचने और ग्राहकों से संपर्क करने का काम वही कर रहा है तो भविष्य में दावा निपटान के समय ग्राहकों को परेशानी हो सकती है। इसके अलावा प्रस्ताव पत्रों पर हस्ताक्षर और अन्य दस्तावेजों की सत्यता की जांच कराने की मांग भी की गई है। संगठन का आरोप है कि कुछ मामलों में परिजनों के नाम पर जारी एजेंसियों के प्रस्ताव पत्रों पर स्वयं हस्ताक्षर किए जाने की शिकायतें मिली हैं। ऐसे मामलों की जांच जरूरी है, ताकि ग्राहकों की बीमा पॉलिसियां भविष्य में विवादित न हों।

बेरोजगार अभिकर्ताओं के रोजगार का मुद्दा उठाया

आईरा ने ज्ञापन में बीमा व्यवसाय को पूर्णकालिक रोजगार के रूप में अपनाने वाले अभिकर्ताओं की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया। संगठन का कहना है कि जिले में सैकड़ों अभिकर्ता बीमा कार्य के माध्यम से अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। वहीं, शिक्षक, सहकारी समिति प्रबंधक, कंप्यूटर ऑपरेटर और सेल्समैन जैसे पदों पर कार्यरत कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से बीमा एजेंसी का संचालन किए जाने से पूर्णकालिक अभिकर्ताओं का व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। संगठन ने कहा कि सरकारी नौकरी से नियमित आय प्राप्त करने वाले कर्मचारियों के साथ प्रतिस्पर्धा के कारण बेरोजगार युवाओं के सामने रोजगार संबंधी चुनौतियां बढ़ सकती हैं।

चार प्रमुख मांगें रखीं

ज्ञापन में आईरा ने प्रशासन से जिले में परिजनों के नाम पर संचालित संदिग्ध बीमा एजेंसियों की सूची तैयार कर जांच कराने, एजेंसी का वास्तविक संचालन लाइसेंसधारी व्यक्ति द्वारा किए जाने की पुष्टि करने, प्रस्ताव पत्रों और अन्य दस्तावेजों की सत्यता की जांच कराने तथा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ विभागीय और नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। हेमंत वर्मा ने स्पष्ट किया कि संगठन की मंशा किसी व्यक्ति विशेष को दोषी ठहराने की नहीं है, बल्कि सरकारी सेवा नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के साथ बीमा ग्राहकों और वास्तविक अभिकर्ताओं के हितों की रक्षा करना है। ज्ञापन सौंपने के बाद प्रशासन की ओर से मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया गया।

24 घंटे में मां और नवजात बच्ची की मौत से मातम में बदला परिवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में एक परिवार के लिए खुशियों का इंतजार ऐसी त्रासदी में बदल गया, जिसने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। पांच साल तक संतान सुख की प्रतीक्षा करने वाले दंपती के घर एक साथ चार बच्चों का जन्म हुआ तो परिवार में खुशियों का माहौल छा गया। लेकिन यह खुशी ज्यादा समय तक नहीं टिक सकी। चार बच्चों को जन्म देने वाली मां की अगले ही दिन उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं, जन्म के कुछ समय बाद एक नवजात बच्ची ने भी दम तोड़ दिया। फिलहाल तीन नवजात अस्पताल में भर्ती हैं, जहां उनका उपचार और देखभाल की जा रही है। मामला बदायूं जिले के मूसाझाग थाना क्षेत्र के करौलिया गांव का है। यहां रहने वाले रामबाबू की शादी करीब पांच साल पहले टिकरा गांव निवासी एकता सागर से हुई थी। शादी के बाद से ही दंपती संतान सुख की प्रतीक्षा कर रहे थे। करीब दो साल पहले भी एकता ने ऑपरेशन के जरिए एक बच्ची को जन्म दिया था, लेकिन दुर्भाग्यवश वह जीवित नहीं रह सकी। इसके बाद परिवार को दोबारा खुशियां मिलने की उम्मीद थी। मंगलवार सुबह एकता को प्रसव पीड़ा हुई तो परिजन उसे शहर के सुधीर नर्सिंग होम लेकर पहुंचे। जांच के दौरान गर्भ में चार बच्चों की जानकारी सामने आई। चिकित्सकों ने स्थिति को देखते हुए तत्काल ऑपरेशन करने की सलाह दी। ऑपरेशन के बाद एकता ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया। पांच साल के लंबे इंतजार के बाद परिवार में चार किलकारियां गूंजने से परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। हालांकि, इनमें से एक नवजात बच्ची की हालत बेहद कमजोर थी और जन्म के कुछ ही समय बाद उसकी मौत हो गई। वहीं, अन्य तीन नवजातों को बेहतर उपचार और चिकित्सकीय निगरानी के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इधर, प्रसव के बाद शुरुआत में एकता की हालत ठीक बताई जा रही थी, लेकिन मंगलवार शाम अचानक उसकी तबीयत बिगड़ने लगी।



सिखों पर कथित विवादित टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को हाईकोर्ट से राहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रयागराज। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सिख समुदाय के संबंध में कथित विवादित टिप्पणी के मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग को लेकर दाखिल याचिका खारिज कर दी है। यह मामला राहुल गांधी के अमेरिका दौरे के दौरान सिख समुदाय को लेकर दिए गए कथित बयान से जुड़ा हुआ है। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि राहुल गांधी ने अपने विदेश दौरे के दौरान सिख समुदाय के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसी को आधार बनाकर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने और कानूनी कार्रवाई की मांग की गई थी। इस मामले में न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान की एकल पीठ ने नागेश्वर मिश्रा और अन्य की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए फैसला सुनाया। याचिकाकर्ताओं ने अदालत के सामने राहुल गांधी के कथित बयान का मुद्दा उठाते हुए उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की थी। उनका कहना था कि सिख समुदाय के संबंध में की गई कथित टिप्पणी को लेकर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। इसी मांग के साथ उन्होंने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। दरअसल, राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग को लेकर याचिकाकर्ताओं ने सबसे पहले वाराणसी की निचली अदालत में अर्जी दाखिल की थी। हालांकि, वहां से उनकी मांग स्वीकार नहीं की गई और ट्रायल कोर्ट ने अर्जी खारिज कर दी। निचली अदालत के इस फैसले से असंतुष्ट होकर नागेश्वर मिश्रा और अन्य याचिकाकर्ताओं ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी। इसके बाद मामला उच्च न्यायालय पहुंचा, जहां दोनों पक्षों की दलीलें सुनी गईं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से राहुल गांधी के कथित बयान को लेकर अपनी आपत्तियां रखी गईं। वहीं, मामले में दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद उच्च न्यायालय ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब अदालत ने याचिका खारिज करने का निर्णय सुनाया है। इस फैसले के साथ ही राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग को लेकर दाखिल की गई याचिका पर न्यायिक स्तर पर राहत मिल गई है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका दौरे के दौरान सिख समुदाय को लेकर राहुल गांधी की कथित टिप्पणी के बाद यह विवाद सामने आया था।



पिता का छलका दर्द- राजनाथ सिंह मदद नहीं करते तो बेटियों के अंतिम दर्शन भी नसीब नहीं होते

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तराखंड के उत्तरकाशी स्थित केदारताल ट्रैक पर हुए भीषण हिमस्खलन ने लखनऊ के एक परिवार की खुशियां हमेशा के लिए छीन लीं। इस हादसे में लखनऊ के गायत्रीपुरम निवासी दो सगी बहनों दीपिका वर्मा और वर्तिका वर्मा की बर्फ में दबने से मौत हो गई। दोनों बहनों के शव बरामद होने के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। अपनी दोनों बेटियों को एक साथ खोने वाले पिता श्री नारायण वर्मा का दर्द अब सामने आया है। उन्होंने ट्रैकिंग एजेंसी पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि लखनऊ के सांसद और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मदद नहीं की होती तो शायद उन्हें अपनी बेटियों के अंतिम दर्शन भी नसीब नहीं हो पाते। कृषि विभाग से सेवानिवृत्त श्री नारायण वर्मा के मुताबिक, उनकी दोनों बेटियां 26 अक्टूबर को उत्तराखंड की एक निजी ट्रैकिंग कंपनी के 12 सदस्यीय दल के साथ केदारताल ट्रैक पर निकली थीं। ट्रैकिंग के दौरान दल करीब 20 किलोमीटर का रास्ता पूरा कर चुका था और मंजिल तक पहुंचने के लिए लगभग 5 से 6 किलोमीटर का सफर बाकी था। इसी बीच 27 अक्टूबर को अचानक भारी बर्फबारी और हिमस्खलन की चपेट में पूरा दल आ गया। हादसे के बाद गाइड समेत कई सदस्य लापता हो गए। इस घटना ने परिवार की जिंदगी बदल दी, लेकिन पिता का आरोप है कि इतनी बड़ी दुर्घटना होने के बावजूद ट्रैकिंग एजेंसी की ओर से उन्हें समय पर कोई जानकारी नहीं दी गई। परिवार को हादसे की जानकारी मिलने का तरीका भी बेहद दुखद रहा। पिता के अनुसार, 1 नवंबर को जब सोशल मीडिया पर हादसे से जुड़ी खबरें सामने आईं, तब परिजनों को अपनी बेटियों के साथ अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद उनके बेटे अतुल वर्मा तत्काल गाड़ी लेकर परिवार के अन्य सदस्यों के साथ उत्तरकाशी के लिए रवाना हो गए। वहां प्रशासन की ओर से बचाव अभियान चलाया जा रहा था। अभियान के दौरान कुछ लोगों को सुरक्षित निकाला गया, जबकि बर्फ से बरामद चार शवों में दीपिका और वर्तिका के शव भी शामिल थे। दोनों बेटियों को खोने की खबर ने परिवार को पूरी तरह तोड़ दिया।



'हिंदुत्व नफरत फैलाता है, इससे दूर रहें', दिग्विजय सिंह का फिर विवादित बयान, सनातन धर्म और हिंदुत्व को बताया अलग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने हिंदुत्व को लेकर एक बार फिर बयान देकर राजनीतिक बहस छेड़ दी है। उन्होंने सनातन धर्म और हिंदुत्व को अलग-अलग बताते हुए कहा कि दोनों को एक मानकर पेश किया जा रहा है। दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि सनातन धर्म के नाम पर हिंदुत्व को आगे बढ़ाया जा रहा है, जबकि इससे लोगों के बीच नफरत की भावना बढ़ती है। उन्होंने लोगों को हिंदुत्व की विचारधारा से दूर रहने की नसीहत देते हुए कहा कि हिंदुत्व की ओर जाने वालों के दिल और दिमाग में नफरत होती है। उनका कहना था कि सनातन धर्म का वास्तविक संदेश पूरी दुनिया को एक परिवार मानने का है, लेकिन इसे अलग तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है। दिग्विजय सिंह ने ये बातें अपनी सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा के दौरान कहीं। वह उज्जैन से अयोध्या तक करीब 1000 किलोमीटर की पदयात्रा पर निकले हैं। यात्रा का पहला पड़ाव पूरा करने के बाद वह अपने गृह नगर राघौगढ़ पहुंचे थे। यहां उनके बेटे और कांग्रेस नेता जयवर्धन सिंह सहित समर्थकों ने यात्रा का स्वागत किया। इसके बाद आयोजित सभा में दिग्विजय सिंह ने सनातन धर्म, हिंदुत्व और देश की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों पर अपनी बात रखी। इस दौरान उनका परिवार भी मंच पर मौजूद रहा। सभा को संबोधित करते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि सनातन धर्म का अर्थ हिंदुत्व बिल्कुल नहीं है। उनका आरोप है कि सनातन धर्म को हिंदुत्व के रूप में प्रस्तुत करके उसके वास्तविक संदेश को बदलने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की मूल भावना सभी को साथ लेकर चलने और पूरे विश्व को एक परिवार मानने की है। ऐसे में इसे किसी ऐसी विचारधारा से जोड़ना उचित नहीं है, जिसे वह नफरत फैलाने वाली मानते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों के सामने सनातन धर्म की वास्तविक अवधारणा और उसके मूल सिद्धांतों को सही तरीके से रखना जरूरी है। दिग्विजय सिंह ने अपनी 1000 किलोमीटर लंबी पदयात्रा के पीछे दो प्रमुख उद्देश्य बताए। उन्होंने कहा कि करीब 80 वर्ष की उम्र में इतनी लंबी यात्रा करने का उनका पहला मकसद देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर अपनी चिंता व्यक्त करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में लोकतंत्र की जगह एकतंत्र को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से उठाए गए कथित वोट चोरी के मुद्दे का भी जिक्र किया। दिग्विजय सिंह ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता जरूरी है और वोट चोरी के आरोपों के बीच लोकतंत्र को मजबूत नहीं किया जा सकता। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों के इस्तेमाल पर रोक लगाने और मतपत्रों के माध्यम से चुनाव कराने की मांग भी दोहराई। दिग्विजय सिंह ने अपनी यात्रा का दूसरा उद्देश्य सनातन धर्म के नाम पर हिंदुत्व की विचारधारा को आगे बढ़ाने का विरोध करना बताया। इस दौरान उन्होंने वर्ष 1992 में राम मंदिर आंदोलन के समय महंत लालदास की भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि महंत लालदास ने उस समय भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी की रथयात्रा का विरोध किया था।



निलंबित दारोगा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, 5 दिन पहले कचहरी परिसर का वीडियो हुआ था वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में 27 वर्षीय उपनिरीक्षक सुंदरम तिवारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बुधवार सुबह बन्नादेवी थाना क्षेत्र के चूहरपुर मोहल्ले में स्थित उनके किराए के मकान में उनका शव मिला। सुंदरम पुलिस लाइन में तैनात थे और वर्ष 2023 बैच के उपनिरीक्षक थे। उनकी मौत के बाद पुलिस विभाग में शोक का माहौल है। बताया जा रहा है कि करीब पांच दिन पहले कचहरी परिसर में उनका एक वीडियो सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हुआ था। इसके बाद विभागीय कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया गया था। पिता श्रीचंद तिवारी का कहना है कि इस घटना के बाद से उनका बेटा काफी तनाव में था। हालांकि, पुलिस ने अभी तक मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि नहीं की है। मूल रूप से मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के रहने वाले सुंदरम अलीगढ़ में अपने पिता के साथ रह रहे थे। पांच दिन पहले कचहरी परिसर का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वह कथित तौर पर नशे की हालत में लड़खड़ाते हुए दिखाई दे रहे थे। वीडियो प्रसारित होने के बाद पुलिस विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उन्हें निलंबित कर दिया था। इस कार्रवाई के बाद से सुंदरम की मानसिक स्थिति को लेकर परिवार चिंतित था। उनके पिता का दावा है कि वीडियो प्रसारित होने और निलंबन की कार्रवाई के बाद उनका बेटा परेशान रहने लगा था। पिता श्रीचंद तिवारी के मुताबिक, बुधवार सुबह वह मंदिर गए हुए थे। जब वह वापस घर लौटे तो सुंदरम के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी आवाज लगाने और दरवाजा खोलने की कोशिश करने के बावजूद जब अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दरवाजा खुलवाया। कमरे के अंदर सुंदरम का शव मिला। इसके बाद तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों और फॉरेंसिक टीम को घटना की जानकारी दी गई। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन, पुलिस अधीक्षक नगर आदित्य बंसल और क्षेत्राधिकारी धनंजय सिंह मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस की ओर से घटनास्थल की तस्वीरें और वीडियो भी तैयार कराए गए, ताकि जांच के दौरान प्रत्येक पहलू का परीक्षण किया जा सके। पुलिस अधीक्षक नगर आदित्य बंसल के अनुसार, उपनिरीक्षक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है और घटनाक्रम से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। सुंदरम की मौत के बाद पांच दिन पहले प्रसारित हुए वीडियो और उनके निलंबन की कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पिता ने बेटे के तनाव में होने की बात कही है, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इन घटनाओं का उनकी मौत से कोई संबंध था या नहीं।



16 साल के छात्र की हत्या के आरोपी का जेल से छूटते ही फूल-मालाओं से स्वागत, बोलेरो के बोनट पर बैठकर पी सिगरेट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सतना। मध्य प्रदेश के सतना में हत्या के एक गंभीर मामले में जमानत पर जेल से बाहर आए आरोपी का स्वागत जिस अंदाज में किया गया, उसका वीडियो इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। 16 वर्षीय सत्यम शुक्ला की हत्या के मामले में करीब 14 महीने जेल में रहने के बाद जमानत पर रिहा हुए मान सिंह उर्फ बेटू सिंगरौल के समर्थकों ने फूल-मालाओं के साथ उसका स्वागत किया। जेल से बाहर आते ही समर्थकों ने वाहनों और मोटरसाइकिलों का काफिला तैयार किया और ढोल-नगाड़ों के साथ जुलूस निकाला। इस दौरान आरोपी खुली बोलेरो के बोनट पर बैठा दिखाई दिया। उसके गले में फूलों की मालाएं थीं और हाथ में सिगरेट नजर आ रही थी। जुलूस का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। जानकारी के अनुसार, मान सिंह उर्फ बेटू सिंगरौल सत्यम शुक्ला हत्याकांड में आरोपी है। वह इस मामले में करीब 14 महीने से जेल में बंद था। हाल ही में अदालत से जमानत मिलने के बाद उसकी रिहाई हुई। जेल से बाहर निकलते ही समर्थकों की भीड़ उसके स्वागत के लिए पहुंच गई। इसके बाद फूल-मालाएं पहनाकर उसका अभिनंदन किया गया और वाहनों के काफिले के साथ शहर में जुलूस निकाला गया। प्रसारित वीडियो में आरोपी बोलेरो के बोनट पर बैठकर सिगरेट पीता दिखाई दे रहा है। उसके पीछे कई गाड़ियां और मोटरसाइकिलें चलती नजर आ रही हैं। ढोल-बाजे के साथ निकाले गए इस जुलूस को लेकर लोगों के बीच तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। यह मामला 4 सितंबर 2025 का बताया जा रहा है। सतना के कोलगवां थाना क्षेत्र में भारतीय खाद्य निगम के गोदाम के पास एक चाय की दुकान पर विवाद हुआ था। जानकारी के मुताबिक, सूर्यप्रताप सिंह नाम का व्यक्ति वहां चाय पीने के लिए रुका था। इसी दौरान मान सिंह उर्फ बेटू सिंगरौल अपने कुछ साथियों के साथ वहां पहुंचा। आरोप है कि विवाद के दौरान आरोपियों ने सूर्यप्रताप का मोबाइल छीन लिया। जब उसने इसका विरोध किया तो उस पर गोली चलाई गई, हालांकि वह बच गया। इसी बीच वहां मौजूद 16 वर्षीय सत्यम शुक्ला ने विवाद में बीच-बचाव करने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि सत्यम ने आरोपियों से हथियार अलग रखने और विवाद खत्म करने के लिए कहा था। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर बेटू और उसके साथियों ने सत्यम के सीने में गोली मार दी। गोली लगने से किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोप है कि हमलावर उसे अस्पताल पहुंचाने के बजाय बिड़ला अस्पताल के गेट पर छोड़कर फरार हो गए। इसके बाद परिजन और अन्य लोग उसे उपचार के लिए रीवा लेकर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद पुलिस ने हत्या के मामले में कार्रवाई करते हुए मान सिंह उर्फ बेटू सिंगरौल को गिरफ्तार किया था। वह करीब 14 महीने तक जेल में रहा। अब जमानत पर बाहर आने के बाद उसके स्वागत में निकाले गए जुलूस का वीडियो सामने आया है। आरोपी के स्वागत और जुलूस के वीडियो को लेकर इंटरनेट मीडिया पर बहस छिड़ गई है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि एक किशोर की हत्या जैसे गंभीर मामले में आरोपी रहे व्यक्ति के जेल से बाहर आने पर इस तरह सार्वजनिक जश्न मनाना कितना उचित है।



मुरैना में 60 हजार के इनामी डकैत कल्ली गुर्जर का पुलिस से सामना, पैर में गोली लगने के बाद साथी समेत गिरफ्तार

बानमोर के पहाड़ी इलाके में पुलिस ने की घेराबंदी, पुलिस को देखते ही डकैत ने शुरू कर दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुरैना। मध्य प्रदेश के चंबल क्षेत्र में लंबे समय से पुलिस के लिए चुनौती बने 60 हजार रुपये के इनामी डकैत कल्ली गुर्जर को आखिरकार मुरैना पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके एक साथी अजय को भी पकड़ने में सफलता हासिल की है। बानमोर इलाके के पहाड़ी क्षेत्र में हुई इस कार्रवाई के दौरान पुलिस और डकैत के बीच गोलीबारी हुई। बताया जा रहा है कि पुलिस टीम को देखते ही कल्ली गुर्जर ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी कार्रवाई की, जिसमें एक गोली उसके पैर में लगी। घायल होने के बाद पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल कल्ली गुर्जर को उपचार के लिए मुरैना जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल परिसर के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, कल्ली गुर्जर पिछले कुछ समय से चंबल क्षेत्र के कई जिलों में आपराधिक गतिविधियों के चलते पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ था। उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 60 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। वह लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था और मध्य प्रदेश के साथ राजस्थान के कुछ जिलों में भी शरण लेता रहा था। इसी वजह से पुलिस को उसकी तलाश में लंबे समय से मशक्कत करनी पड़ रही थी। पुलिस उसकी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थी और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ समय से कल्ली गुर्जर सामाजिक माध्यमों पर भी सक्रिय था। वह लगातार वीडियो और पोस्ट साझा कर अपने विरोधियों को चुनौती दे रहा था। हाल ही में उसका एक वीडियो सामने आया था, जिसके बाद उसकी गतिविधियों को लेकर पुलिस और सतर्क हो गई थी। पुलिस को उसकी मौजूदगी की जानकारी मिलने के बाद विशेष निगरानी रखी जा रही थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि कल्ली गुर्जर अपने एक साथी अजय के साथ मुरैना जिले के बानमोर क्षेत्र के पहाड़ी इलाके में छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल इलाके में पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस ने संदिग्ध स्थान पर पहुंचकर दोनों को पकड़ने की कोशिश की। इसी दौरान पुलिस की मौजूदगी का पता चलते ही कल्ली गुर्जर ने कथित तौर पर पुलिस टीम पर गोली चला दी। अचानक हुई फायरिंग के बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी के दौरान कल्ली गुर्जर के पैर में गोली लग गई। घायल होने के बाद वह पुलिस की पकड़ में आ गया। इसके बाद पुलिस ने उसके साथी अजय को भी गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के बाद घायल डकैत को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। कल्ली गुर्जर का आपराधिक रिकॉर्ड भी काफी गंभीर बताया जा रहा है। मुरैना जिले में उसके खिलाफ हत्या के दो मामले दर्ज हैं। इसके अलावा ग्वालियर के तिगरा इलाके में एक गर्भवती महिला के अपहरण से जुड़ा मामला भी उसके खिलाफ दर्ज बताया गया है। वहीं, घाटीगांव क्षेत्र में एक ट्रक पर गोली चलाने के मामले में भी उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज है। इन मामलों के चलते पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी।



पूर्व आईएएस की डांट से भड़का केयरटेकर, दो घंटे बाद कर दी राकेश अग्रवाल की हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूर

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पूर्व आईएएस अधिकारी राकेश अग्रवाल की हत्या के मामले में पुलिस की जांच के दौरान कई अहम जानकारियां सामने आ रही हैं। हत्याकांड के आरोपी वरुण वाल्मीकि को पुलिस ने छह दिन की रिमांड पर लिया है। शुरुआती पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी पूर्व आईएएस अधिकारी की डांट से नाराज हो गया था। इसी नाराजगी के बाद उसने उनकी हत्या की वारदात को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि घटना वाली रात करीब 12 बजे वरुण उनके कमरे में पहुंचा था। उसे देखकर राकेश अग्रवाल ने कथित तौर पर नाराजगी जताते हुए पूछा था कि वह वहां क्या कर रहा है और उसे तुरंत बाहर जाने के लिए कहा था। इस घटना के करीब दो घंटे बाद आरोपी ने उनकी हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार, वरुण वाल्मीकि पूर्व आईएएस अधिकारी राकेश अग्रवाल के घर केयरटेकर के रूप में आया था। वह हत्या से करीब तीन दिन पहले ही उनके घर में रहने लगा था। घर में रहने और देखभाल की जिम्मेदारी संभालने के दौरान ही उसने इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस की शुरुआती पूछताछ में यह बात सामने आई है कि घटना वाली रात पूर्व आईएएस अधिकारी की फटकार से वह काफी नाराज हो गया था। रात करीब 12 बजे जब वह उनके कमरे में पहुंचा तो राकेश अग्रवाल ने उसे वहां देखकर डांट दिया। बताया जा रहा है कि इस बात को उसने अपनी बेइज्जती समझ लिया और इसके बाद उनके खिलाफ गुस्सा पाल लिया। पुलिस पूछताछ में सामने आए घटनाक्रम के मुताबिक, राकेश अग्रवाल की डांट के बाद आरोपी काफी गुस्से में था। उसने कथित तौर पर उनकी हत्या करने का फैसला कर लिया। इसके बाद देर रात करीब 1 बजकर 40 मिनट से 2 बजकर 20 मिनट के बीच उसने पूर्व आईएएस अधिकारी की हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी ने घर से कुछ रुपये लेने की कोशिश की, लेकिन उसे नकदी के बजाय कुछ अमेरिकी डॉलर मिले। वह उन डॉलर को लेकर घर से निकल गया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हत्या की योजना बनाने से लेकर वारदात को अंजाम देने तक आरोपी ने किन परिस्थितियों में कदम उठाए और क्या इसमें किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने हत्या के बाद घर में ऐसा माहौल बनाने की कोशिश की, जिससे वहां बड़ा हादसा हो सकता था।



बोले- 'जेपी नड्डा मुर्दाबाद', सुरक्षाकर्मी का रिएक्शन हुआ वायरल



महानगर मेट्रो ब्यूर

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैली के दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव की जुबान फिसलने का मामला सामने आया है। मंच से नारे लगाते समय मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी की जगह केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा का नाम ले लिया। उनके मुंह से 'जेपी नड्डा मुर्दाबाद' निकलते ही मंच पर मौजूद लोग और आसपास खड़े नेता कुछ पल के लिए हैरान रह गए। हालांकि, मुख्यमंत्री को तुरंत अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने बिना देर किए नारा सुधारते हुए 'राहुल गांधी मुर्दाबाद' कहा। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। दरअसल, भोपाल में भाजपा की ओर से आयोजित इस रैली में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा भी शामिल हुए थे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव मंच से कार्यकर्ताओं और लोगों को संबोधित कर रहे थे। संबोधन के बीच उन्होंने पहले 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिंदाबाद' का नारा लगाया। इसके बाद वे राहुल गांधी के खिलाफ नारा लगाना चाह रहे थे, लेकिन गलती से उनके मुंह से 'जेपी नड्डा मुर्दाबाद' निकल गया। मुख्यमंत्री के इतना कहते ही मंच पर मौजूद लोगों का ध्यान उनकी ओर चला गया। गलती समझते ही उन्होंने तुरंत बात संभाली और राहुल गांधी का नाम लेकर नारा दोहराया। इस दौरान उनके पीछे खड़ा एक सुरक्षाकर्मी भी अचानक चौंकता दिखाई दिया। उसके चेहरे के भाव और प्रतिक्रिया का दृश्य वीडियो में कैद हो गया। वहीं, मंच के पास खड़ी मंत्री कृष्णा गौर भी इस घटनाक्रम पर हैरान नजर आईं। अब सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री के नारे से ज्यादा सुरक्षाकर्मी की प्रतिक्रिया की चर्चा हो रही है। गौरतलब है कि भोपाल के अटल पथ पर भाजपा की ओर से 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैली आयोजित की गई थी। मंच से पार्टी नेताओं ने कार्यकर्ताओं और आम लोगों को संबोधित किया। इसके बाद पदयात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और लोग शामिल हुए। यह पदयात्रा जवाहर चौक तक पहुंची। इसी कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री की जुबान फिसलने का यह क्षण कैमरे में रिकॉर्ड हो गया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है।

दिल्ली-एनसीआर के 6 प्रमुख स्टेशनों पर 14 नवंबर तक प्लेटफॉर्म टिकट बंद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

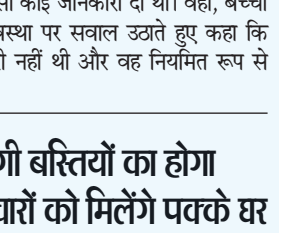
नई दिल्ली। दिवाली, भाई दूज और छठ पर्व को लेकर देशभर में उत्साह का माहौल है। त्योहार मनाने के लिए दूसरे राज्यों में काम और रोजगार के सिलसिले में रह रहे बड़ी संख्या में लोग अपने घरों की ओर लौट रहे हैं। इसका असर दिल्ली-एनसीआर के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर भी दिखाई देने लगा है। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और ओडिशा जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। कई ट्रेनों में आरक्षित टिकट मिलना भी मुश्किल हो रहा है। ऐसे में रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के लिए उत्तर रेलवे ने बड़ा फैसला लिया है। रेलवे ने दिल्ली-एनसीआर के 6 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री 14 नवंबर तक बंद कर दी है। इस फैसले का उद्देश्य अनावश्यक भीड़ को रोकना और यात्रियों को स्टेशन परिसर में सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराना है। रेलवे के इस आदेश के बाद अब संबंधित स्टेशनों पर केवल यात्रा का पक्का टिकट रखने वाले यात्रियों को ही प्लेटफॉर्म पर प्रवेश की अनुमति होगी। जिन 6 स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर रोक लगाई गई है, उनमें नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, हजरत निजामुद्दीन, आनंद विहार टर्मिनल, आनंद विहार हॉल्ट और गाजियाबाद रेलवे स्टेशन शामिल हैं। इन स्टेशनों पर 14 नवंबर तक टिकट खिड़कियों, मोबाइल अनुप्रयोगों और स्वचालित टिकट मशीनों के माध्यम से भी प्लेटफॉर्म टिकट उपलब्ध नहीं होंगे। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, सामान्य दिनों में बड़ी संख्या में यात्री अपने परिजनों और परिचितों को ट्रेन में बैठाने के लिए रेलवे स्टेशन तक आते हैं। इसके लिए वे प्लेटफॉर्म टिकट खरीदते हैं और काफी समय तक प्लेटफॉर्म पर मौजूद रहते हैं। त्योहारों के दौरान जब पहले से ही यात्रियों की संख्या काफी बढ़ जाती है, तब ऐसे लोगों की मौजूदगी से भीड़ और अधिक हो जाती है। इसी स्थिति को देखते हुए प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया गया है। हालांकि, रेलवे ने बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांग यात्रियों की सुविधा का भी ध्यान रखा है। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय के अनुसार, ऐसे यात्रियों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए उनके साथ आने वाले सहायकों को इस पाबंदी से छूट दी गई है।



मयूर विहार के स्कूल में अचानक गिरी 9 साल की बच्ची, अस्पताल में गई जान; पिता ने मेडिकल सुविधा पर उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के मयूर विहार फेज-2 स्थित एक निजी स्कूल में बुधवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई। यहां कक्षा 3 में पढ़ने वाली 9 साल की छात्रा अचानक अपनी कक्षा में गिर पड़ी। स्कूल प्रशासन की ओर से उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद बच्ची को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद स्कूल परिसर और परिवार में शोक का माहौल है। वहीं, बच्ची के पिता ने स्कूल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं और आपातकालीन सहायता व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 9 बजे छात्रा कक्षा में मौजूद थी। इसी दौरान वह अचानक जमीन पर गिर गई। स्कूल के कर्मचारियों ने उसे संभालने और उठाने का प्रयास किया, लेकिन वह अपने पैरों पर खड़ी नहीं हो पा रही थी। इसके बाद उसे तत्काल लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया। वहां से चिकित्सकों ने उसे दूसरे चिकित्सा केंद्र के लिए भेज दिया। बाद में बच्ची को लक्ष्मी नगर क्षेत्र के एक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में कक्षा में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी गई है। फुटेज में बच्ची अचानक जमीन पर गिरती दिखाई दे रही है। बताया जा रहा है कि वह नीचे से कक्षा में आई और कुछ ही देर बाद अचानक गिर गई। कक्षा अध्यापिका ने उसे उठाकर बेंच पर बैठाने का प्रयास किया, लेकिन बच्ची की स्थिति ऐसी थी कि वह संभल नहीं पा रही थी। इसके बाद उसे अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है। अधिकारियों के अनुसार, चिकित्सकों से पूछताछ और शुरुआती परिस्थितियों के आधार पर हृदय संबंधी परेशानी की आशंका जताई जा रही है, हालांकि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल परिजनों की ओर से किसी के खिलाफ शिकायत नहीं दी गई है। स्कूल की निदेशक एवं प्रधानाचार्य डॉ. भावना मलिक ने बताया कि बच्ची की तबीयत बिगड़ने के तुरंत बाद उसे अस्पताल पहुंचाया गया था। स्कूल प्रशासन को बच्ची की किसी पुरानी बीमारी की जानकारी नहीं थी और न ही परिजनों ने पहले ऐसी कोई जानकारी दी थी। वहीं, बच्ची के पिता ने स्कूल की चिकित्सा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी बेटी को पहले से कोई बीमारी नहीं थी और वह नियमित रूप से बैडमिंटन खेलती थी।



दिल्ली की 675 झुग्गी बस्तियों का होगा कायाकल्प, 4 लाख परिवारों को मिलेंगे पक्के घर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली की झुग्गी-झोपड़ी बस्तियों में रहने वाले लाखों लोगों के लिए राहत भरी खबर है। दिल्ली सरकार ने राजधानी की झुग्गी बस्तियों के पुनर्विकास और वहां रहने वाले परिवारों को बेहतर आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नई पुनर्वास नीति 2026 लागू की है। इस नीति के तहत दिल्ली की करीब 675 झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लगभग 4 लाख परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। योजना लागू होने के बाद लंबे समय से झुग्गियों में रह रहे पात्र परिवारों को बेहतर आवासीय सुविधाएं मिल सकेंगी। नई नीति के अनुसार, पात्र परिवारों को उनकी मौजूदा झुग्गी के बदले कम से कम 25 वर्गमीटर क्षेत्रफल का पक्का मकान दिया जाएगा। इन मकानों में परिवार की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कमरे के साथ रसोईघर, स्नानघर, शौचालय और बालकनी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है। सरकार का उद्देश्य केवल लोगों को झुग्गियों से निकालकर दूसरी जगह बसाना नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर और व्यवस्थित आवासीय वातावरण उपलब्ध कराना है। पुनर्वास नीति में इस बात को विशेष प्राथमिकता दी गई है कि झुग्गी बस्तियों में रहने वाले परिवारों को उनके मौजूदा निवास स्थान के आसपास ही नए मकान उपलब्ध कराए जाएं। दरअसल, इन परिवारों की आजीविका, रोजगार, बच्चों की पढ़ाई और दैनिक जरूरतें काफी हद तक उसी क्षेत्र से जुड़ी होती हैं। ऐसे में यदि उन्हें शहर के किसी दूरदराज इलाके में बसाया जाता है तो उनकी रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए आसपास के क्षेत्रों में ही पुनर्वास की व्यवस्था को प्राथमिकता देने की योजना बनाई गई है। नई नीति के तहत पात्र परिवारों के लिए मकान की कीमत 1.50 लाख रुपये निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त 50 हजार रुपये रखरखाव निधि के रूप में जमा कराने होंगे। इस तरह एक परिवार को मकान प्राप्त करने के लिए कुल 2 लाख रुपये का भुगतान करना होगा। यह व्यवस्था योजना की निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करने वाले परिवारों पर लागू होगी। सरकार ने पुनर्वास योजना का लाभ लेने के लिए कुछ जरूरी शर्तें निर्धारित की हैं। इसके तहत संबंधित झुग्गी का निर्माण 1 जनवरी 2025 से पहले हुआ होना चाहिए।



महाराष्ट्र में ट्रैफिक पुलिस चालान में छूट के लिए अभय योजना लागू होगी, बकाया फाइन एकमुश्त जमा करने पर 20% की छूट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के लिए राहत भरी खबर है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में महाराष्ट्र यातायात पुलिस चालान अभय योजना-2026 को मंजूरी दी गई। इसके तहत वाहन मालिकों को बकाया चालान का जुर्माना एकमुश्त जमा करने पर 20 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। सरकार ने यह फैसला लंबे समय से लंबित चालानों की वसूली बढ़ाने और वाहन चालकों को जुर्माना भरने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लिया है। राज्य में 30 जनवरी 2019 से एक राज्य, एक चालान व्यवस्था लागू है। इसके माध्यम से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध इलेक्ट्रॉनिक चालान जारी किए जाते हैं और मोबाइल फोन पर इसकी सूचना भेजी जाती है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में वाहन चालकों ने अब तक जुर्माने की राशि जमा नहीं कराई है। परिवहन विभाग की ओर से वसूली के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन

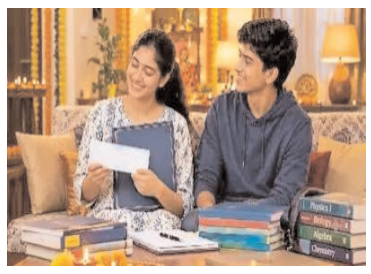


अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के कारण सरकार ने एकमुश्त भुगतान पर छूट देने का निर्णय लिया है। अभय योजना को तीन चरणों में लागू करने का प्रावधान किया गया है। पहले चरण में 21 जनवरी 2026 से 31 अक्टूबर 2026 तक जारी किए गए और वसूली के लिए लंबित चालानों पर कुल बकाया जुर्माने में 20 प्रतिशत तक की एकमुश्त छूट मिलेगी। इस छूट का लाभ लेने के लिए 30 दिन की अवधि निर्धारित की गई है। दूसरे चरण में 1 नवंबर 2026 के बाद जारी होने वाले चालानों को शामिल किया गया है। ऐसे चालानों का भुगतान जारी होने की तारीख से 45 दिनों के भीतर करने पर वाहन मालिकों को 20 प्रतिशत की छूट मिलेगी। यह व्यवस्था एक वर्ष तक लागू रहेगी। तीसरे चरण में 30 जनवरी 2019 से 20 जनवरी 2026 तक जारी किए गए उन चालानों को शामिल किया गया है, जिनकी वसूली के लिए मामला न्यायालय में भेजा जा चुका है और जो समझौते के योग्य हैं। ऐसे मामलों में भी बकाया जुर्माने पर 20 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। इसके लिए भी 30 दिन की अवधि निर्धारित की गई है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि अभय योजना की समयसीमा समाप्त होने के बाद बार-बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसमें वाहन चलाने का अनुज्ञापत्र निलंबित करना, वाहन से जुड़े लेन-देन पर रोक लगाना और वाहन जब्त करने जैसी कार्रवाई शामिल हो सकती है। मंत्रिमंडल की बैठक में मुंबई के प्रभादेवी स्थित श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर ट्रस्ट को भी बड़ी राहत दी गई है। सरकार ने ट्रस्ट द्वारा राम मेंशन भवन की खरीद पर लगने वाला स्टाम्प शुल्क माफ करने का निर्णय लिया है। मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से ट्रस्ट ने मंदिर के समीप स्थित राम मेंशन सहकारी आवासीय संस्था को खरीदा है। इस संपत्ति का कुल क्षेत्रफल 708 वर्गमीटर है। इसमें 13 आवासीय फ्लैट और 7 व्यावसायिक स्थान शामिल हैं। इस खरीद के लिए 94 करोड़ 11 लाख 65 हजार 550 रुपये की राशि मंजूर की गई है। इस सौदे पर लगभग 2 करोड़ 32 लाख 38 हजार 700 रुपये स्टाम्प शुल्क देना पड़ता, जिसे अब सरकार ने माफ कर दिया है। इस भवन और परिसर का उपयोग श्रद्धालुओं के लिए कतार प्रबंधन, प्रसादालय, रसोईघर, यात्री निवास और वाहन पार्किंग जैसी सुविधाएं विकसित करने में किया जाएगा।मंत्रिमंडल ने पालघर जिले में तीन नए ग्राम न्यायालय स्थापित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। ये न्यायालय तलासरी, मोखाडा और विक्रमगढ़ में बनाए जाएंगे। प्रत्येक न्यायालय के लिए पांच पदों के हिसाब से कुल 15 सहायक पद स्वीकृत किए गए हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को स्थानीय स्तर पर न्यायिक सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। नागपुर स्थित डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ के अंतर्गत आने वाले कृषि महाविद्यालय की जमीन पर अंतरराष्ट्रीय कृषि सुविधा केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।

दिवाली पर पुलिसकर्मियों को मिला 'बोनस', बच्चों की बढ़ाई स्कॉलरशिप, 90% से ज्यादा नंबर पर मिलेंगे 5 हजार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिवाली के अवसर पर दिल्ली पुलिस ने अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों को बड़ी सौगात दी है। पुलिसकर्मियों के बच्चों की उच्च शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृत्ति की राशि 15 हजार रुपये से बढ़ाकर 20 हजार रुपये कर दी गई है। इसके साथ ही दसवीं और बारहवीं की परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को 5-5 हजार रुपये की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए कई अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए हैं। ये सभी नए प्रावधान शैक्षणिक सत्र 2025-26 से लागू होंगे। दिल्ली पुलिस के नए निर्णय के अनुसार, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की संयुक्त प्रवेश परीक्षा और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में शीर्ष 1000 विद्यार्थियों में स्थान बनाने वाले पुलिसकर्मियों के बच्चों को 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि और प्रशस्ति प्रमाणपत्र दिया जाएगा। इसका उद्देश्य पुलिसकर्मियों के बच्चों को उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए



प्रोत्साहित करना है। ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के बच्चों की उच्च शिक्षा को लेकर भी महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। ऐसे पुलिसकर्मियों के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए पूरी फीस उपलब्ध कराई जाएगी। इससे उन परिवारों को आर्थिक सहायता मिलेगी, जिन्होंने देश और समाज की सुरक्षा करते हुए अपने परिवार का सदस्य खोया है। नए नियमों के तहत यदि कोई विद्यार्थी किसी पाठ्यक्रम का पहला वर्ष सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद अपना व्यवसायिक या तकनीकी पाठ्यक्रम बदलता है, तो उसे पहले वर्ष में मिली छात्रवृत्ति वापस नहीं करनी होगी। नए पाठ्यक्रम के दूसरे वर्ष से निर्धारित नियमों के अनुसार छात्रवृत्ति जारी रह सकेगी। हालांकि, कर्मचारी इस सुविधा का लाभ केवल एक बार ही उठा सकेंगे। दिल्ली पुलिस शिक्षा निधि में योगदान का दायरा भी बढ़ाया गया है। 1 अप्रैल 2026 से सभी श्रेणियों के अधिकारी और कर्मचारी इस निधि में योगदान करेंगे। हालांकि, इस निधि के अंतर्गत मिलने वाली शिक्षा संबंधी सुविधाओं का लाभ बहुकार्य कर्मचारी से लेकर पदोन्नति के माध्यम से सहायक पुलिस आयुक्त बने अधिकारियों तक के बच्चों को ही मिलेगा। दिल्ली पुलिस ने अपने कर्मचारियों के परिवारों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाया है। ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले या सेवाकाल के दौरान निधन होने वाले पुलिसकर्मियों के 225 आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नौकरी देने की सिफारिश की गई है। दिल्ली पुलिस की छंटनी समिति ने इन नियुक्तियों के लिए नामों की सिफारिश की है। ये नियुक्तियां नियमित सीधी भर्ती के कुल रिक्त पदों के 5 प्रतिशत निर्धारित कोटे के अंतर्गत की जाएंगी। हालांकि, नियुक्ति पाने वाले अभ्यर्थियों को निर्धारित चिकित्सकीय जांच में योग्य पाया जाना जरूरी होगा।

हिंदुओं को डराने के लिए बकरीद पर खुले में कुर्बानी, दीया मिर्जा और नसीरुद्दीन शाह का नाम लिख भड़के किरीट सोमैया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने बकरीद के अवसर पर मुंबई के खुले और रिहायशी इलाकों में पशुओं की कुर्बानी को लेकर बृहन्मुंबई महानगरपालिका को पत्र लिखकर सख्त कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि त्योहार के दौरान कई स्थानों पर सार्वजनिक जगहों, आवासीय परिसरों, गलियों और सड़कों पर खुले में पशुओं का वध किया जाता है। इससे आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी होती है। सोमैया ने महानगरपालिका से इस संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। सोमैया ने अपने पत्र में मुंबई के शिवाजीनगर, गोवंडी, मानखुर्द, कुर्ला, मालवणी, भायखला, भिंडी बाजार, विक्रोली पार्क साइट, घाटकोपर पश्चिम, मुंबादेवी और गोलदेवल सहित कई इलाकों का उल्लेख किया है। उनका कहना है कि इन क्षेत्रों में खुले स्थानों पर पशु वध की शिकायतें सामने आती रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि स्थानीय निवासियों की



शिकायतों के बावजूद महानगरपालिका के अधिकारी कई बार उचित कार्रवाई नहीं करते और पुराने परिपत्रों का हवाला देकर मामले को टाल देते हैं। किरीट सोमैया ने इस मुद्दे को लेकर अपने सामाजिक माध्यम खाते पर भी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने खुले स्थानों पर कुर्बानी से होने वाली गंदगी, प्रदूषण और पशुओं के प्रति क्रूरता का मुद्दा उठाया। अपनी टिप्पणी के साथ उन्होंने अभिनेत्री दीया मिर्जा, अभिनेता नसीरुद्दीन शाह, आमिर खान, शाहरुख खान, सलमान खान और अभिनेत्री शबाना आजमी के नाम भी लिखे। हालांकि, इन हस्तियों की ओर से इस मामले में किसी प्रतिक्रिया का उल्लेख नहीं किया गया है भाजपा नेता ने कहा कि आवासीय परिसरों और चॉल के भीतर खुले में पशु वध की अनुमति नहीं होनी चाहिए। यदि धार्मिक परंपराओं के तहत कुर्बानी की व्यवस्था करनी है तो महानगरपालिका को इसके लिए अलग स्थान, निर्धारित केंद्र और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि बकरियों की खरीद-बिक्री के लिए बाजार और कुर्बानी के लिए निर्धारित स्थान अलग-अलग व्यवस्थित किए जाएं, ताकि स्थानीय निवासियों को परेशानी न हो। मैया ने महानगरपालिका के मौजूदा परिपत्र में खुले स्थानों पर अस्थायी मंडप लगाने की अनुमति से जुड़े प्रावधान की समीक्षा करने की भी मांग की है। उनका कहना है कि धार्मिक आयोजनों के दौरान स्वच्छता और सार्वजनिक व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। सोमैया ने अपने पत्र में महानगरपालिका और पुलिस से इस विषय पर मुस्लिम समुदाय के धार्मिक नेताओं और प्रमुख लोगों को साथ लेकर जनजागरूकता अभियान चलाने का सुझाव भी दिया है। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए और सार्वजनिक स्थानों पर अव्यवस्था फैलाने वाली गतिविधियों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

'सुप्रिया सुले तैयार हो गई हैं', पीएम मोदी की शरद पवार को कॉल, महाराष्ट्र में हलचल तेज, कुछ बड़ा होने वाला है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़ी हलचल के संकेत मिलने लगे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार के बीच हुई कथित टेलीफोन बातचीत ने राज्य के राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। शरद पवार के पारिवारिक मित्र और करीबी सहयोगी विट्ठल मनियार ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार सुबह फोन कर 85 वर्षीय शरद पवार का हालचाल जाना। इस बातचीत में प्रधानमंत्री ने उनसे आराम करने की सलाह देते हुए उनकी बेटी और सांसद सुप्रिया सुले का भी जिक्र किया। पुणे में पत्रकारों से बातचीत करते हुए विट्ठल मनियार ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शरद पवार को फोन कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। मनियार के अनुसार, प्रधानमंत्री ने स्नेह और सम्मान के साथ बातचीत करते हुए कहा कि साहब, आप पूरी तरह आराम कीजिए। सुप्रिया अब तैयार हैं। सुप्रिया और हम देश का ख्याल रखेंगे। आप आराम करें, यही मेरी विनती है। विट्ठल मनियार के मुताबिक, प्रधानमंत्री की इस बात पर शरद पवार ने भी गर्मजोशी से प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जब



तक नरेंद्र मोदी जैसे नेता देश की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, तब तक उन्हें देश की चिंता करने की जरूरत नहीं है। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शरद पवार की ओर से इस बातचीत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इसलिए फिलहाल इसे करीबी सहयोगी का दावा ही माना जा रहा है। प्रधानमंत्री की कथित टिप्पणी के बाद महाराष्ट्र में सुप्रिया सुले की राजनीतिक भूमिका को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। खासतौर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के भविष्य और उनके संभावित राजनीतिक समीकरणों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, सुप्रिया सुले के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल होने या किसी नए राजनीतिक फैसले को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इसी बीच केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले के बयान ने राजनीतिक अटकलों को और हवा दे दी है। उन्होंने कहा कि यदि सुप्रिया सुले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल होती हैं तो उनका स्वागत किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल के अगले विस्तार में सुप्रिया सुले को जगह देने पर विचार किया जा सकता है। आठवले की पार्टी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया भी सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है। आठवले ने यह भी दावा किया कि यदि शरद पवार वर्ष 2019 में सत्तारूढ़ गठबंधन के साथ आ गए होते तो उन्हें देश का राष्ट्रपति बनाया जा सकता था। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और शरद पवार के बीच अच्छे संबंधों का भी उल्लेख किया। उनके अनुसार, अजित पवार ने भी शरद पवार से सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल होने की अपील की थी, लेकिन उन्होंने उस समय प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया था। गौरतलब है कि खांसी और सीने में दर्द की शिकायत के बाद 2 नवंबर को शरद पवार को पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में भर्ती होने से पहले उन्होंने महाराष्ट्र के सूखा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया था। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उन्हें आगे की चिकित्सकीय जांच के लिए मुंबई के अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल प्रधानमंत्री मोदी और शरद पवार के बीच हुई कथित बातचीत तथा रामदास आठवले के बयान के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में नए समीकरणों को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर बॉलीवुड सितारों को धमकी देने वाला IT इंजीनियर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉलीवुड सितारों को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के नाम पर धमकी देकर करोड़ों रुपये की फिरौती मांगने वाले एक आरोपी को मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान वैभव मिश्रा के रूप में हुई है, जो पेशे से सूचना प्रौद्योगिकी अभियंता है। पुलिस ने उसे बेंगलुरु से गिरफ्तार किया है। आरोप है कि वह खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य बताकर फिल्मी सितारों को धमकी भरे संदेश और आवाज संबंधी संदेश भेज रहा था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने यह सब अकेले किया या इसके पीछे कोई अन्य व्यक्ति अथवा गिरोह भी शामिल है। जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से मुंबई में रहने वाले कई फिल्मी सितारों को कथित तौर पर धमकी भरे संदेश मिल रहे थे। इन संदेशों में खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा बताने वाले व्यक्ति की ओर से करोड़ों रुपये की फिरौती मांगी जा रही थी। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद मुंबई पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी तक पहुंची। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अभिनेता आयुष्मान खुराना को भी एक आवाज संदेश मिला था। इसमें भेजने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा बताते हुए कथित तौर पर 2 करोड़ रुपये की मांग की थी। इस संदेश के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की थी। इसी तरह अभिनेता तुषार कपूर को भी धमकी भरा आवाज संदेश भेजा गया था। इसमें धमकी देने वाले ने खुद को हैरी बॉक्सर बताते हुए बिश्नोई गिरोह का सदस्य होने का दावा किया था। आरोपी ने कथित तौर पर तुषार कपूर से 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। हालांकि, शुरुआती जांच में धमकी देने के लिए इस्तेमाल किए गए आवाज संदेश के फर्जी होने की आशंका भी सामने आई थी। मुंबई पुलिस के पुलिस उपायुक्त राजतिलक रोशन के अनुसार, वैभव मिश्रा की गिरफ्तारी से मामले की कई महत्वपूर्ण कड़ियां सामने आने की उम्मीद है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी अकेले ही फिल्मी सितारों को धमकियां दे रहा था या उसे किसी अन्य व्यक्ति का सहयोग मिल रहा था। आरोपी के पास से मिले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और संदेशों की भी जांच की जा रही है गौरतलब है कि अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर 18 अक्टूबर को हुई गोलीबारी की घटना के बाद बॉलीवुड सितारों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई थी। इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह की ओर से लिए जाने का दावा किया गया था। इसके बाद गिरोह के कथित सदस्य अनिल पंडित ने सामाजिक माध्यम पर संदेश जारी कर सलमान खान के करीबी लोगों को धमकी दी थी। संदेश में सलमान खान से लॉरेंस बिश्नोई और बिश्नोई समुदाय से माफी मांगने की बात कही गई थी। साथ ही उनके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी भी दी गई थी।



ओल्ड मॉन्क की बिक्री पर रोक के खिलाफ कंपनी ने वापस ली याचिका, अब नए लेबल के साथ उतरेगा ब्रांड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मशहूर रम ब्रांड ओल्ड मॉन्क की बिक्री पर लगी रोक के मामले में निर्माता कंपनी मोहन रॉकी स्प्रिंगवॉटर ब्रुअरीज लिमिटेड ने बॉम्बे हाईकोर्ट से अपनी याचिका वापस ले ली है। कंपनी ने अदालत को बताया कि वह अपने उत्पादों की पैकेजिंग और लेबल में जरूरी बदलाव करेगी तथा नए लेबल मंजूरी के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के पास जमा कराएगी। कंपनी के इस फैसले के बाद हाईकोर्ट ने उसे याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी और मामले का निपटारा कर दिया। कंपनी ने खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसके तहत महाराष्ट्र के खोपोली स्थित कारखाने में तैयार होने वाले ओल्ड मॉन्क के अलग-अलग प्रकारों की बिक्री और आपूर्ति पर रोक लगा दी गई थी। प्राधिकरण ने लेबलिंग नियमों के पालन में कमी को इसकी वजह बताया था। खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण की मुख्य आपत्ति ओल्ड मॉन्क में इस्तेमाल होने वाले अतिरिक्त स्वाद और उसके लेबल पर उत्पाद की पहचान को लेकर थी। नियामक का कहना था कि पेय में मुख्य रूप से न्यूट्रल अल्कोहल और प्राकृतिक समान या कृत्रिम स्वाद का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में इसे केवल 'रम' बताकर बेचना नियमों के अनुरूप नहीं है। प्राधिकरण के अनुसार, खाद्य सुरक्षा एवं मानक नियमों के तहत बोतल पर 'रम फ्लेवर्ड स्पिरिट' लिखना जरूरी है। इसके अलावा बोतलों पर लिखे '7 ईयर्स ओल्ड ब्लेंडेड' और 'वेरी ओल्ड वेटेड' जैसे दावों पर भी सवाल उठाए गए थे। प्राधिकरण ने इन दावों की सटीकता को लेकर आपत्ति जताई थी। अगस्त में सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने भी कंपनी के उम्र और मिश्रण से जुड़े दावों पर सवाल उठाए थे। इसके बाद कंपनी ने लेबल में बदलाव करने की सहमति जताई थी। शुरुआत में कंपनी ने बिक्री पर रोक लगाने वाले आदेश को रद्द करने की मांग करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। कंपनी का तर्क था कि उसके उत्पाद निर्धारित आबकारी नियमों का पालन करते हैं और देश के अन्य राज्यों में भी उनकी बिक्री होती है। कंपनी ने यह दावा भी किया था कि महाराष्ट्र में बिक्री बंद होने से राज्य सरकार को 350 करोड़ रुपये से अधिक के आबकारी राजस्व का नुकसान हुआ है। साथ ही कारखाने के सैकड़ों कर्मचारियों के कामकाज पर भी असर पड़ा है। हालांकि, हाईकोर्ट ने बिक्री पर रोक के खिलाफ कंपनी को अंतरिम राहत देने से इनकार किया था। अदालत ने उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में सही और स्पष्ट जानकारी देने के लिए लेबलिंग में पारदर्शिता की जरूरत पर जोर दिया। अब कंपनी नए लेबल तैयार कर नियामक से मंजूरी मांगेगी। मंजूरी मिलने के बाद ही महाराष्ट्र में ओल्ड मॉन्क की बिक्री दोबारा शुरू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।



भारत ने गुयाना के लिए 50 करोड़ डॉलर ऋण सुविधा बढ़ाने घोषणा की

सेंट जोन्स ।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एंटीगुआ एवं बारबुडा में गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली से मुलाकात के दौरान गुयाना में सड़क, स्वास्थ्य और रक्षा परियोजनाओं के लिए 50 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा बढ़ाने की घोषणा की। जयशंकर ने सेंट जोन्स में हाल ही में राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक से इतर राष्ट्रपति अली से मुलाकात की। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली से मिलकर खुशी हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2024 की यात्रा के बाद हमारे द्विपक्षीय सहयोग में हुई निरंतर प्रगति की समीक्षा की।' उन्होंने सड़क, स्वास्थ्य और रक्षा परियोजनाओं के लिए 50 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा बढ़ाने की घोषणा की। दोनों देशों ने सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) की विनिर्माण परियोजनाओं की आपूर्ति और स्थापना से जुड़े समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि एमएसई की विनिर्माण परियोजनाओं की आपूर्ति एवं स्थापना, त्वरित प्रभाव वाली परियोजनाओं (क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स) के क्रियान्वयन के लिए अनुदान सहायता तथा डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और गुयाना में यूपीआई जैसी प्रणाली के संचालन में सहयोग से जुड़े समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

तमिलनाडु के पंजीकरण विभाग ने 1,950 करोड़ का राजस्व जुटाया

चेन्नई ।

तमिलनाडु के पंजीकरण विभाग ने अक्टूबर 2026 में 1,950 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया। यह अक्टूबर 2025 की तुलना में 147 करोड़ रुपये अधिक है। राज्य के मंत्री डी. लोकेश तमिलसेल्वन ने उत्तर चेन्नई जिला पंजीयक कार्यालय में अक्टूबर 2026 के कामकाज की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह जानकारी दी। डिजिटल पहलों की सफलता का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि तीन नवंबर, 2026 तक कुल 2,46,260 दस्तावेजों का पंजीकरण किया जा चुका है। इससे पहले मंत्री ने पंजीकरण विभाग से जुड़े उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के मामलों की निगरानी के लिए तैयार कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित एक ऐप पेश किया।इस ऐप से अधिकारियों को जवाबी हलफनामे तैयार करने और विभाग की कानूनी कार्यवाही तेज करने में मदद मिलेगी।

रैम पर राय भारी, सैम ऑल्टमैन बने राम ऑल्टमैन

नई दिल्ली ।

ओपनएआई के प्रमुख सैम ऑल्टमैन हाल ही में सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गए हैं। अपने एक विवादास्पद बयान के बाद उन्होंने अपना सोशल मीडिया डिस्प्ले नाम सैम ऑल्टमैन से बदलकर राम ऑल्टमैन कर लिया है। यह बदलाव कंप्यूटर की रैम के सीमित इस्तेमाल पर उनकी राय को लेकर हुए तीव्र विरोध के बाद आया है। एक पॉडकास्ट में ऑल्टमैन ने कहा था कि दुनिया में रैम की उपलब्धता सीमित है। उनके अनुसार, निजी कंप्यूटरों में लगी रैम का बहुत कम समय (लगभग 5 फीसदी) के लिए इस्तेमाल होना संसाधनों की बर्बादी है, जबकि इसका बेहतर उपयोग क्लाउड डेटा सेंटर में किया जा सकता है। इस बयान पर सोशल मीडिया यूजर्स ने कड़ी आपत्ति जताई। लोगों का तर्क था कि अपने पैसे से खरीदे गए कंप्यूटर में अपनी पसंद की रैम रखने का पूरा अधिकार है। कुछ ने आरोप लगाया कि बड़ी एआई कंपनियां रैम की जमाखोरी कर रही हैं, जिससे आम लोगों के लिए कंप्यूटर महंगे हो सकते हैं। विवाद बढ़ने और नाम बदलने के बाद ऑल्टमैन ने सफाई दी कि उनके बयान को गलत समझा गया।

बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 500 लाख करोड़ के पार

मुंबई ।

बाजार की तेजी में बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप पहली बार 500 लाख करोड़ रुपये के पार निकल गया। शुरुआती सेशन में यह 501 लाख करोड़ रुपये के ऊपर तक गया। जबकि पिछले सेशन में क्लोजिंग के बाद यह आंकड़ा 494.4 लाख करोड़ रुपये था।

यानी बाजार की तेजी में करीब 7 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। पिछले सेशन में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने करीब 7,284 करोड़ रुपये की खरीदारी की। बाजार के जानकारो ने कहा कि विदेशी निवेशकों की ओर से दोबारा खरीदारी शुरू होना घरेलू बाजार के लिए राहत की बात है। अगर आने वाले दिनों में भी विदेशी निवेश जारी रहता है, तो इससे शेयर बाजार में मौजूदा रिकवरी को और मजबूती मिल सकती है।

शेयर बाजार बंपर तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 2,008, निफ्टी 576 अंक उछला

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बंपर उछाल दुनिया भर से मिले बेहतर संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में कमी आने से भी बाजार को बल मिला है। इसी कारण दिन भर के करोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 2,008.61 अंक बढ़कर 79,310.01 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 576 अंक उछलकर 24,536.60 पर बंद हुआ। बाजार में इस सप्ताह लगातार तेज रही है जिससे सभी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण करीब 28 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 501 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। जिससे निवेशकों को भारी लाभ हुआ। वहीं पिछले सप्ताह 28 अक्टूबर को बाजार पूंजीकरण 473 लाख करोड़ रुपए था। कारोबारी सत्र में बाजार में व्यापक आधार पर तेजी देखी गई। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 106.05 अंक की तेजी के साथ 19,132.45 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,115.40 अंक बढ़कर 60,620.90 पर आ गया था। सूचकांकों में निफ्टी ऑटो , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी रियल्टी सबसे अधिक लाभ में रहे । इसके अलावा, निफ्टी प्राइवेट बैंक , निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी आईटी , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी सर्विसेज में सबसे ज्यादा बढ़त रही। दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी मीडिया , निफ्टी एनर्जी और निफ्टी पीएसई गिरावट के साथ



बंद हुए।

सूचकांकों में बजाज फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, सन फार्मा, एलएंडटी, टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, टाटा स्टील, एचयूएल और ट्रेंट के शेयर लाभ में रहे जबकि भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, आईटीसी, बीईएल और एनटीपीसी के शेयरों को नुकसान हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 1609 अंकों की मजबूती के साथ 78910 पर खुला जबकि निफ्टी भी करीब 380 अंकों की बढ़त के साथ 24400 के पास रहा।दूसरी ओर वहीं अमेरिकी शेयर बाजार बुधवार को बड़ी बढ़त के साथ बंद हुए थे।

रुपया बढ़त के साथ बंद



मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 15 पैसे की तेजी के साथ ही 94.46 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 94.61 पर बंद हुआ था। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती के दबाव में रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में नौ पैसे टूटकर 94.55 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजार में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये को निचले स्तर पर थोड़ा समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.36 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद यह टूटकर 94.55 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में मजबूती के साथ बंद हुआ था। यह 14 पैसे चढ़कर 94.61 प्रति डॉलर पर रहा था।

गोवा में खनन एवं कोयला क्षेत्र में सुधारों पर केंद्र और राज्य करेंगे चर्चा- मंत्री

महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी के नए चरण होंगे शुरू

पणजी ।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बताया कि गुरुवार से दक्षिण गोवा में शुरू होने वाला राष्ट्रीय खनन सम्मेलन केंद्र और राज्यों को खनन एवं कोयला क्षेत्रों में सुधारों, उभरती चुनौतियों और इन्हें मजबूत करने के उपायों पर गहन चर्चा का मंच प्रदान करेगा। यह आयोजन देश के खनिज संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन और विकास के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दो दिवसीय इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी बुधवार शाम गोवा पहुंचे। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि यह आयोजन केंद्र तथा राज्यों को सुधारों, चुनौतियों और इन क्षेत्रों को मजबूत करने के उपायों पर केंद्रित चर्चा के लिए एक साथ लाएगा।

सम्मेलन के एजेंडे में महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी के नए चरणों की शुरुआत, खनिज प्रशासन को मजबूत करने के लिए डिजिटल पहल और सुधारों को आगे बढ़ाने पर राज्यों के साथ विस्तृत चर्चा शामिल है।

मंत्री ने सार्थक संवाद और सहयोगात्मक प्रयासों की उम्मीद जताई। आयोजकों के अनुसार, इस दौरान महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी का नौवां चरण और अन्वेषण लाइसेंस (ईएल) ब्लॉक का तीसरा चरण भी शुरू किया जाएगा। इन चरणों में अन्वेषण व खनन के लिए खनिज ब्लॉक कंपनियों को आवंटित किए जाएंगे।

अमेरिकी मिड टर्म रिजल्ट के बाद रॉकेट बने सेंसेक्स और निफ्टी.धनतेरस से पहले सेंसेक्स 2009,निफ्टी 576 अंक उछला,साल की दूसरी सबसे बड़ी बढ़त

निवेशकों की बल्ले-बल्ले, 5 ट्रिलियन का हुआ बाजार

मुंबई।

धनतेरस से एक दिन पहले गुरूवार को सेंसेक्स 2008 अंक या 2.60 प्रतिशत चढक़र 79,310 पर बंद हुआ। इसे तेजी से निवेशकों की दौलत 8 लाख करोड़ से ज्यादा बढ़ गई। निफ्टी में भी 576 अंक या 2.40 प्रतिशत की तेजी रही, ये 24,537 के स्तर पर बंद हुआ है। निफ्टी ने 4 सितंबर के बाद पहली बार 24 हजार का आंकड़ा पार किया। ये इस साल की सेंसेक्स की दूसरी बड़ी बढ़त है। 8 अप्रैल को सेंसेक्स 2,946 अंक चढ़ा था। यानी करीब सेंसेक्स में 7 महीने बाद इतनी बड़ी तेजी आई है। शेयर बाजार में लगातार छठे कारोबारी सत्र में तेजी के बीच बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार गुरुवार को यह बढक़र 501.14 लाख करोड़ रूपए के रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 493.44 लाख करोड़ रूपए था। यानी एक ही दिन में निवेशकों की संपत्ति में करीब 7.7 लाख करोड़ रूपए का इजाफा हुआ।

शेयर बाजार के चलते सेंसेक्स-निफ्टी में लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में निवेश करने वाले निवेशकों ने तगड़ी कमाई की है। दरअसल, बीते कारोबारी दिन बाजार बंद होने पर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन 4,94,42,140.62 करोड़ रुपये था, जो कि गुरुवार को मार्केट क्लोजिंग पर उछलकर 5,01,61,673.69 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस हिसाब से निवेशकों ने एक झटके में 7.7 लाख करोड़ रुपये के आसपास कमाई कर डाली। लंबे समय तक गिरावट झेलने के बाद शेयर बाजार में ये लगातार छठा सत्र था, जब सेंसेक्स-निफ्टी का गदर देखने को मिला है। इन छह कारोबारी दिनों में शेयर मार्केट इन्वेस्टर्स ने करीब 25 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा छाप लिए हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि शेयर बाजार में गुरुवार को आई रैली के चलते भारतीय शेयर बाजार अब 5 ट्रिलियन रुपये का मार्केट बन गया है।

लगातार छठे कारोबारी सेशन में तेजी

गुरुवार को बाजार में चौतरफा खरीदारी देखने को मिली। सेंसेक्स 1,561 अंक की जोरदार बढ़त के साथ 78,862 अंक पर पहुंच गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 457 अंक चढक़र 24,419 अंक पर बंद हुआ। दोनों प्रमुख इंडेक्स में लगातार छठे कारोबारी सेशन में तेजी दर्ज की गई। पिछले 6 कारोबारी सेशन के दौरान सेंसेक्स में कुल 5,754 अंकों की बढ़त दर्ज की गई है। वहीं, निफ्टी इस अवधि में 1,881 अंक चढ़ चुका है। लगातार तेजी से बाजार में निवेशकों की संपत्ति में भी बड़ा इजाफा हुआ है।

कच्चे तेल में गिरावट और विदेशी निवेश से चढ़ा बाजार

बाजार में आई इस तेजी के पीछे कई प्रमुख वजहें रहीं। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से बाजार में मजबूत निवेश देखने को मिला। अमेरिकी मिड टर्म चुनाव के नतीजों के बाद ग्लोबल मार्केट में भी जोरदार तेजी दर्ज की गई।

बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स का शेयर 12 फीसदी से अधिक चढ़कर सूचीबद्ध

एनएसई पर शेयर 10.97 प्रतिशत चढ़कर 91 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ

नई दिल्ली ।

बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड का शेयर अपने 82 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 12 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ गुरुवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 12.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 92.02 रुपये पर कारोबार शुरू किया। वहीं एनएसई पर यह 10.97 प्रतिशत चढ़कर 91 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ।कंपनी का बाजार मूल्यांकन 600.85 करोड़ रुपये रहा। बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 60.77 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 183 करोड़ रुपये के इस आईपीओ के लिए प्रति शेयर 78 से 82 रुपये का मूल्य दायरा तय किया गया था। आईपीओ पूरी तरह नए शेयर का निर्गम था। इससे प्राप्त राशि में से 125 करोड़ रुपये कुछ



कर्जों का समय से पहले भुगतान करने के लिए निर्धारित किए गए हैं।

वहीं15.7 करोड़ रुपये का इस्तेमाल सीमेंस फाइनेंशियल सर्विसेज के साथ मौजूदा पट्टा व्यवस्था के तहत पूंजीगत उपकरणों के अधिग्रहण की लागत चुकाने के लिए किया जाएगा।

शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

सऊदी अरब ने पाकिस्तान के लिए तीन अरब डॉलर की वित्तपोषण सुविधा बढ़ाई

वित्त मंत्री ने रणनीतिक संबंधों पर जोर दिया; विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति मजबूत होने का दावा

इस्लामाबाद ।

सऊदी अरब ने पाकिस्तान को मिली तीन अरब डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपये) की महत्वपूर्ण वित्तपोषण सुविधा को उचित अवधि के लिए बढ़ा दिया है। पा किस्तान के एक स्थानीय समाचार की रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त मंत्री औरंगजेब ने 31 अक्टूबर को समाप्त होने वाली इस सुविधा की अवधि बढ़ने की पुष्टि की। उन्होंने पत्रकारों से कहा, आपको यह चिंता करने की जरूरत नहीं है कि यह कितने समय के लिए है, क्योंकि हमारे बीच इस तरह के रणनीतिक संबंध हैं। सऊदी अरब ने यह सुविधा इस साल अप्रैल में तब दी थी, जब पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 3.5 अरब डॉलर लौटाए थे। औरंगजेब ने यह भी बताया कि सऊदी की पांच अरब डॉलर की एक अन्य सहायता पहले ही 2028 तक बढ़ाई जा चुकी है। उन्होंने अतिरिक्त सहायता की किसी भी मांग को खारिज करते हुए कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन महीने से अधिक के आयात के लिए पर्याप्त है और इसे साल के अंत तक चार महीने के आयात के बराबर करने का लक्ष्य है।

महानदी कोलफील्ड्स का मेगा आईपीओ को सेबी की मंजूरी

कोल इंडिया की सब्सिडियरी 1 अरब डॉलर जुटाने को तैयार

नई दिल्ली।

सरकारी कोयला कंपनी कोल इंडिया की सब्सिडियरी महानदी कोलफील्ड्स (एमसीएल) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिल गई है। यह इस साल के सबसे बड़े आईपीओ में से एक होगा, जो नवंबर में लॉन्च के लिए तैयार है और इससे करीब 9,000 करोड़ रुपये जुटाए जा सकते हैं।

कोल इंडिया एमसीएल में अपनी 10 फीसदी हिस्सेदारी (66.18 करोड़ तक शेयर) ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए बेचेगी। सूत्रों के मुताबिक, आईपीओ से लगभग 1 अरब डॉलर (करीब 9,000 करोड़) जुटाए जा सकते हैं, जिससे एमसीएल की वैल्यूएशन 10 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। हालांकि, प्राइस बैंड और लॉन्च की सटीक तारीख अभी घोषित नहीं हुई है। महानदी कोलफील्ड्स भारत की प्रमुख कोयला उत्पादक कंपनी है।

म्यूचुअल फंड निवेश अक्टूबर में धीमा, फिर भी बाजार का मजबूत आधार

43,024 करोड़ पर आया निवेश, साल के अंत तक 5 लाख करोड़ का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

अक्टूबर 2026 में म्यूचुअल फंड (एमएफ) का भारतीय शेयर बाजार में निवेश घटकर तीन महीने के निचले स्तर 43,024 करोड़ रुपये पर आ गया। महीने के अंत में बाजार में आई तेजी के चलते फंड हाउसों ने निवेश की रफ्तार धीमी कर दी। हालांकि, इसके बावजूद चालू वर्ष के पहले दस महीनों में एमएफ का कुल निवेश 4.7 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। यदि अगले दो महीनों तक यह गति बनी रहती है, तो कुल निवेश 5 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड आंकड़े को पार कर सकता है, जो कैलेंडर वर्ष 2025 के उच्चतम स्तर के बराबर होगा। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये खुदरा निवेशकों की लगातार भागीदारी ने म्यूचुअल फंड्स को शेयर बाजार का महत्वपूर्ण सहारा बनाया है। यह तब और भी अहम हो जाता है जब विदेशी निवेशक बाजार से लगातार पूंजी निकाल रहे हैं, जिससे घरेलू संस्थागत निवेशकों की बढ़ती ताकत और बाजार को स्थिरता प्रदान करने की क्षमता प्रदर्शित होती है। म्यूचुअल फंड्स की निवेश गतिविधियां मुख्यतः इक्विटी और हाइब्रिड योजनाओं में शुद्ध निवेश पर निर्भर करती हैं। विशेष रूप से हाइब्रिड योजनाओं में शेयरों के लिए तय निवेश अनुपात में बदलाव से कुल खरीद पर बड़ा असर पड़ता है। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि घरेलू बचत का वित्तीयकरण भारतीय शेयर बाजार के लिए एक मजबूत और टिकाऊ आधार बन गया है।

म्यूचुअल फंड निवेशकों को एएमएफआई के तीन मंत्र

दीर्घकालिक लक्ष्य, अनुशासन और एसआईपी जारी रखने पर जोर

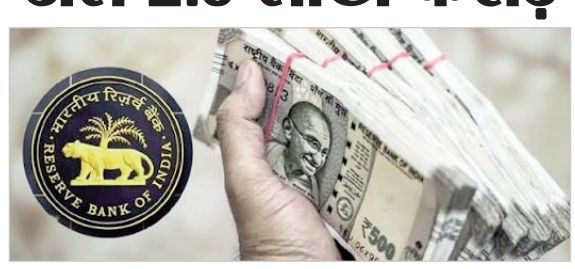


नई दिल्ली ।

नए संवत की शुरुआत पर, एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के सीईओ वेंकट एन. चलसानी ने म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए तीन महत्वपूर्ण मूल मंत्र साझा किए हैं। उन्होंने निवेशकों से अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार करने, निवेश को स्पष्ट उद्देश्य से जोड़ने, तथा अनुशासन व जिम्मेदारी से आगे बढ़ने का आह्वान किया।

चलसानी ने बाजार के अल्पकालिक उतार-चढ़ाव की बजाय लंबी अवधि के नजरिए पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बाजार में गिरावट के दौरान भी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) जारी रखना चाहिए। यह ऑनलाइन सेल की तरह है, जहां समान रकम में ज्यादा यूनिट्स मिलती हैं, जिससे खरीद की औसत लागत संतुलित होती है। हालांकि, एसआईपी से रिटर्न की गारंटी नहीं होती। जानकारों के अनुसार, निवेशकों को कम से कम पांच साल का नजरिया रखना चाहिए, क्योंकि दो-तीन साल में उतार-चढ़ाव सामान्य है। चलसानी ने भारत की मजबूत आर्थिक विकास संभावनाओं पर जोर दिया, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में नए अवसर शामिल हैं। उन्होंने युवा आबादी, नियंत्रित महंगाई व बढ़ती खपत जैसे कारकों को देश के लिए लाभकारी बताया।

आरबीआई ने बैंकों में डाले 2.5 लाख करोड़



नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में एक ऐसी आर्थिक रणनीति अपनाई है जो पहली नजर में विरोधाभासी लग सकती है। केंद्रीय बैंक ने 7 अक्टूबर 2026 को रेपो रेट में 0.25 फीसदी (25 बेसिस पॉइंट) की बढ़ोतरी कर इसे 5.50 फीसदी कर दिया। जानकारों के अनुसार, यह फरवरी 2023 के बाद पहली बढ़ोतरी है। वहीं दूसरी ओर, आरबीआई ने बैंकिंग सिस्टम में करीब 2.5 लाख करोड़ रुपये की बड़ी नकदी भी डाली है।

ये कदम उन लोगों के लिए खास महत्व रखते हैं जो होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन लेने की सोच रहे हैं। आरबीआई के इन दो फैसलों के पीछे अलग-अलग, पर महत्वपूर्ण उद्देश्य हैं। रेपो रेट बढ़ाने का मुख्य मकसद कर्ज पर नियंत्रण कर महंगाई को काबू में लाना है, क्योंकि इससे बैंकों के लिए आरबीआई से उधार लेना महंगा हो जाता है, जिसका बोझ अंततः ग्राहकों पर पड़ सकता है।

इसके विपरीत, बैंकिंग सिस्टम में नकदी डालने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बैंकों के पास ग्राहकों को कर्ज देने और रोजमर्रा के कामकाज के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध हो, ताकि बाजार में तरलता की कमी न हो। आरबीआई का यह संतुलन फ्लोटिंग रेट वाले लोन पर असर डाल सकता है। यदि आपका होम लोन या कार लोन रेपो रेट से जुड़ा है, तो अगली रीसेट तारीख पर आपकी मासिक किस्त (ईएमआई) बढ़ सकती है। हालांकि, फिक्स्ड रेट वाले लोन पर तत्काल कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

आज ही के दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जन्मदाता धन्वन्तरि वैद्य समुद्र से अमृत कलश लेकर प्रगट हुए थे, इसलिए धनतेरस को धन्वन्तरि जयन्ती भी कहते हैं। इसीलिए वैद्य-हकीम और ब्राह्मण समाज आज धन्वन्तरि भगवान का पूजन कर धन्वन्तरि जयन्ती मनाता है।

भगवान धनवंतरी व यम पूजन का दिन

धनतेरस



हिन्दू धर्म में धनवंतरी देवताओं के वैद्य माने गए हैं। धनवंतरी महान चिकित्सक थे। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार धनवंतरी भगवान विष्णु के अवतार समझे गए हैं। समुद्र मंथन के दौरान धनवंतरी का पृथ्वी लोक में अवतरण हुआ था। शरद पूर्णिमा को चंद्रमा, कार्तिक द्वादशी को कामधेनु गाय, त्रयोदशी को धन्वंतरी, चतुर्दशी को काली माता और अमावस्या को भगवती लक्ष्मी जी का सागर से प्रादुर्भाव हुआ था। इसीलिए दीपावली के दो दिन पूर्व धनतेरस को भगवान धनवंतरी का जन्म धनतेरस के रूप में मनाया जाता है।



कार्तिक मास की कृष्ण त्रयोदशी को धनतेरस कहते हैं। यह त्योहार दीपावली आने की पूर्व सूचना देता है। इस दिन नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। धनतेरस के दिन मृत्यु के देवता यमराज और भगवान धनवंतरी की पूजा का महत्व है।

क्यों मनाया जाता है धनतेरस

भारतीय संस्कृति में स्वास्थ्य का स्थान धन से ऊपर माना जाता रहा है। यह कहावत आज भी प्रचलित है कि पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में माया इसलिए दीपावली में सबसे पहले धनतेरस को महत्व दिया जाता है। जो भारतीय संस्कृति के हिसाब से बिल्कुल अनुकूल है। शास्त्रों में वर्णित कथाओं के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धनवंतरी अपने हाथों में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए। मान्यता है कि भगवान धनवंतरी विष्णु के अंशावतार हैं। संसार में चिकित्सा विज्ञान के विस्तार और प्रसार के लिए ही भगवान विष्णु ने धनवंतरी का अवतार लिया था। भगवान धनवंतरी के प्रकट होने के उपलक्ष्य में ही धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

धनतेरस की कथा

धनतेरस से जुड़ी कथा है कि कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन देवताओं के कार्य में बाधा डालने के कारण भगवान विष्णु ने असुरों के गुरु शुक्राचार्य की एक आंख फोड़ दी थी। कथा के अनुसार, देवताओं को राजा बलि के भय से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया और राजा बलि के यज्ञ स्थल पर पहुंच गए।

शुक्राचार्य ने वामन रूप में भी भगवान विष्णु को पहचान लिया और राजा बलि से आग्रह किया कि वामन कुछ भी मांगे उन्हें इंकार कर देना। वामन साक्षात भगवान विष्णु हैं जो देवताओं की सहायता के लिए तुमसे सब कुछ छीनने आए हैं। बलि ने शुक्राचार्य की बात नहीं मानी। वामन भगवान द्वारा मांगी गई तीन पग भूमि, दान करने के लिए कमंडल से जल लेकर संकल्प लेने लगे। बलि को दान करने से रोकने के लिए शुक्राचार्य राजा बलि के कमंडल में लघु रूप धारण करके प्रवेश कर गए। इससे कमंडल से जल निकलने का मार्ग बंद हो गया। वामन भगवान शुक्राचार्य की चाल को समझ गए। भगवान वामन ने अपने हाथ में रखे हुए कुशा को कमण्डल में ऐसे रखा कि शुक्राचार्य की एक आंख फूट गई। शुक्राचार्य छटपटाकर कमण्डल से निकल आए।

इसके बाद बलि ने तीन पग भूमि दान करने का संकल्प ले लिया। तब भगवान वामन ने अपने एक पैर से संपूर्ण पृथ्वी को नाप लिया और दूसरे पग से अंतरिक्ष को। तीसरा पग रखने के लिए कोई स्थान नहीं होने पर बलि ने अपना सिर वामन भगवान के चरणों में रख दिया।

बलि दान में अपना सब कुछ गंवा बैठा। इस तरह बलि के भय से देवताओं को मुक्ति मिली और बलि ने जो धन-संपत्ति देवताओं से छीन ली थी उससे कई गुणा धन-संपत्ति देवताओं को मिल गई। इस उपलक्ष्य में भी धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

क्या खास करें इस दिन

इस दिन अपने सामर्थ अनुसार किसी भी रूप में चांदी एवं अन्य धातु खरीदना अति शुभ है। धन संपत्ति की प्राप्ति हेतु कुबेर देवता के लिए घर के पूजा स्थल पर दीप दान करें एवं मृत्यु देवता यमराज के लिए मुख्य द्वार पर भी दीप दान करें।

धनतेरस से आरंभ करें
मां लक्ष्मी की आराधना

धनतेरस के शुभ दिन से मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के उपाय किए जाने चाहिए। इसके लिए धनतेरस विशेष तंत्र पूजन का विधान शास्त्रों में मिलता है। प्रस्तुत है मंत्र-तंत्र विधि –

ऊँ ह्रीं ह्रीं ह्रीं महालक्ष्मी धनदा लक्ष्मी कुबेराय मम गृह स्थिरो ह्रीं ऊँ नमः।



विधि – सबसे पहले सामने लक्ष्मी जी का चित्र रखें तथा उनके सामने लाल रंग का वस्त्र बिछाकर उस पर दक्षिणावर्ती शंख रख दें। उस पर केसर से स्वास्तिक बना लें तथा कुमकुम से तिलक कर दें। बाद में स्फटिक की माला से मंत्र की 7 माला करें। तीन दिन तक ऐसा निरंतर करें। इतने से ही मंत्र-साधना सिद्ध हो जाती है। मंत्र जप पूरा होने के पश्चात् लाल वस्त्र में शंख को बांधकर घर में रख दें। जब तक वह शंख घर में रहेगा, तब तक घर में निरंतर उन्नति होती रहेगी।

क्यों मनाई जाती है धनतेरस



धनतेरस, धनवंतरी त्रयोदशी या धन त्रयोदशी दीपावली से पूर्व मनाया जाना महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन आरोग्य के देवता धनवंतरी, मृत्यु के अधिपति यम, वास्तविक धन संपदा की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी तथा वैभव के स्वामी कुबेर की पूजा की जाती है। इस त्योहार को मनाए जाने के पीछे मान्यता है कि लक्ष्मी के आह्वान के पहले आरोग्य की प्राप्ति और यम को प्रसन्न करने के लिए कर्मों का शुद्धिकरण अत्यंत आवश्यक है।

- कुबेर भी आसुरी प्रवृत्तियों का हरण करने वाले देव हैं।
- धनवंतरी और मां लक्ष्मी का अवतरण समुद्र मंथन से हुआ था। दोनों ही कलश लेकर अवतरित हुए थे।
- श्री सूक्त में लक्ष्मी के स्वरूपों का विवरण कुछ इस प्रकार मिलता है।
  धनमग्नि, धनम वायु, धनम सूर्यो धनम वसु
  अर्थात् प्रकृति ही लक्ष्मी है और प्रकृति की रक्षा करके मनुष्य स्वयं के लिए ही नहीं, अपितु निःस्वार्थ होकर पूरे समाज के लिए लक्ष्मी का सृजन कर सकता है।
- श्री सूक्त में आगे यह भी लिखा गया है- 'न क्रोधो न मात्सर्यम न लोभो ना अशुभा मति'
  तात्पर्य यह कि जहां क्रोध और किसी के प्रति द्वेष की भावना होगी, वहां मन की शुभता में कमी आएगी, जिससे वास्तविक लक्ष्मी की प्राप्ति में बाधा उत्पन्न होगी। यानी किसी भी प्रकार की मानसिक विकृतियां लक्ष्मी की प्राप्ति में बाधक हैं।
- आचार्य धनवंतरी के बताए गए मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी उपाय अपनाना ही धनतेरस का प्रयोजन है।
- श्री सूक्त में वर्णन है कि, लक्ष्मी जी भय और शोक से मुक्ति दिलाती हैं तथा धन-धान्य और अन्य सुविधाओं से युक्त करके मनुष्य को निरोगी काया और लंबी आयु देती हैं।

अकाल मृत्यु से रक्षा करता है
धनतेरस का दीपदान

धनतेरस के दिन खरीदारी में इतने व्यस्त न हो जाएं कि शाम के समय दीपदान करना भूल जाएं। धनतेरस की शाम में दीपदान का बड़ा ही महत्व है। शास्त्रों में बताया गया है कि धनतेरस के दिन संध्या के समय दीपदान जरूर करना चाहिए। इससे यमराज प्रसन्न होते हैं और अकाल मृत्यु से बचाव होता है।

इस संदर्भ में कथा है कि, एक बार यमराज ने यमदूतों से कहा लोगों के प्राण हरते समय तुम्हें कभी दुःख हुआ है अथवा नहीं। इस पर यमदूत ने कहा कि एक बार एक राजकुमार के प्राण हरते समय हमें बहुत दुःख हुआ था। राजकुमार की शादी के चार ही दिन हुए थे। राजकुमार की मृत्यु से राजमहल में चित्कार और हाहाकार मच गयी। नववधू का विलाप देखकर हमारा हृदय हमें धिक्कारने लगा। इसके बाद यमदूतों ने यमराज से पूछा कि हे यमदेव कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे प्राणी की अकाल मृत्यु न हो। यमराज ने कहा कि जो व्यक्ति धनतेरस के दिन मेरे नाम से दीप जलाकर मुझे स्मरण करेगा उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं सताएगा। यमदीप के संदर्भ में एक अन्य कथा भी प्रचलित है कि, प्राचीन काल में एक हिम नामक राजा हुए। विवाह के कई वर्षों बाद इन्हें पुत्र की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब राजकुमार की कुण्डली देखी तो कहा कि विवाह के चौथे दिन राजकुमार की मृत्यु हो जाएगी। राजा रानी इस बात को सुनकर दुःखी हो गये। समय बितता गया और राजकुमार की शादी हो गयी। विवाह का चौथा दिन भी आ गया। राजकुमार की मृत्यु होने के भय से सभी लोग सहमे हुए थे। लेकिन राजकुमार की पत्नी चिंता मुक्त थी। उसे मां लक्ष्मी की भक्ति पर पूरा विश्वास था। शाम होने पर राजकुमार की पत्नी ने पूरे महल को दीपों से सजा दिया। इसके बाद मां लक्ष्मी के भजन गाने लगी। यमदूत जब राजकुमार के प्राण लेने आये तो मां लक्ष्मी की भक्ति में लीन राजकुमार की पतिव्रता पत्नी को देखकर महल में प्रवेश करने का साहस नहीं जुटा पाये। यमदूतों के लौट जाने पर यमराज स्वयं सर्प का रूप धारण करके महल में प्रवेश कर गये। सर्प बने यमराज जब राजकुमारी के कक्ष के समाने पहुंचे तब दीपों की रोशनी और लक्ष्मी मां की कृपा से सर्प की आंखें चौंधिया गयी और सर्प बने यमराज राजकुमारी के पास पहुंच गये। राजकुमारी के भजनों में यमराज ऐसे खोये की उन्हें पता ही नहीं चला कि कब सुबह हो गयी। राजकुमार की मृत्यु का समय गुजर जाने के बाद यमराज को खाली हाथ लौटना पड़ा और राजकुमार दीर्घायु हो गया। ऐसी मान्यता है कि इसी दिन से धनतेरस के दिन यमदीप जलाने की परंपरा शुरू हुई।



कुबेर मंत्र के जाप से होगी लक्ष्मी प्रसन्न

कुबेर देव को धन का देवता माना जाता है। वे देवताओं के कोषाध्यक्ष हैं, इनकी कृपा से किसी को भी धन प्राप्ति के योग बन जाते हैं। कुबेर को प्रसन्न करने का सुप्रसिद्ध मंत्र इस प्रकार है-

कुबेर देव का मंत्र-

ऊँ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय, धन धन्याधिपतये धन धान्य समृद्धि मे देहि दापय स्वाहा।

यह देवताओं के कोषाध्यक्ष कुबेर देव का अमोघ मंत्र है। इस मंत्र का तीन माह तक रोज 108 बार जप करें। जप करते समय अपने सामने एक कौड़ी (धनलक्ष्मी कौड़ी) रखें। तीन माह के बाद प्रयोग पूरा होने पर इस कौड़ी को अपनी तिजोरी या लॉकर में रख दें। ऐसा करने पर कुबेर देव की कृपा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा। हमेशा उसमें धन भरा रहेगा। अब मन को एकाग्र करके हनुमान चालीसा का पाठ करें। यदि हनुमान चालीसा का पूर्ण पाठ नहीं कर पा रहे हों तो इन पंक्तियों का पाठ करें-

जम कुबेर दिगपाल जहां ते।
कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।

इन पंक्तियों के निरंतर जप से हनुमानजी तो प्रसन्न होंगे ही साथ ही यम, कुबेर आदि देवी-देवताओं की कृपा भी प्राप्त होगी।



छोटी दीपावली-नरक चतुर्दशी

कार्तिक माह के कृष्णपक्ष की चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी के नाम से जाना जाता है. नरक चतुर्दशी को नरक चौदस, रुप चौदस, रूप चतुर्दशी, नर्क चतुर्दशी या नरका पूजा के नाम से भी जानते हैं. मान्यता है कि कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी के दिन मुख्य रूप से मृत्यु के देवता यमराज की पूजा का विधान है.

नरक चतुर्दशी को छोटी दीपावली भी कहा जाता है. दीपावली से एक दिन पहले मनाई जाने वाली नरक चतुर्दशी के दिन संध्या के पश्चात दीपक प्रज्जवलित किए जाते हैं. नरक चतुर्दशी का पूजन कर अकाल मृत्यु से मुक्ति तथा स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए यमराज जी की पूजा उपासना की जाती है. इस रात्रि के पूजन एवं दीप जलाने की प्रथा के संदर्भ में पौराणिक कथाएं तथा कुछ लोक मान्यताएं प्रचलित हैं जो इस पर्व के महत्व को परिलक्षित हैं.

नरक चतुर्दशी पर्व से जुड़ीं कथाएं

नरक चतुर्दशी के पर्व के साथ अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं. एक पौराणिक कथा के अनुसार रन्ति देव नामक एक राजा हुए थे. वह बहुत ही पुण्यात्मा और धर्मात्मा पुरूष थे सदैव धर्म कर्म के कार्यों में लगे रहते थे. जब उनका अंतिम समय आया तो यमराज के दूत उन्हें लेने के लिए आते हैं. और राजा को नरक में ले जाने के लिए आगे बढते हैं. यमदूतों को देख कर राजा आश्चर्य चकित हो उनसे पूछते हैं कि मैंने तो कभी कोई अधर्म या पाप नहीं किया है तो फिर आप लोग मुझे नर्क में क्यों भेज रहे हैं. कृपा कर मुझे मेरा अपराध बताएं जिस कारण मुझे नरक का भागी होना पड़ रहा है. राजा की करूणा भरी वाणी सुनकर यमदूत उनसे कहते हैं कि, हे राजन एक बार तुम्हारे द्वार से एक ब्राह्मण भूखा ही लौट गया जिस कारण तुम्हें नरक जाना पड़ रहा है. यह सुनकर राजा यमदूतों से विनती करते हुए कहते हैं कि वह उसे एक वर्ष का और समय देने की कृपा करें. राजा का कथन सुनकर यमदूत विचार करने लगते हैं और राजा की आयु एक वर्ष बढ़ा देते हैं. यमदूतों के जाने पर राजा इस समस्या के निदान के लिए ऋषियों के पास जाता हैं, उन्हें सारा वृतान्त सुनाता है. ऋषि राजा से कहते हैं कि यदि राजन कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी का व्रत करें. ब्रह्मणों को भोजन करवा कर उनसे अपने अपराधों के लिए क्षमा याचना करें तो वह इस पाप से मुक्त हो सकते हैं. ऋषियों के कथन अनुसार राजा कार्तिक माह की कृष्ण चतुर्दशी का व्रत करता है और इस प्रकार राजा पाप मुक्त हो कर विष्णु लोक में स्थान पाता है. तभी से पापों एवं नर्क से मुक्ति हेतु कार्तिक चतुर्दशी व्रत प्रचलित है. एक अन्य कथा अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने कार्तिक माह को कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन नरकासुर का वध करके, देवताओं व ऋषियों को उसके आतंक से मुक्ति दिलवाई थी. इसके साथ ही साथ श्री कृष्ण भगवान ने सोलह हजार कन्याओं को नरकासुर के बंदी गृह से मुक्त करवाया था. इस उपलक्ष पर नगर वासियों ने नगर को दीपों से प्रकाशित किया और उत्सव मनाया तभी से नरक चतुर्दशी का त्यौहार मनाया जाने लगा.

रूप चतुर्दशी

नरक चतुर्दशी को रूप चतुर्दशी भी कहते हैं. रूप चतुर्दशी के दिन भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करनी चाहिए ऐसा करने से रूप सौंदर्य की प्राप्ति होती है. रूप चतुर्दशी से संबंधित एक कथा भी प्रचलित है मान्यता है कि प्राचीन समय पहले हिरण्यगर्भ नामक राज्य में एक योगी रहा करते थे. एक बार योगीराज ने प्रभु को पाने की इच्छा से समाधि धारण करने का प्रयास किया. अपनी इस तपस्या के दौरान उन्हें अनेक कष्टों का सामना करना पड़ा. उनकी देह पर कीड़े पड़ गए, बालों, रोओं और भौंहों पर जुएँ पैदा हो गई. अपनी इतनी विभत्स दशा के कारण वह बहुत दुखी होते हैं. तभी विचरण करते हुए नारद जी उन योगी राज जी के पास आते हैं और उन योगीराज से उनके दुख का कारण पूछते हैं. योगीराज उनसे कहते हैं कि, हे मुनिवर मैं प्रभु को पाने के लिए उनकी भक्ति में लीन रहा परंतु मुझे इस कारण अनेक कष्ट हुए हैं ऐसा क्यों हुआ? योगी के करूणा भरे वचन सुनकर नारदजी उनसे कहते हैं, हे योगीराज तुमने मार्ग तो उचित अपनाया किंतु देह आचार का पालन नहीं जान पाए इस कारण तुम्हारी यह दशा हुई है. नारद जी के कथन को सुन, योगीराज उनसे देह आचार के विषय में पूछते हैं इस पर नारदजी उन्हें कहते हैं कि सर्वप्रथम आप कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन व्रत रखकर भगवान की पूजा अराधना करें क्योंकि ऐसा करने से आपका शरीर पुन- पहले जैसा स्वस्थ और रूपवान हो जाएगा. तब आप मेरे द्वारा बताए गए देह आचार को कर सकेंगे. नारद जी के वचन सुन योगीराज ने वैसा ही किया और उस व्रत के फलस्वरूप उनका शरीर पहले जैसा स्वस्थ एवं सुंदर हो गया. अत- तभी से इस चतुर्दशी को रूप चतुर्दशी के नाम से जाना जाने लगा.



नरक चतुर्दशी पूजा विधि

नरक चतुर्दशी के दिन सुबह के समय आटा, तेल और हल्दी को मिलाकर उबटन तैयार किया जाता है. इस उबटन को शरीर पर लगाकर, अपामार्ग (चिचड़ी) की पत्तियों को जल में डालकर स्नान करते हैं. इस दिन विशेष पूजा की जाती है जो इस प्रकार होती है, सर्वप्रथम एक थाल को सजाकर उसमें एक चौमुख दिया जलाते हैं तथा सोलह छोटे दीप और जलाएं तत्पश्चात रोली खीर, गुड़, अबीर, गुलाल, तथा फूल इत्यादि से ईष्ट देव की पूजा करें. इसके बाद अपने कार्य स्थान की पूजा करें. पूजा के बाद सभी दीयों को घर के अलग अलग स्थानों पर रख दें तथा गणेश एवं लक्ष्मी के आगे धूप दीप जलाएं. इसके पश्चात संध्या समय दीपदान करते हैं जो यम देवता, यमराज के लिए किया जाता है. विधि-विधान से पूजा करने पर व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो प्रभु को पाता है.

धनतेरस पर कुबेर पूजा का महत्व

भगवान कुबेर विसराव के पुत्र और ब्रह्मदेव के पोते हैं। उन्हें धनपति और स्वर्ग के बैंकर भी कहा जाता है। कुबेर भगवान के कोषाध्यक्ष हैं। भगवान कुबेर का निवास स्थान कैलाश पर्वत है। वह अष्ट दिकपाला का प्रतिनिधित्व करते हैं जो कि उत्तर दिशा में है। इसी वजह से उन्हें उत्तर दिशा के तौर पर भी जाना जाता है। हिन्दू धर्म में उन्हें राजाओं के राजा माना जाता है।

आमतौर पर उन्हें उन्हें बौना, गौरा और बड़ी-सी तोंद वाला दिखाया जाता है। उनकी तीन टांगें, आठ दांत, एक आंख है और वह हमेशा बहुत से गहने पहने रहते हैं। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो कुबेर देवता धरती में गड़े हुए धन की रक्षा करते हैं। वह सोने, चांदी और नौ सिद्धियों के खज़ाने की रखवाली करते हैं। कुबेर के विमान का नाम पुष्पक है जिसपर सवार होकर वह पूरे विश्व का भ्रमण करते हैं। उनके पास हमेशा एक पर्स रहता है जिसमें पैसे और अन्य कीमती सामान रहता है। भगवान कुबेर की पूजा करने से घर में समृद्धि आती है।

समृद्धि प्राप्ति के लिए धनतेरस पर कुबेर पूजा कुबेर पूजा में पूरे विधि-विधान से वैदिक मंत्रों का जाप किया जाता है। यह पूजा धनतेरस के दिन की जाती है। यह पूजा गवग्रह मदिर खरगौन में भी की जाती है, अगर आप चाहें तो उसमें शामिल हो सकते हैं। यहां पर पूरे विधि-विधान से पूजा संपन्न की जाती है ताकि सभी को भगवान कुबेर का आशीर्वाद मिले और सबके जीवन में समृद्धि बनी रहे। अगर कुबेर प्रसन्न हो जाते हैं तो वह अपने भक्तों को समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

कुबेर पूजा का महत्व और लाभ समृद्धि और धन प्राप्ति के लिए कुबेर की पूजा और हवन किया जाता है। जिन लोगों के जीवन में पैसे या कारोबार संबंधी परेशानी हो उन लोगों को तांत्रिक पूजन करना चाहिए। ऐसा करने से उन्हें भगवान कुबेर का आशीर्वाद प्राप्त होगा। एक पुराने, शक्तिशाली और पूरा यंत्र को कुबेर यंत्र कहा जाता है। धनतेरस के दिन इस यंत्र की पूजा करने से भी विशेष लाभ होता है। माना जाता है कि इस दिन भगवान कुबेर जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं। कुबेर पूजा का बहुत महत्व है और इसे करने से विशेष लाभ होते हैं-

-यह पूजा करने से घर में धन-धान्य बना रहता है। -कर्ज से मुक्ति मिलती है। -गरीबी से छुटकारा मिलता है और जीवन में समृद्धि आती है। -व्यापार-कारोबार में लाभ होता है। -आपका बैंक बैलेंस बढ़ता है। -किसी भी प्रकार के श्राप से मुक्ति मिलती है।

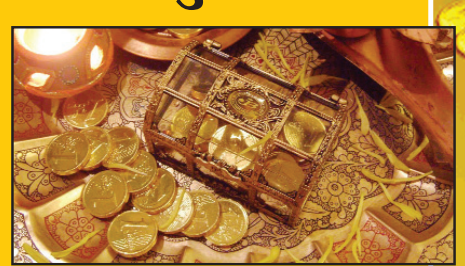
धनतेरस पर समृद्धि देते हैं कुबेर..

समस्त धन सम्पदा और ऐश्वर्य के स्वामी कुबेर के लिए धनतेरस के दिन शाम को 13 दीप समर्पित किए जाते हैं। कुबेर भूगर्भ के स्वामी हैं। कुबेर की पूजा से मनुष्य की आंतरिक ऊर्जा जागृत होती है और धन अर्जन का मार्ग प्रशस्त होता है।

निम्न मंत्र द्वारा चंदन, धूप, दीप, नैवेद्य से पूजन करें-

कुबेर मंत्र -

ऊँ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन-धान्य अधिपतये धन-धान्य समृद्धि में देहि दापय स्वाहा।'



'एक साल तक कप्तानी न करें हार्दिक', पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने पांड्या को दी बड़ी सलाह



नई दिल्ली ,(एजेंसी)। आईपीएल 2027 से पहले हार्दिक पांड्या के भविष्य और ट्रेड को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने हार्दिक की अगली आईपीएल टीम को लेकर अपनी राय रखी है। उनका मानना है कि हार्दिक के लिए चेन्नई सुपर किंग्स या पंजाब किंग्स बेहतर विकल्प हो सकते हैं, लेकिन उन्हें फिलहाल किसी भी टीम की कप्तानी नहीं करनी चाहिए।

केकेआर में हार्दिक को कप्तानी देने के पक्ष में नहीं रायुडू

अंबाती रायुडू ने कोलकाता नाइट राइडर्स को हार्दिक पांड्या के लिए सही विकल्प नहीं माना है। उनका कहना है कि केकेआर को इस समय नए कप्तान की जरूरत है और टीम की जिम्मेदारी संभालना आसान नहीं होगा। रायुडू ने ष्टह्वद्बष्ठह्व55 पर चर्चा के दौरान कहा, 'मेरे हिसाब से पंजाब या चेन्नई, ये दोनों टीमें हैं जहां हार्दिक जा सकते हैं। लेकिन उन्हें कप्तानी नहीं करनी चाहिए।'

सीएसके और पीबीकेएस को बताया हार्दिक के लिए बेहतर विकल्प: रायुडू का मानना है कि चेन्नई और पंजाब में हार्दिक को अपने क्रिकेट पर ध्यान देने का अच्छा मौका मिल सकता है। उन्होंने आगे कहा, 'वहां उन्हें अपने क्रिकेट के लिहाज से एक अच्छा माहौल मिलेगा। लेकिन च्चक्रमें उनके ऊपर काफी जिम्मेदारियां होंगी, क्योंकि टीम को कप्तान की जरूरत है। इस समय उस टीम की कप्तानी करना आसान नहीं है।' हालांकि, फिलहाल हार्दिक के ट्रेड को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मुंबई इंडियंस में हार्दिक को महसूस हुआ दबाव?

रायुडू ने आईपीएल के पिछले सीजन में मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम में हार्दिक की स्थिति पर भी अपनी राय रखी। उनका मानना है कि हार्दिक खुद को टीम के भीतर घिरा हुआ महसूस कर रहे थे। रायुडू ने कहा, 'मुंबई में मुझे ऐसा लगा कि हार्दिक को महसूस हो रहा था कि उन्हें एक कोने में धकेल दिया गया है। जब आपको ऐसा महसूस होता है, तो आप हमेशा अपने कंधे के ऊपर से देखते रहते हैं।'

कप्तानी के कारण बिगड़ सकता है ड्रेसिंग रूम का माहौल

रायुडू ने आगे बताया कि जब कोई खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में खुद को असहज महसूस करता है, तो उसका असर उसके व्यवहार और प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'जब ड्रेसिंग रूम में ऐसा होता है, तो आप कई बार ऐसे तरीके से प्रतिक्रिया देते हैं, जैसा आप खुद भी नहीं करना चाहते। हार्दिक के लिए कई चीजें सही नहीं रहीं। इसमें उनकी गलती भी हो सकती है और कुछ दूसरी वजहें भी हो सकती हैं। रायुडू का मानना है कि अगर हार्दिक मुंबई इंडियंस के साथ बने रहते हैं, तब भी उन्हें कप्तानी से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर वह मुंबई इंडियंस में रहना चाहते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि उन्हें कप्तान होना चाहिए। उन्हें सिर्फ अपना खेल खेलना चाहिए, समय का आनंद लेना चाहिए और मुंबई के लिए मैच विनर बनना चाहिए।' रायुडू ने साफ किया कि दूसरी टीम में जाने पर भी हार्दिक को कम से कम एक सीजन कप्तानी नहीं करनी चाहिए। आईपीएल 2026 के बाद से मैदान से दूर हैं हार्दिक

हार्दिक पांड्या ने आईपीएल 2026 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं खेला है। वह बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की वनडे टीम में भी चुना गया था, लेकिन समय पर फिटनेस हासिल नहीं कर पाने के कारण वह वापसी नहीं कर सके। फिलहाल उनकी वापसी की आधिकारिक तारीख सामने नहीं आई है।

यूईएफए चैंपियंस लीग, कोमो की रिकॉर्ड जीत, लेंस को 9-1 से हराया

लेंस ,(एजेंसी)। कोमो ने यूईएफए चैंपियंस लीग में लेंस को 9-1 से हरा दिया। इस टूर्नामेंट में किसी इटैलियन क्लब की अब तक की यह सबसे बड़ी जीत है। मेहमान टीम ने शुरुआत में ही मैच पर नियंत्रण बना लिया था। डौविकास ने सातवें मिनट में स्कोरिंग शुरू की और फिर 32वें मिनट में अपने स्कोर को दोगुना कर दिया। निको पाज ने हाफ टाइम से आठ मिनट पहले बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भी कोमो ने लेंस को आराम से नहीं रहने दिया। लुकास दा कुन्हा ने 47वें मिनट में स्कोर 4-0 कर दिया, इसके छह मिनट बाद मार्क-ओलिवर केम्पफ ने गोल किया। सब्स्टीट्यूट माटिया लिबेराली ने 62वें मिनट में एक और गोल किया। रूबेन एगुइलर ने 65वें मिनट में गोल करके घरेलू समर्थकों को थोड़ी देर के लिए जश्न मनाने का मौका दिया, लेकिन मार्टिन बटुरिना ने चार मिनट बाद कोमो की छह गोल की बढ़त वापस दिला दी। डेब्यू कर रहे माटेओ पापासिओली ने स्टॉपेज टाइम में शानदार स्कोरलाइन पूरी की। पाज की भूमिका अहम रही। उन्होंने एक गोल करने के साथ दो असिस्ट किए, जबकि लिबेराली ने भी एक गोल करने के साथ दो असिस्ट किए।

15 साल की तन्वी का डकार में बजा डंका

यूथ ओलंपिक खेलों में रचा इतिहास; महिला बैडमिंटन फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भारत की युवा स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पत्री ने सेनेगल के डकार में जारी यूथ ओलंपिक खेलों में इतिहास रच दिया है। वह इस प्रतियोगिता की महिला एकल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बन गई हैं।

ओडिशा की 15 वर्षीय तन्वी ने शानदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जापान की दूसरी वरीयता प्राप्त युजुनो वतनबे को कड़े मुकाबले में 21-14, 11-21, 21-19 से शिकस्त दी। 54 मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में जीत के साथ ही उन्होंने स्वर्ण पदक के लिए होने वाले खिताबी मुकाबले में जगह पक्की कर ली। तन्वी ने इससे पहले थाइलैंड की कुंगकाएव कनानिक को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी और ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया था। अब उनके पास स्वर्ण पदक जीतकर अपने यादगार अभियान को ऐतिहासिक बनाने का



सुनहरा मौका है। फाइनल में उनका सामना चीन की यी शिन झांग से होगा, जो मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन हैं। तन्वी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। जापानी खिलाड़ी ने जोरदार वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-11 से जीत लिया और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मुकाबला लगातार उतार-चढ़ाव से गुजरता रहा, लेकिन निर्णायक क्षणों में तन्वी ने गजब का संयम दिखाया।

उन्होंने 21-19 से तीसरा गेम जीतकर यादगार जीत दर्ज की। तन्वी की यह उपलब्धि यूथ ओलंपिक में भारतीय बैडमिंटन की बढ़ती पहचान का एक और महत्वपूर्ण अध्याय है। इससे पहले 2010 में सिंगापुर में आयोजित पहले यूथ ओलंपिक में एचएस प्रणय ने रजत पदक जीता था। 2018 में ब्यूनस आयर्स युवा ओलंपिक में लक्ष्य सेन उपविजेता रहे थे। आदित्य जोशी ने 2014 में पुरुष एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था।

फाइनल में होगी तन्वी की कठिन परीक्षा

तन्वी और झांग के बीच अब तक केवल एक बार भिड़ंत हुई है। इस साल एशिया जूनियर चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में दोनों आमने-सामने आई थीं, जहां तन्वी को कड़े संघर्ष के बाद 18-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा था। कुल मिलाकर तन्वी के सामने फाइनल में कठिन परीक्षा होने वाली है। युजुनो के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबला तन्वी के धैर्य और मानसिक मजबूती की कड़ी परीक्षा साबित हुआ। दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी और किसी ने भी आसानी से हार नहीं मानी।

पिछले सीजन के मुकाबले इस बार मुंबई इंडियंस की टीम में बेहतर संतुलन है: अभिनव मुकुंद

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिनव मुकुंद का मानना है कि मुंबई इंडियंस (एमआई) ने पिछले सीजन में टीम संयोजन से जुड़ी अपनी कमजोरियों को काफी हद तक दूर कर लिया है। उनके अनुसार, इसमें नए हेड कोच ल्यूक विलियम्स की बड़ी भूमिका रही है, क्योंकि वह कई खिलाड़ियों को पहले से अच्छी तरह जानते थे। मुकुंद ने कहा कि इसी वजह से दो बार की चैंपियन टीम महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 के लिए एक ज्यादा संतुलित और मजबूत टीम तैयार करने में सफल रही है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ पहले काम कर चुके विलियम्स एमआई टीम की चयन प्रक्रिया में एक नया नजरिया लेकर आए हैं। मुकुंद ने बताया कि खिलाड़ियों के साथ विलियम्स के पुराने जुड़ाव का असर फ्रेंचाइजी के नीलामी और ट्रेडिंग फैसलों पर पड़ा है। मुकुंद ने 'जियोस्टार' से कहा, 'मुझे लगता है कि पिछले सीजन के मुकाबले इस बार एमआई की टीम में कहीं बेहतर संतुलन है। मुझे यह बात भी अच्छी लगी कि उनके नए हेड कोच ल्यूक विलियम्स ने ऐसी खिलाड़ियों को चुना है जो टीम को मजबूती देंगी और उसमें वैल्यू जोड़ेंगी।' पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने आगे कहा, 'उन्होंने दिशा कसाट को लिया है, जिन्होंने आरसीबी में उनके साथ काफी करीब से काम किया था। इसके अलावा, तारा नॉरिस को ट्रेड के जरिए टीम में शामिल करना भी काफी शानदार फैसला है।

मैनचेस्टर सिटी ने आरबी लीपजिंग को हराया

चैंपियंस लीग में आर्सेनल का अजेय सफर जारी



नई दिल्ली ,(एजेंसी)। चैंपियंस लीग के लीग चरण के अपने चौथे मैच में आर्सेनल फुटबॉल क्लब ने चेक गणराज्य के फॉर्च्यूना एरिना में स्लाविया प्राग को 2-1 से हराकर अपना अजेय सफर जारी रखा है। वहीं, मैनचेस्टर सिटी आरबी लीपजिग को 3-2 से हराकर जीत की पटरी पर लौट आई है। आर्सेनल के लिए नोनी माडुके और विक्टर ग्योकेरेस ने गोल किए, जबकि मेजबान टीम के लिए एकमात्र गोल 90वें मिनट में विक्टर नोवाक ने किया। मिकेल आर्टेटा की टीम आर्सेनल अपने मानकों से काफी दूर थी, लेकिन लीग चरण में अजेय बने रहने के लिए उन्होंने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। आर्टेटा ने लिवरपूल को हराने वाली टीम में छह बदलाव किए। काई हैवर्ट्ज की जगह ग्योकेरेस को शुरुआती लाइनअप में शामिल किया गया। इस स्वीडिश स्ट्राइकर ने जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने मैच के शुरुआती 10 मिनटों के भीतर माडुके को असिस्ट दिया, जिससे माडुके ने 9वें मिनट में गोल कर दिया। इसके बाद, 38वें मिनट में ग्योकेरेस ने खुद भी एक गोल किया। उन्होंने मिकेल मेरिनो के साथ पास का आदान-प्रदान किया और गेंद को नेट में पहुंचाकर टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी।

मेजबान टीम ने दूसरे हाफ में अच्छा खेल दिखाया और आर्सेनल के डिफेंस पर दबाव बनाया। 90वें मिनट में नोवाक ने करीब से एक गोल किया। जीत के बाद मैनेजर आर्टेटा ने माना कि टीम अपने तय मानकों से काफी दूर थी। मैच के बाद आर्टेटा ने कहा, 'इस टीम में जबरदस्त जज्बा और अटूट विश्वास है। अगर आप इन्हें कोई मौका देते हैं, तो ये उसका पूरा फायदा उठाते हैं। हम अपने तय मानकों से बहुत दूर थे।

खेल के दौरान खासकर दूसरे हाफ में हम अपनी बुनियादी बातों, हर कॉन्सेप्ट और उन चीजों के मामले में काफी पीछे रहे जिनसे हमें बचने के लिए कहा गया था। हम एक-दूसरे से जो उम्मीदें रखते हैं, हम उन मानकों से बहुत दूर थे, लेकिन फिर भी हमने किसी तरह मैच में अपनी पकड़ बनाए रखी और जीत हासिल की।'

इस बीच, एर्लिंग हालैंड ने मैच के आखिर में गोल करके मैनचेस्टर सिटी को आरबी लीपजिग के खिलाफ 3-2 से जीत दिलाई। इससे पहले, मैनचेस्टर सिटी को लगातार दो प्रीमियर लीग मैचों में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि काराबाओ कप में उन्होंने ब्राइटन को पेनल्टी शूटआउट में हराया था। हालांकि, यूरोपियन टूर्नामेंट में उन्होंने जीत की राह पर लौटने के लिए जरूरी प्रदर्शन किया। 37वें मिनट में आरबी लीपजिग के डिफेंडर कैस्टेलो लुकेबा ने निको ओ'रेली के शॉट को रोकने की कोशिश में गेंद को अपने ही गोलपोस्ट में डाल दिया, जिससे मैनचेस्टर सिटी को 1-0 की बढ़त मिल गई।

इसके बाद आरबी लीपजिग के रिडले बाकू ने गोल करके स्कोर बराबर करने की कोशिश की, लेकिन जल्द ही एंजो फर्नांडेज ने हेडर से गोल करके मैनचेस्टर सिटी को फिर से बढ़त दिला दी। 61वें मिनट में एंटोनियो नुसा ने गोल करके आरबी लीपजिग को वापस मैच में ला खड़ा किया, लेकिन 78वें मिनट में हालैंड ने निर्णायक गोल करके अपनी टीम को जीत दिला दी।

वेटलिफ्टिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में

बुल्गारिया के कार्लोस नासर का जलवा

निंगबो ,(एजेंसी)। बुल्गारिया के कार्लोस नासर ने वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में बुधवार को पुरुषों की 95 किलोग्राम कैटेगरी में तीनों वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ते हुए अपना चौथा विश्व खिताब जीता। चीन के निंगबो में आयोजित प्रतियोगिता में 21 वर्षीय नासर ने स्नैच में 185 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 230 किलोग्राम का वजन उठाया।

इस तरह उनका कुल वजन 415 किलोग्राम रहा, जो कजाकिस्तान के नुरगिसा अडिलेतुली से 16 किलोग्राम



अधिक था। 2024 ओलंपिक चैंपियन नासर अब 89 किलोग्राम कैटेगरी से ऊपर आ गए हैं। प्रतियोगिता में अडिलेतुली ने 399 किलोग्राम के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि 2024 एशियन गेम्स के चैंपियन, ईरान के अली अलीपोर ने 396 किलोग्राम के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। चीन के कियान फेइक्सियांग 385 किलोग्राम के साथ चौथे स्थान पर रहे। नासर ने अपने सभी छह प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए। उन्होंने 'स्नैच' में 175 किलोग्राम, 180 किलोग्राम और 185 किलोग्राम वजन उठाया, जिसके बाद 'क्लीन एंड जर्क' में 213 किलोग्राम, 220 किलोग्राम और 230 किलोग्राम का वजन सफलतापूर्वक उठाया।

उनका आखिरी क्लीन एंड जर्क प्रयास 220 किलोग्राम के पिछले वर्ल्ड रिकॉर्ड से बेहतर था, जबकि उनका कुल वजन (415 किलोग्राम) अलीपोर द्वारा सितंबर में बनाए गए 398 किलोग्राम के पिछले विश्व रिकॉर्ड से कहीं अधिक था।

इस जीत के साथ नासर ने अपना चौथा विश्व खिताब हासिल किया और वेटलिफ्टिंग के शीर्ष एथलीट्स में अपनी जगह और मजबूत कर ली। निंगबो में आयोजित यह चैंपियनशिप 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया की शुरुआत है।

पैरा टेबल टेनिस में रचा इतिहास

पैरालंपिक में देश को दिलाया पहला पदक

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भाविना पटेल का नाम देश की शीर्ष पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों में शुमार है। भाविना ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतकर देश का नाम दुनियाभर में प्रतिष्ठित किया है। भाविना पटेल का जन्म 6 नवंबर 1986 को मेहसाणा, गुजरात में हुआ था।

वह सिर्फ 12 साल की उम्र में पोलियो का शिकार हो गई, जिससे उनका दायां पैर प्रभावित हो गया। भाविना के माता-पिता ने उनकी शारीरिक अक्षमता को कभी उनकी कमजोरी नहीं बनने दिया और उन्हें कुछ बड़ा करने के लिए प्रेरित किया। पटेल 2007 में ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन कंप्यूटर कोर्स करने पहुंची थीं। वहीं पर उन्होंने कुछ बच्चों को टेबल टेनिस खेलते देखा। यहीं से उनके मन में टेबल टेनिस के प्रति रुचि बढ़ी। इसके बाद उन्होंने ललन दोशी के मार्गदर्शन में इस खेल का प्रशिक्षण लेना शुरू किया। व्हीलचेयर पर बैठकर खेलना आसान नहीं था, लेकिन भाविना ने अपनी हिम्मत और मेहनत से इसे आसान बनाया। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सबसे पहले भाविना ने 2009 में जॉर्डन में हिस्सा लिया। इसके बाद 2011 में थाईलैंड ओपन में चीनी खिलाड़ी को



हराकर उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था। 2013 में बीजिंग में एशियन पैरा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में उन्होंने देश को पहला सिल्वर मेडल दिलाया।

टोक्यो पैरालंपिक 2020 की सफलता ने भाविना को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता और पहचान दिलायी। क्लास 4 कैटेगरी के फाइनल में उन्होंने जगह बनाई। फाइनल में उन्हें चीनी खिलाड़ी झोउ यिंग के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा, लेकिन यह मेडल ऐतिहासिक था। भारत को पहली बार पैरा टेबल टेनिस में पैरालंपिक मेडल मिला। 39 साल की भाविना ने 2022 कॉमनेल्थ गेम्स में गोल्ड जीता था। उनके नाम 2018 पैरा एशियन गेम्स में सिल्वर और 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स में कांस्य पदक है।

भाविना ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में कांस्य पदक जीता था। 2021 में उन्हें अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया था। शारीरिक अक्षमता के बावजूद भाविना पटेल की सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो मुश्किलों के बावजूद अपनी जिंदगी में बड़ी सफलता हासिल करना चाहते हैं।

विराट कोहली ने बताई अपनी सबसे पसंदीदा वनडे इनिंग

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने 38वें जन्मदिन पर अपनी पसंदीदा वनडे पारी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। हैरानी की बात यह है कि उन्होंने अपनी कई यादगार शतकीय पारियों को पीछे छोड़ते हुए महज 43 रन की पारी को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चुना। यह पारी उन्होंने 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी।

2013 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल की पारी को चुना: स्टार स्पोर्ट्स की ओर से जारी एक वीडियो में कोहली को अपनी कुछ बेहतरीन वनडे पारियों में से पसंदीदा पारी चुनने का टास्क दिया गया था। इस दौरान उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2013 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में खेली गई 43 रन की पारी को सबसे ऊपर रखा। भारत ने इस बारिश से प्रभावित मुकाबले में पांच रन से जीत दर्ज की थी।

2011 विश्व कप फाइनल की पारी भी थी पसंद: कोहली ने शुरुआत में 2011 विश्व कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ बनाए गए 35 रन को चुना। उस मुकाबले में भारतीय टीम ने 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 31 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। ऐसे मुश्किल समय में कोहली ने गौतम गंभीर के साथ अहम साझेदारी कर टीम को संभालने में मदद की थी।

183 रन की ऐतिहासिक पारी को भी छोड़ा पीछे: कोहली ने अपनी पसंदीदा पारी चुनते समय पाकिस्तान के खिलाफ 2012 एशिया कप में बनाए गए 183 रन को भी पीछे छोड़ दिया।

इस मुकाबले में उन्होंने 330 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शतक लगाया था। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 160 रन और 2015 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 107 रन की पारी भी उनकी पसंदीदा सूची में जगह नहीं बना सकी।

43 रन की पारी के पीछे थी खास वजह: 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत ने बारिश के कारण 20 ओवर में 129 रन का लक्ष्य रखा था। टीम इंडिया की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 66 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। ऐसे मुश्किल हालात में कोहली ने 43 रन बनाकर रवींद्र जडेजा के साथ 47 रन की अहम साझेदारी की। भारत ने यह मुकाबला पांच रन से जीतकर खिताब अपने नाम किया था।



कोहली के नाम दर्ज हैं कई बड़े रिकॉर्ड

विराट कोहली वनडे क्रिकेट में 15,183 रन बना चुके हैं, जिसमें 55 शतक और 80 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 9,230 रन और 30 शतक दर्ज हैं, जबकि टी20 इंटरनेशनल में उन्होंने 4,188 रन बनाए हैं। तीनों फॉर्मेट में मिलाकर कोहली के नाम 28,601 अंतरराष्ट्रीय रन और 86 शतक हैं।



हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों का अपना महत्व है

हॉलीवुड की मशहूर गेम फ्रेंचाइज 'स्ट्रीट फाइटर' पर बनी फिल्म में विद्युत जामवाल धलसिम के किरदार में दिखेंगे। खास बात यह है कि उन्होंने किरदार मिलने से पहले कभी यह गेम नहीं खेला था। एक बातचीत में उन्होंने इसे लेकर खास चर्चा की और टाइगर श्रॉफ के साथ भी एक फिल्म पर बात की...

कभी 'स्ट्रीम फाइटर' गेम खेला था या ये किरदार मिलने के बाद इससे जुड़े?

यह गेम पहले कभी नहीं खेला था। धलसिम के लिए चुने जाने के बाद इसे खेलना शुरू किया। मैं अलग-अलग पार्टनर्स के साथ रोज गेम खेलता था, ताकि हर किरदार को समझ सकूं। कुछ समय के लिए मुझे इसकी आदत-सी हो गई थी। मेरे लिए धलसिम खास है, क्योंकि वह भारतीय योगी है, जो अपनी सांस को भी ताकत की तरह इस्तेमाल करता है। योग और मार्शल आर्ट्स की दुनिया से मेरा जुड़ाव रहा है, इसलिए इस किरदार से जुड़ना स्वाभाविक था।

फिल्म में फाइट्स रियलिटी से ज्यादा बड़ी हैं। आपकी ट्रेनिंग इसमें कैसे काम आई?

इस फिल्म की दुनिया बहुत अलग है। यहां हर चीज बड़ी है और उसी में इसका मजा है। यह ऐसी फिल्म नहीं है, जिसमें हर एक्शन को बिल्कुल रियल दिखाने की कोशिश की गई हो। इसके किरदारों और उनकी ताकतों में कल्पना का बड़ा हिस्सा है। गेम खेलने वाले दर्शक इसे समझेंगे और एंजॉय करेंगे। जिन्होंने गेम नहीं खेला, उनके लिए भी इसमें मनोरंजन है।

टाइगर श्रॉफ के साथ अपनी नई फिल्म को लेकर कुछ बताएं?

टाइगर और मैं एक फिल्म पर काम कर रहे हैं। उसे जानने के बाद मुझे लगा कि हम दोनों में जो क्षमता है, वह बहुत ज्यादा है। जब यह फिल्म आएगी, तो सच में कमाल हो सकता है। आज तक हमें ऐसा डायरेक्टर नहीं मिला, जो हम दोनों को हमारी काबिलियत से भी आगे ले जा सके। मैं चाहता हूं कि हमारी क्षमताओं को समझकर कोई हमें उस स्तर तक लेकर जाए, जहां दर्शकों को कुछ नया देखने को मिले।

हॉलीवुड और बॉलीवुड में काम की प्रोसेस का कितना अंतर महसूस हुआ?

मेरे लिए दोनों की तुलना करना ऐसा है, जैसे कोई पूछे कि दायां हाथ पसंद है या बायां हाथ। दोनों आपके हैं। दोनों का अपना महत्व है और दोनों का मजा लेना चाहिए। शूटिंग के दौरान भी यही सोचता था कि मार्शल आर्ट्स की वजह से यहां तक पहुंचा हूं। अब इम्तिहान का वक्त है और मुझे अपना बेस्ट करना है।

टाइगर के साथ वाली फिल्म से क्या उम्मीदें लेकर चल रहे हैं?

मेरे लिए जरूरी है कि हम अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल करें। सिर्फ दो एक्शन स्टार्स का साथ आना काफी नहीं है। फिल्म में ऐसा कुछ होना चाहिए, जो हम दोनों को आगे ले जाए। सही सोच और सही डायरेक्शन मिला तो हम बहुत कुछ कर सकते हैं।





'पेड्डी' में अपने किरदार को 'ऑब्जेक्टिफाई' किए जाने को लेकर जाह्नवी ने की बात

फिल्म 'पेड्डी' में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के किरदार को दिखाए जाने के तरीके को लेकर काफी चर्चा हुई। हाल ही में वरुण धवन के साथ 'कॉफी विद करण' में शामिल होने के दौरान, उन्होंने इस स्पोर्ट्स ड्रामा में अपने किरदार को 'ऑब्जेक्टिफाई' किए जाने को लेकर हुई आलोचना पर खुलकर बात की। आलोचना को खारिज करने या चर्चा से बचने के बजाय, जाह्नवी ने इस मामले को एक अलग नजरिए से देखने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि उनके किरदार को लेकर हुई चर्चा से शायद अब उन अभिनेत्रियों के प्रति अधिक संवेदनशीलता आएगी, जो अपने चित्रण के कुछ पहलुओं को लेकर असहज महसूस करती हैं। जाह्नवी ने कहा, 'मुझे खुशी है कि 'पेड्डी' में मेरे चित्रण को लेकर इतना बड़ा मुद्दा बना। शायद अगली बार जब कोई अभिनेत्री कहेगी कि वह असहज है, तो लोग उसे किसी एलियन की तरह नहीं देखेंगे। इस विषय पर बात करते हुए, जाह्नवी ने बताया कि वह इस मुद्दे पर बोलने में थोड़ी हिचकिचा रही थीं, क्योंकि इस प्रोजेक्ट पर कई लोगों ने कड़ी मेहनत की थी। 'धड़क' फेम अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे सच में समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूं या कुछ कहना भी चाहिए या नहीं, लेकिन यह जरूरी था कि जो कुछ भी हुआ, उसमें अपनी जिम्मेदारी मैं खुद लूं। मेरे मन पर इस बात का भारी बोझ था कि इस तरह की चीजों का हमारे समाज पर, खासकर महिलाओं पर, कितना नकारात्मक असर पड़ सकता है। जाह्नवी ने माना कि समाज पर पड़ने वाले संभावित असर को लेकर वह शर्मिंदगी महसूस कर रही थीं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि वह थोड़ी और सतर्क रह सकती थीं। उन्होंने कहा, 'क्या मैं कुछ और कर सकती थी? क्या मैं और ज्यादा सतर्क रह सकती थी? क्या मैं इस पर कड़ा विरोध जता सकती थी? बिल्कुल, हां। क्या यह समस्याजनक था? क्या यह हद से ज्यादा अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने कई बार खुद से यह सवाल पूछा कि क्या उन्हें शूटिंग के दौरान और अधिक मजबूती से विरोध करना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'मैं यह कहना नहीं चाहती, क्योंकि ऐसा लग सकता है कि मैं अपना दोष दूसरों पर डाल रही हूं, लेकिन आप जानते हैं कि चीजें कैसे काम करती हैं। हां, डायरेक्टर जो कहते हैं, आपको प्रोफेशनल बने रहना होता है और उनकी बात माननी पड़ती है।' इसलिए, जैसे-जैसे मुझे चीजें पता चलती गईं, मैं अपनी समझ के हिसाब से यही कोशिश कर रही थी कि चीजों को कम से कम समस्याजनक बनाया जा सके।



वामिका गब्बी ने 'प्रहार- द अनटोल्ड.... में प्रोस्थेटिक्स पहनने के अपने अनुभव को साझा किया

अभिनेत्री वामिका गब्बी ने फिल्म 'प्रहार- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम' में प्रसिद्ध सरकारी वकील उज्ज्वल निकम की पत्नी ज्योति निकम के किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने बातचीत में किरदार निभाने के लिए प्रोस्थेटिक्स पहनने के अपने अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि मेकअप चेयर पर बैठे-बैठे अपने चेहरे को बदलते हुए देखना किरदार को और भी ज्यादा वास्तविक महसूस करा रहा था। उन्होंने कहा, 'प्रोस्थेटिक्स के बाद जब मैंने खुद को शीशे में देखा, तो कुछ देर तक तो मैं शीशे में खुद को निहारती रह गई। ये एक बहुत ही अजीब एहसास था, क्योंकि मुझे पता था कि वो मैं ही हूँ, लेकिन मैं सामने दिख रहे शख्स को पहचान नहीं पा रही थी। हालांकि, इस पूरे प्रोसेस को मैंने पूरी तरह से इंजॉय किया था।' अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मेकअप चेयर पर बैठने के बाद चेहरे को धीरे-धीरे बदलते हुए देखने पर कहीं न कहीं किरदार आपके लिए और ज्यादा असली लगने लगता है। कई बार तो मैं भूल ही जाती थी कि मैं कितनी अलग दिख रही हूं, जब तक कोई मुझे सेट से मेरी फोटो नहीं दिखा देता था।'

वामिका गब्बी ने बताया कि ज्योति निकम का किरदार निभाना उनके लिए एक अलग ही एक्सपीरियंस था। उन्होंने कहा, 'ज्योति निकम का किरदार निभाना मेरे लिए एक बहुत ही अलग अनुभव था और मुझे खुशी है कि मुझे एक्टिंग के उस पहलू को एक्सप्लोर करने का मौका मिला, जिसे मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था।' ज्योति निकम का किरदार उज्ज्वल निकम (राजकुमार राव द्वारा निभाया गया किरदार) के पेशेवर और निजी जीवन के बीच के तालमेल को दर्शाता है। जब उज्ज्वल निकम देश के सबसे चर्चित मामलों (जैसे 26/11 मुंबई हमले) की कानूनी लड़ाई लड़ रहे होते हैं, तब ज्योति निकम का किरदार उनके पीछे के पारिवारिक दबावों, संघर्ष और मानवीय पहलू को पर्दे पर उतारता है। बताया जाता है कि वामिका गब्बी ने इस किरदार को निभाने से पहले वास्तविक जीवन की ज्योति निकम से मुलाकात की थी, ताकि वह उनके सफर और उनके योगदान को गहराई से समझ सकें।



सैफ स्टारर अगली फिल्म से अलग हुई प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर भारतीय फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। वह सैफ अली खान के साथ एक नई फिल्म में नजर आने वाली थीं। इस फिल्म का निर्देशन रितेश बत्रा करने वाले हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है और इसे पुराने समय की कहानी पर आधारित बताया जा रहा है। हालांकि, अब प्रियंका इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'पहले से तय काम और शूटिंग की डेट्स में तालमेल नहीं बैठ पाने के कारण उन्हें इस फिल्म से अलग होना पड़ा है। प्रियंका के इस फिल्म से अलग होने की खबर ऐसे समय में सामने आई है, जब 21 अक्टूबर को मुंबई में इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि फिल्म बनाने वाली टीम ने डेट्स में बदलाव करने की कोशिश भी की। कोशिश थी कि किसी तरह प्रियंका की व्यस्तताओं और फिल्म की शूटिंग के बीच तालमेल बैठाया जा सके लेकिन दोनों पक्षों की कोशिशों के बाद भी कोई रास्ता नहीं निकल पाया। इसके बाद प्रियंका को फिल्म से अलग होना पड़ा।

इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म से इंटरनेशनल डेब्यू करने जा रही हैं सैयामी खेर

अभिनेत्री सैयामी खेर अपनी अपकमिंग इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म से इंटरनेशनल डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि अलग-अलग संस्कृतियों के साथ काम करने से कहानी कहने का एक अलग नजरिया मिलता है। अपने अनुभव को शेयर करते हुए सैयामी खेर ने कहा, 'यह मेरे लिए बिल्कुल अलग और नया अनुभव था। पूरी तरह से विदेशी क्रू के साथ काम करना मजेदार अनुभवों में से एक था। हमने रूस में शूटिंग की और यह पहली बार था जब मैं वहां गई थी।' अभिनेत्री ने मॉस्को की तारीफ करते हुए बताया कि वहां पर काम करने का अनुभव भारत के मुकाबले अलग था। उन्होंने कहा, 'फिल्म का पूरा अनुभव शानदार रहा। वहां काम करने का माहौल मेरे अब तक के अनुभव से काफी अलग था और मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत मजा आया। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में ऐसे कई और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनूंगी।' उन्होंने कहा, 'भाषा और सीमाओं से परे जाकर काम करना बहुत मजेदार होता है। अलग-अलग संस्कृतियों के साथ काम करने से कहानी कहने का एक अलग नजरिया मिलता है और आपको उन लोगों से सीखने का मौका मिलता है जो अपने-अपने अनोखे अंदाज में सिनेमा को देखते हैं। यह एक शानदार अवसर था जिसका हिस्सा बनकर मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं। हालांकि अभी फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी देना जल्दबाजी होगी लेकिन यह एक ड्रामा फिल्म है जिसके केंद्र में एक मजबूत महिला किरदार है।' कार्तिना एंटरटेनमेंट, व्हाइट नाइट फिल्म्स और विश मीडिया द्वारा निर्मित यह फिल्म एक क्रॉस-कल्चरल सहयोग है, जो एक दमदार ड्रामा के जरिए सिनेमा की सार्वभौमिक भाषा को दर्शाती है। फिल्म का निर्देशन निर्देशक मैक्सिम कुजनेत्सोव कर रहे हैं।



बच्चों की नजर से दुनिया को देखना बेहद खूबसूरत है

एक्ट्रेस रसिका दुग्गल इन दिनों अपनी नई फिल्म 'लिटिल थॉमस' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा में फिल्मों के बदलते अंदाज पर बात की और कहा कि आज टेक्नोलॉजी ने फिल्ममेकर्स के लिए कई रास्ते खोल दिए हैं, लेकिन इसके बावजूद रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी सरल कहानियों की अपनी खास अहमियत है। रसिका ने कहा, ''आज टेक्नोलॉजी ने फिल्ममेकर्स को कई तरह की रास्ते दिए हैं। ऐसे में फिल्मों में बड़े स्तर और भव्यता पर जोर देना स्वाभाविक है। लेकिन कभी-कभी इस सबके बीच हम ऐसी कहानी की खूबसूरती भूल जाते हैं, जो सरल हो, लेकिन सतही न हो।'' उन्होंने फिल्म के डायरेक्टर कौशल ओझा के फिल्म बनाने के अंदाज की तारीफ करते हुए कहा कि उनका शांत और सहज तरीका उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। उनकी कहानी कहने के अंदाज में एक अलग तरह का भरोसा नजर आता है। उनकी फिल्मों को दर्शकों से जुड़ने के लिए किसी भव्य सेट या उलझी हुई कहानी की जरूरत नहीं होती। एक्ट्रेस ने आगे कहा, ''कहानी कहने के उनके अंदाज में यह भरोसा है कि किसी फिल्म को दर्शकों से जुड़ने के लिए हमेशा भव्य माहौल या पेचीदा कहानी की जरूरत नहीं होती। कभी-कभी सबसे साधारण विचार ही सबसे दिलचस्प कहानियां बन जाते हैं, क्योंकि वे जिंदगी के हमारे अपने अनुभवों और नजरिए को दिखाते हैं।'' रसिका ने कहा, ''फिल्म 'लिटिल थॉमस' में एक बच्चे की जिज्ञासा और भाई-बहन की चाहत के जरिए परिवार, बचपन, शादीशुदा जिंदगी के उतार-चढ़ाव और लिबरलाइजेशन के बाद के भारत की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में थॉमस नाम का एक बच्चा यह जानना चाहता है कि बच्चे कहां से आते हैं। साथ ही, वह अपने लिए एक भाई या बहन भी चाहता है। उसकी यही जिज्ञासा कहानी को आगे बढ़ाती है।'' रसिका ने कहा, ''मुझे लगता है कि इन सभी बातों को एक बच्चे की नजर से देखना बेहद खूबसूरत है। यह हमें याद दिलाता है कि हमें बच्चों की जिज्ञासा को कम नहीं आंकना चाहिए और न ही उनके सवालों को नजरअंदाज करना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि हम ऐसी फिल्में बनाते रहेंगे, जो अपने विचारों की ताकत पर भरोसा करती हैं और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी साधारण कहानियों को भी अपनी जगह देती हैं।'' कौशल ओझा के निर्देशन में बनी 'लिटिल थॉमस' को अनुराग कश्यप का समर्थन मिला है। फिल्म में रसिका दुग्गल के साथ गुलशन देवैया और हृदांश पारेख भी अहम भूमिकाओं में हैं।

राहुल गांधी का भाजपा पर आरोप, गोकुल डेयरी चुनाव के बाद नियम बदलकर बहुमत छीनने की कोशिश

बोले- दूध उत्पादकों के वोटों की हुई चोरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र की गोकुल डेयरी के चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव में हार के बाद भाजपा ने नियमों में बदलाव कर बहुमत छीनने की कोशिश की है। राहुल गांधी ने इसे दूध उत्पादकों के वोटों की चोरी करार दिया। उन्होंने गुरुवार को इंटरनेट माध्यम एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि गोकुल में दूध डेयरी चलाने वालों ने भाजपा को हरा दिया, तो भाजपा ने चुनाव के बाद नियम बदल दिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि चार निदेशक जोड़ो, 12 को 16 बनाओ और बहुमत चुरा लो। दरअसल, गोकुल दूध डेयरी में 19 अक्टूबर को 25 निदेशक पदों के लिए चुनाव हुआ था। इसमें कांग्रेस समर्थित पैनल ने 13 सीटों पर जीत दर्ज की थी, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन को 12 सीटें मिली थीं। इस परिणाम के बाद कांग्रेस समर्थित पैनल ने बहुमत हासिल कर लिया था। हालांकि, अब महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने डेयरी के संचालक मंडल में चार सरकारी निदेशकों को मतदान के अधिकार के साथ नामित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कांग्रेस इसी फैसले का विरोध कर रही है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी महाराष्ट्र सरकार के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार निर्वाचित संचालक मंडल की संरचना में बदलाव करके चुनाव के नतीजों को प्रभावित करना चाहती है। खेड़ा के मुताबिक, चुनाव में जीत के बाद महायुति समर्थित निदेशक बैठक में शामिल नहीं हुए, जिसके कारण अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो सका। इसके बाद बॉम्बे हाईकोर्ट ने 10 नवंबर को नए चुनाव कराने का निर्देश दिया था। खेड़ा ने कहा कि निर्वाचित संचालक मंडल को स्वतंत्र रूप से काम करने देने के बजाय सरकार चार सरकारी निदेशकों को मतदान का अधिकार देकर शामिल करना चाहती है। कांग्रेस का आरोप है कि इस फैसले से चुनाव में मिले जनादेश का महत्व कम हो जाएगा। पार्टी ने इस निर्णय को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देने की बात कही है। कोल्हापुर जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ को गोकुल डेयरी के नाम से जाना जाता है। इसके 25 निदेशक पदों के लिए 19 अक्टूबर को चुनाव कराया गया था। कांग्रेस नेता सतेज पाटील के नेतृत्व वाले राजर्षि शाहू शेतकरी समविचारी आघाड़ी ने 13 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया था। वहीं, भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी वाले महायुति गठबंधन को 12 सीटों पर जीत मिली थी। अब महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की ओर से चार सरकारी निदेशकों को मतदान के अधिकार के साथ नामित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने के बाद राजनीतिक विवाद बढ़ गया है। कांग्रेस का कहना है कि इससे संचालक मंडल में बहुमत का



समीकरण बदल सकता है। पार्टी ने इसे सहकारी संस्था की स्वायत्तता और मतदाताओं के लोकतांत्रिक जनादेश के खिलाफ बताया है।

बरेली में पर्स लूटकर भाग रहे दो बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़, एक के पैर में लगी गोली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बरेली। शहर के बारादरी थाना क्षेत्र में महिला से पर्स छीनने वाले दो बदमाशों की गुरुवार को पुलिस से मुठभेड़ हो गई। भरतौल रोड पर हुई मुठभेड़ में पुलिस की जवाबी फायरिंग में उफैज़ा नाम का बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसके साथी शकील उर्फ शानू उर्फ नागराज को पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। घायल बदमाश को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।



पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, कारतूस, लूटा गया मोबाइल, एटीएम कार्ड, नकदी, चाबियां और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 3 नवंबर की शाम पासपोर्ट कार्यालय के पास स्कूटी से जा रही महिला का बाइक सवार बदमाशों ने पर्स छीन लिया था। पर्स में मोबाइल, तीन बैंकों के एटीएम कार्ड, चाबियां और नकदी रखी थी। मामले की जांच के लिए पुलिस ने करीब 300 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसके आधार पर दोनों आरोपियों की पहचान हुई। गुरुवार को भरतौल रोड पर पुलिस ने संदिग्ध बाइक सवारों को रोकने का प्रयास किया तो दोनों बदमाश बाइक छोड़कर भागने लगे और पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उफैज़ा घायल हो गया और शकील पकड़ा गया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने महंगे शौक पूरे करने के लिए लूटपाट करना स्वीकार किया। पुलिस के मुताबिक, शकील के खिलाफ हत्या और शस्त्र अधिनियम सहित करीब आधा दर्जन मामले दर्ज हैं। अपर पुलिस अधीक्षक शिवम आशुतोष ने बताया कि दोनों के खिलाफ जानलेवा हमले और शस्त्र अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की जा रही है।

धनतेरस पर महाकाल मंदिर से होगा दीपावली पर्व का आगाज, चांदी के सिक्के से होगा बाबा का पूजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। पांच दिवसीय दीपावली पर्व की शुरुआत धनतेरस पर भगवान महाकाल के आंगन से होगी। इस अवसर पर श्री महाकालेश्वर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और अभिषेक किया जाएगा। बाबा महाकाल को चांदी का सिक्का अर्पित करने के साथ धन के देवता कुबेर का पूजन भी होगा। भस्म आरती में फुलझड़ी जलाकर दीपोत्सव का शुभारंभ किया जाएगा। सुबह करीब 9 बजे नंदी हॉल में विशेष महापूजा होगी। इसमें गणेश, महालक्ष्मी पूजन, पंचामृत अभिषेक और रुद्राभिषेक किया जाएगा। रूप चौदस पर बाबा को उबटन लगाया जाएगा, जबकि दीपावली पर विशेष श्रृंगार और अन्नकूट का भोग अर्पित होगा। शाम को कोटितीर्थ कुंड में दीपमालाएं सजाई जाएंगी। मंदिर में पांच दिनों तक धार्मिक और पारंपरिक आयोजन होंगे।



चारों धामों में कड़ाके की ठंड, पारा माइनस 13 डिग्री तक लुढ़का; दिल्ली की हवा भी बेहद जहरीली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देहरादून। गुरुवार सुबह केदारनाथ में न्यूनतम तापमान माइनस 8, बद्रीनाथ में माइनस 9, गंगोत्री में माइनस 13 और यमुनोत्री में माइनस 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। केदारनाथ में चार दिन पहले हुई बर्फबारी के बाद अब तक बर्फ नहीं पिघली है। ऊंचाई वाले इलाकों में कड़ाके की ठंड से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। इधर, दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। गुरुवार सुबह 8:01 बजे औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 482 दर्ज किया गया। सात निगरानी केंद्रों पर यह स्तर 400 के पार रहा। मौसम विभाग ने तमिलनाडु, पुडुचेरी, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में बारिश का अनुमान जताया है। वहीं हिमाचल प्रदेश में 10 नवंबर तक मौसम साफ रहने और उत्तराखंड के सभी जिलों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। पहाड़ी क्षेत्रों में धुंध छा सकती है।



चारों धामों में कड़ाके की ठंड, पारा माइनस 13 डिग्री तक लुढ़का; दिल्ली की हवा भी बेहद जहरीली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देहरादून। गुरुवार सुबह केदारनाथ में न्यूनतम तापमान माइनस 8, बद्रीनाथ में माइनस 9, गंगोत्री में माइनस 13 और यमुनोत्री में माइनस 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। केदारनाथ में चार दिन पहले हुई बर्फबारी के बाद अब तक बर्फ नहीं पिघली है। ऊंचाई वाले इलाकों में कड़ाके की ठंड से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। इधर, दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। गुरुवार सुबह 8:01 बजे औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 482 दर्ज किया गया। सात निगरानी केंद्रों पर यह स्तर 400 के पार रहा। मौसम विभाग ने तमिलनाडु, पुडुचेरी, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में बारिश का अनुमान जताया है। वहीं हिमाचल प्रदेश में 10 नवंबर तक मौसम साफ रहने और उत्तराखंड के सभी जिलों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। पहाड़ी क्षेत्रों में धुंध छा सकती है।



रतलाम के कछालिया गांव में 700 साल पुरानी परंपरा, 300 से अधिक मकानों पर आज तक नहीं हुआ रंग-रोगन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रतलाम। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले का कछालिया गांव अपनी अनूठी परंपराओं के कारण चर्चा में है। गांव में 300 से अधिक पक्के और आधुनिक मकान हैं, लेकिन किसी भी मकान की दीवार पर रंग-रोगन नहीं किया गया है। इतना ही नहीं, ग्रामीण काले रंग के कपड़े और जूते पहनने से भी परहेज करते हैं। गांव में यह परंपरा करीब 700 वर्षों से चली आ रही है, जिसे ग्रामीण बाबा कालेश्वर से जुड़ी मान्यताओं के आधार पर निभाते आ रहे हैं। आलोट-जावरा राजमार्ग से करीब ढाई किलोमीटर अंदर बसे इस गांव में प्रवेश करते ही बिना रंग-रोगन वाले मकान दिखाई देने लगते हैं। गांव में कई बहुमंजिला और आधुनिक घर बने हैं, जिनके निर्माण पर लाखों रुपए खर्च किए गए हैं, लेकिन उनकी दीवारों पर आज तक पुताई नहीं कराई गई। ग्रामीणों का मानना है कि मकानों पर रंग-रोगन कराने से अनहोनी हो सकती है। इसी मान्यता के चलते वे घरों को बिना रंग किए ही सजाते हैं। ग्रामीण बद्रीलाल धाकड़ के अनुसार, गांव में केवल मकानों की पुताई ही नहीं, बल्कि पानी छानकर पीने से भी परहेज किया जाता है। उनका कहना है कि यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गांव में बने करीब 100 मकानों पर भी रंग-रोगन नहीं कराया गया। सरपंच प्रतिनिधि जगदीश पुरी गोस्वामी के अनुसार, गांव में निजी और सरकारी दोनों तरह के मकानों पर इस परंपरा का पालन किया जाता है।

मुरैना में 80 हजार के इनामी डकैत कल्ली गुर्जर का शॉर्ट एनकाउंटर, साथी अजय गुर्जर भी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुरैना। मध्य प्रदेश के मुरैना में पुलिस ने गुरुवार सुबह चंबल के कुख्यात डकैत कल्ली गुर्जर और उसके साथी अजय गुर्जर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। बानमोर क्षेत्र के ललितापुरा स्थित पहाड़ी जंगल में हुई मुठभेड़ के दौरान दोनों के पैरों में गोली लगी। कल्ली गुर्जर पर 80 हजार रुपये का इनाम घोषित था। उसकी तलाश में पुलिस के करीब 200 जवान जुटे हुए थे। पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा ने बताया कि गुरुवार सुबह सूचना मिली थी कि बानमोर क्षेत्र के ललितापुरा स्थित पहाड़ी जंगल में डकैत कल्ली गुर्जर अपने साथियों के साथ हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर रवाना किया गया। सुबह करीब 10 बजे जंगल में पुलिस का डकैतों से आमना-सामना हो गया। उस समय कल्ली के साथ उसके कुछ अन्य साथी भी मौजूद थे। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, डकैतों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में चार राउंड फायर किए। इस दौरान एक गोली कल्ली गुर्जर के पैर में लगी, जबकि उसका साथी अजय गुर्जर भी घायल हो गया। मुठभेड़ के दौरान गिरोह के अन्य सदस्य जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस ने घायल कल्ली और अजय को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, कल्ली गुर्जर के खिलाफ मुरैना, ग्वालियर और श्योपुर जिलों में कुल 20 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें हत्या के प्रयास, मारपीट और अवैध हथियार रखने जैसे मामले शामिल हैं। मुरैना जिले के सरायछोला थाने



में उसके खिलाफ सबसे ज्यादा छह मामले दर्ज हैं। देवगढ़ थाने में तीन, जबकि बागचीनी, टिमनी और नूराबाद थानों में एक-एक मामला दर्ज है। इसके अलावा जौरा, कोतवाली और सिविल लाइन थानों में भी उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज हैं। ग्वालियर जिले के तिघरा, घाटीगांव, हस्तिनापुर और भंवरपुरा थानों में भी कल्ली के खिलाफ एक-एक मामला दर्ज है। वहीं श्योपुर जिले के बरगवां थाने में भी उसके खिलाफ एक प्रकरण दर्ज है। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2022 में गुड्डा गुर्जर के पकड़े जाने और उसके भाई योगी के आत्मसमर्पण के बाद कल्ली गुर्जर ने गिरोह की कमान संभाल ली थी। इसके बाद उसके खिलाफ कई आपराधिक घटनाओं में शामिल होने के आरोप सामने आए। 26 अप्रैल 2022 की रात कल्ली गुर्जर अपने साथी बंटी और जितेंद्र गुर्जर के साथ पहाड़गढ़ क्षेत्र के एक गांव पहुंचा था। आरोप है कि वहां उसने गोपाल गुर्जर से अपनी पोती की शादी कराने की मांग की थी और इनकार करने पर जान से मारने की धमकी दी थी। गोपाल के मना करने पर कल्ली और उसके साथियों ने उसे तथा लड़की की मां रामबाई को लात-घूंसों और लाठियों से पीटा। इसी दौरान कल्ली ने रामबाई के पैर में गोली मार दी थी। घटना के दौरान करीब 28 राउंड फायरिंग किए जाने की बात सामने आई थी। इसके बाद पीड़ित परिवार ने कल्ली और उसके साथियों के खिलाफ थाने में मामला दर्ज कराया था। कल्ली गुर्जर पर हाईवे पर एक कंटेनर चालक से रंगदारी मांगने का भी आरोप है। बताया गया कि चालक के इनकार करने पर उसने कंटेनर के 12 टायरों पर फायरिंग की थी। करीब 20 दिन पहले कल्ली गुर्जर का एक वीडियो भी सामने आया था।

आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत, जमानत याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को जमानत के मामले में सुप्रीम कोर्ट से गुरुवार को राहत नहीं मिली। शीर्ष अदालत ने उनकी याचिका पर सीधे सुनवाई करने से इनकार करते हुए इसे इलाहाबाद हाईकोर्ट स्थानांतरित कर दिया। साथ ही हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को निर्देश दिया कि मामले को 16 नवंबर से पहले खंडपीठ के सामने सूचीबद्ध किया जाए और उसी दिन अंतरिम आदेश पारित किया जाए। सुनवाई के दौरान आजम खान के वकील कपिल सिब्बल ने उनकी ओर से दलील दी कि उन्हें ईडी के अलावा 28 अन्य मामलों में गिरफ्तार किया जा चुका है। आजम खान ने कहा कि वह हर मामले का सामना करने को तैयार हैं, लेकिन उन्हें जमानत चाहिए। उनकी उम्र 80 वर्ष है और इस तरह लगातार जेल में रहने से उनकी मौत भी जेल में हो सकती है। उन्होंने ईडी की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि जिस समय उन्हें जेल से रिहा किया जा रहा था, उसी समय ईडी ने उन्हें दोबारा गिरफ्तार कर लिया। उनका आरोप है कि चुनाव के दौरान उन्हें जेल में रखने की कोशिश की जा रही है। कपिल सिब्बल ने ईडी की गिरफ्तारी को गलत नीयत से की गई कार्रवाई बताते हुए कहा कि मामला वर्ष 2006 का है, जबकि प्राथमिकी 2019 में दर्ज हुई थी। उन्होंने आरोपों का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ शिकायतों में घरों से पांच हजार रुपए, सोने की बालियां और नकदी लूटने, चार बकरियां ले जाने तथा मकानों को बुलडोजर से गिराने जैसे आरोप शामिल हैं।



दिवाली से पहले मध्य प्रदेश में सफाई व्यवस्था चरमराई, भोपाल में दो दिन से नहीं उठा कचरा; अब पानी सप्लाई बंद करने की चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। दिवाली से पहले मध्य प्रदेश के कई शहरों में सफाई कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल ने नगर व्यवस्था को प्रभावित कर दिया है। राजधानी भोपाल में लगातार दूसरे दिन कचरा नहीं उठने से सड़क, बाजार और गली-मोहल्लों में कचरे के ढेर लग गए हैं। कई स्थानों पर कूड़ेदान भरने के बाद कचरा सड़कों पर फैलने लगा है। अब कर्मचारियों ने शुक्रवार से पानी की आपूर्ति बंद करने की चेतावनी दी है। इससे शहर के 2.30 लाख से अधिक नल कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं के सामने पेयजल संकट खड़ा होने की आशंका है। सफाई कर्मचारियों के आंदोलन में अब दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी भी शामिल हो गए हैं। इसके चलते नगर निगम मुख्यालय स्थित अटल भवन में कामकाज ठप हो गया है। गुरुवार को कर्मचारी नेता अशोक वर्मा ने मुख्यालय की बिजली आपूर्ति बंद कर ताला लगा दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक कर्मचारियों की मांगें पूरी नहीं होंगी, तब तक पूरे शहर की दिवाली अंधेरे में रहेगी। कर्मचारी नेताओं ने शुक्रवार को नगर निगम में पूरी तरह तालाबंदी की चेतावनी भी दी है। भोपाल के अलावा शिवपुरी में भी सफाई व्यवस्था प्रभावित है। यहां नगर पालिका के करीब 350 कर्मचारी हड़ताल पर हैं और सड़कों व बाजारों में कचरा जमा होने लगा है। प्रदेशभर में एक लाख से अधिक कर्मचारी नियमितीकरण, वेतन वृद्धि और ठेका प्रथा समाप्त करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। त्योहार से ठीक पहले शुरू हुई इस हड़ताल ने प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है।



दिल्ली के चांदनी चौक में तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत ढही

2 की मौत, 4 घायल; मलबे में 15 लोगों के दबे होने की आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। राजधानी दिल्ली के चांदनी चौक इलाके में गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। यहां तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत अचानक ढह गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हुए हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, मलबे में करीब 15 लोगों के दबे होने की आशंका है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग, पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे तथा राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारियों के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 9:50 बजे चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के पास गली सत्तारा में हुआ। सूचना मिलने के बाद दमकल की छह गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, दिल्ली पुलिस और नगर निगम की टीमें भी बचाव एवं तलाशी अभियान में जुटी हुई हैं। मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। घटना के बाद दिल्ली नगर निगम ने कार्रवाई करते हुए दो अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इनमें भवन विभाग के सहायक अभियंता मोहम्मद नईम और कनिष्ठ अभियंता अमन दलाल शामिल हैं। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

छत के नीचे लगे सहारा तंत्र को हटाते समय ढही इमारत

नगर निगम के एक अधिकारी के मुताबिक, इमारत में निर्माण कार्य चल रहा था, लेकिन करीब 15 दिन पहले काम रोक दिया गया था। हादसे के समय मजदूर छत के नीचे लगाए गए सहारा तंत्र को हटा रहे थे। इसी दौरान पूरी इमारत अचानक ढह गई। अधिकारी ने बताया कि निर्माण में इस्तेमाल की गई सामग्री निर्धारित अभियंत्रण मानकों के अनुरूप नहीं थी और उसे ठीक तरीके से जमाया भी नहीं गया था। अधिकारियों के अनुसार, निर्माण संबंधी इन्हीं खामियों के कारण इमारत गिरने की आशंका है।

प्रत्यक्षदर्शी बोले- तीन से चार महीने से चल रहा था निर्माण कार्य

प्रत्यक्षदर्शी मोहम्मद नईम ने बताया कि इमारत का निर्माण पिछले तीन से चार महीने से किया जा रहा था। अब तक तीन-चार छतों की ढलाई हो चुकी थी। हादसे के दौरान सभी छतें एक साथ गिर गईं। घटना के समय मौके पर करीब तीन से चार लोग मौजूद थे। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, मलबे से एक शव बाहर निकाला गया था। इमारत गिरने की घटना को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार और दिल्ली नगर निगम को घेरा है। उन्होंने इंटरनेट माध्यम एक्स पर कहा कि कई बार सुरक्षा ऑडिट के आदेश दिए जाने के बावजूद दिल्ली में लगातार इमारतें गिर रही हैं। भारद्वाज ने सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के आरोप लगाते हुए कहा कि जो लोग रिश्वत नहीं देते, उनकी इमारतों को सील कर दिया जाता है, जबकि अन्य इमारतों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने दमकल विभाग और उपखंड अधिकारी कार्यालयों में भी अवैध वसूली के आरोप लगाए। इसके साथ ही ग्रेटर कैलाश-2 में दो व्यायामशालाओं को सील करने की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। हालांकि, ये आरोप आम आदमी पार्टी के नेता की ओर से लगाए गए हैं। दिल्ली में इस साल इमारतें गिरने से 21 लोगों की मौत, पांच बड़े हादसे पहले हो चुके। राजधानी दिल्ली में इस साल इमारतें गिरने की घटनाओं में अब तक 21 लोगों की जान जा चुकी है। चांदनी चौक की घटना से पहले पांच बड़े हादसे सामने आ चुके हैं।

संतों ने रेल मंत्रालय को भेजा प्रस्ताव, धार्मिक नगरी की परंपराओं के अनुरूप खानपान व्यवस्था लागू करने की अपील

काशी से चलने वाली वंदेभारत ट्रेनों में मांसाहारी भोजन बंद करने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। काशी से नई दिल्ली के बीच प्रस्तावित वंदेभारत स्लीपर ट्रेन में यात्रियों को परोसे जाने वाले भोजन को लेकर धार्मिक संगठनों और संतों ने नई मांग उठाई है। संतों और सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने रेल मंत्रालय से इस ट्रेन में केवल शाकाहारी भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था लागू करने की अपील की



है। साथ ही वाराणसी से संचालित होने वाली अन्य ट्रेनों में भी मांसाहारी भोजन बंद कर केवल शाकाहारी भोजन परोसने की मांग की गई है। संस्कृति संसद के मंच से गोविंद शर्मा ने संतों के साथ चर्चा और उनकी सहमति के बाद इस मांग को रेल मंत्रालय तक पहुंचाने की बात कही। उन्होंने कहा कि काशी देश की प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी है। ऐसे में यहां से देश के विभिन्न हिस्सों के लिए संचालित होने वाली ट्रेनों में खानपान की व्यवस्था स्थानीय धार्मिक मान्यताओं और सांस्कृतिक परंपराओं को ध्यान में रखकर निर्धारित की जानी चाहिए। इस मांग के समर्थन में अयोध्या और वैष्णो देवी मार्ग पर संचालित वंदेभारत ट्रेनों का उदाहरण भी दिया गया है। मांग करने वाले संगठनों का तर्क है कि इन धार्मिक स्थलों से जुड़ी ट्रेनों में शाकाहारी भोजन की व्यवस्था है। इसी आधार पर काशी से संचालित होने वाली वंदेभारत ट्रेनों में भी केवल शाकाहारी भोजन उपलब्ध कराने का नियम लागू किया जाना चाहिए। अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद ने भी इस मांग का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अयोध्या और वैष्णो देवी मार्ग की वंदेभारत ट्रेनों में मांसाहारी भोजन नहीं परोसा जाता है। ऐसे में धार्मिक नगरी काशी से चलने वाली ट्रेनों में भी यात्रियों को केवल शाकाहारी भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था होनी चाहिए। संतों का मानना है कि धार्मिक नगरों से जुड़ी रेल सेवाओं में वहां की परंपराओं और आस्था का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। गौरतलब है कि वाराणसी और नई दिल्ली के बीच सप्ताह में छह दिन वंदेभारत स्लीपर ट्रेन संचालित किए जाने की चर्चा है। इसके संचालन की संभावित तारीख 31 अक्टूबर बताई जा रही है। हालांकि, ट्रेन के संचालन और उसमें खानपान की व्यवस्था को लेकर आधिकारिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है। ऐसे में संतों और धार्मिक संगठनों की इस मांग पर रेल मंत्रालय के निर्णय का इंतजार है।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.